राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 99 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरूवार ,14 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की तबीयत बिगड़ी, भर्ती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की मंगलवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था और वह लगातार चेस्ट कंजेशन की शिकायत कर रहे थे। इसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सी एन टावर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। डॉ. मनमोहन सिंह की जांच के लिए एम्स एक मेडिकल बोर्ड बना रहा है, जिसको एम्स निदेशन डॉक्टर रणदीप गुलेरिया हेड करेंगे। मनमोहन सिंह इस साल 19 अप्रैल को कोरोना वायरस से भी संक्रमित हो गए थे। उन्हें एम्स में भर्ती कराया था।

तिहाड़ जेल के 30 कर्मचारी सस्पेंड, दो की गई नौकरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। यूनिटेक मामले में तिहाड़ जेल के 32 कर्मचारियों पर गाज गिरी है। इनमें से 30 कर्मचारी सस्पेंड कर दिए गए हैं, जबकि दो ठेके पर तैनात कर्मियों को निकाल दिया है। दिल्ली पुलिस ने तिहाड़ जेल के डीजी और गृह मंत्रालय को तिहाड़ जेल के 32 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिए थे। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने इनके खिलाफ केस भी दर्ज किया था। जेल अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस की चिट्ठी मिलने और सभी 32 कर्मचारियों के नाम मिलने के बाद उनके खिलाफ ये कार्रवाई की गई है। इन कर्मचारियों पर यूनिटेक के प्रमोटर संजय चंद्रा और अजय चंद्रा द्वारा जेल से गैर कानूनी गतिविधियां चलाने में सहयोग देने का आरोप है। इसी साल 26 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में ईडी ने चंद्रा बंधुओं को लेकर एक स्टेटस रिपोर्ट फाइल की थी।

ब्रिटेन झुका तो अब भारत ने भी दी राहत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वैक्सीनेटेड भारतीय यात्रियों के लिए ब्रिटेन में 10 दिन के क्वारेंटाइन का नियम खत्म करने के बाद अब भारत ने भी नरमी दिखाई है। भारत ने भी ब्रिटेन से आने वाले यात्रियों के लिए 1 अक्टूबर को जारी नई ट्रैवल एडवाइजरी वापस ले ली है, जिसका सीधा अर्थ यही है कि यूके से आने वाले यात्रियों को अब भारत में 10 दिन तक क्वारेंटाइन रहने की जरूरत नहीं है। अब ब्रिटेन से आने वाले यात्रियों पर 17 फरवरी को जारी नियम ही लागू होंगे। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से इस संबंध में बयान जारी किया गया है। पुराने नियमों के मुताबिक, ब्रिटेन के यात्रियों के लिए निगेटिव-आरटीपीसीआर रिपोर्ट दिखाना जरूरी है। यह रिपोर्ट 72 घंटे से ज्यादा पुरानी नहीं होनी चाहिए। साथ ही, एयरपोर्ट पर थर्मल स्क्रीनिंग में संक्रमण दिखने पर संबंधित व्यक्ति को तुरंत आइसोलेट किए जाने का प्रावधान है।

फ्लाईओवर से नीचे गिरी बस, एक मृत

गाजियाबाद, (एजेंसी)। गाजियाबाद के भाटिया मोड़ फ्लाईओवर से बस नीचे गिर गई, घटना में एक की मौत तथा कई लोगों के घायल होने की खबर है। जानकारी के मुताबिक हादसे के वक्त बस ग्रेटर नोएडा से गाजियाबाद जा रही थी। भाटिया मोड़ फ्लाईओवर से गुजरते वक्त तेज रफ्तार बस का टायर फट गया, जिसके बाद बेकाबू होकर बस फ्लाईओवर से नीचे जा गिरी. घटना के वक्त बस में एलजी कंपनी के 7 कर्मचारी सवार थे। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में बस में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनमें से 3 की हालत नाजुक है।

पीएम ने लॉन्च किया 100 लाख करोड़ का मास्टर प्लान

पीएम गतिशक्ति योजना से विकास को मिलेगी गति

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए समग्र योजना को संस्थागत रूप देकर विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी के मुद्दे के समाधान को लेकर पीएम गतिशक्ति- राष्ट्रीय मास्टर प्लान की शुरुआत की। देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए 100 लाख करोड़ रुपए की गतिशक्ति योजना से लाखों रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इतना ही नहीं, यह योजना प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इस प्लान का मकसद महत्वाकांक्षी रूप से 1.5 ट्रिलियन डॉलर की राष्ट्रीय इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन के तहत परियोजनाओं को अधिक शक्ति व गति देने और 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था प्राप्त करने के लक्ष्य को बढ़ावा देना है।इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम अगले 25 वर्षों के लिए नींव रख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को गति शक्ति योजना का ऐलान किया था।

16 केंद्रीय मंत्रालय व विभागों का ग्रुप

महाअष्टमी पर नई दिल्ली के प्रगति मैदान में सुबह 11 बजे पीएम गति शक्ति लॉन्च इवेंट हुआ। इसमें मौजूद प्रधानमंत्री मोदी ने रिमोट बटन दबाकर योजना की शुरुआत करने से पहले गति शक्ति मास्टर प्लान और प्रगति मैदान में नए प्रदर्शनी परिसर के मॉडल की समीक्षा की। महत्वाकांक्षी योजना में 16 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा नियोजित और शुरू की गई ढांचागत पहलों को एकजुट करने के लिए एक केंद्रीकृत पोर्टल की परिकल्पना की गई है।

इन 6 स्तंभों पर आधारित है यह योजना

सभी विभागों को एक केंद्रीकृत पोर्टल से एक-दूसरे की परियोजना पता चलेगी और मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी लोगों, वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। पीएमओ ने कहा कि गतिशक्ति परियोजना व्यापकता, प्राथमिकता, अनुकूलन, समकालीन और विश्लेषणात्मक तथा गतिशील होने के छह स्तंभों पर आधारित है। यह बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करेगा, रसद लागत में कटौती करेगा, आपूर्ति श्रृंखला में सुधार करेगा।

आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर हुई भाजपा की वार रूम मीटिंग

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के आगामी चुनाव की घोषणा में अब संभवतः दो माह का वक्त बचा है। राजनीतिक दलों ने मुद्दों को धार देना शुरू कर दिया है। ऐसे में बुधवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा के वार रूम में कुछ लोगों के साथ चुनावी तैयारियों और प्रबंधन पर चर्चा की। बताया जाता है कि इस बैठक में केंद्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, भाजपा महासचिव अरुण सिंह समेत कुछ अन्य नेता मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार लगभग ढाई घंटे चली बैठक में प्रबंधन ही मुख्य मुद्दा था।

दरअसल पंजाब को छोड़कर बाकी के चार राज्य उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा भाजपा के लिए अहम हैं। उत्तर प्रदेश के महत्व को देखते हुए वहां हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और शाह कई दौरे कर चुके हैं। उत्तराखंड में भी कुछ दिन पहले ही पीएम ने एक तरह से चुनावी अभियान की शुरूआत कर दी। शाह अगले कुछ दिनों में गोवा जाने वाले हैं। जबकि मणिपुर में दो दिन पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का सम्मेलन हो चुका है। उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी को लेकर विपक्ष हावी होने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में बुधवार को वार रूम में शाह की बैठक को प्रबंधन से ही जोड़ा जा रहा है।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू के अरुणाचल प्रदेश दौरे पर चीन ने जताई आपत्ति, भारत ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली,एजेंसी । देश के उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू की अरुणाचल प्रदेश की हालिया यात्रा पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणियों पर भारत ने पटलवार किया है. भारतीय विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि हम ऐसी टिप्पणियों को खारिज करते हैं. अरुणाचल प्रदेश भारत का एक अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है. भारतीय नेता नियमित रूप से राज्य की यात्रा करते हैं, जैसा कि वे भारत के किसी अन्य राज्य में करते हैं. दरअसल, लद्दाख में भारत और चीन के बीच जारी तनाव के बीच बीजिंग ने बुधवार को कहा कि वह उपॅाराष्ट्रपति वेंकैया नायडू के अरुणाचल प्रदेश जाने का 'कड़ा विरोध' करता है. उसने भारत से कहा कि ÷ऐसी कार्रवाई करना बंद करें जो सीमा मुद्दे को जटिल और विस्तारित करेगी.'

उपराष्ट्रपति नायडू बीते सप्ताह पूर्वोत्तर के दौरे पर अरुणाचल गए थे. यह पहला मौका नहीं जब भारत ने साफ जुबान में चीन को यह न बताया हो कि यह उसका अभिन्न है, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है. भारत अतीत में चीन को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट कर चुका है कि किसी भी नेता द्वारा अरुणाचल की यात्रा किसी अन्य राज्य या भारत के अभिन्न अंग की यात्रा से अलग नहीं है और पूरी तरह से उसका आंतरिक मामला है.

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा कि सीमा मुद्दे पर चीन की स्थिति सुसंगत और स्पष्ट है. उन्होंने कहा, चीनी सरकार कभी भी भारतीय पक्ष द्वारा एकतरफा और अवैध रूप से स्थापित तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं देती है, और संबंधित क्षेत्र में भारतीय नेताओं की यात्राओं का कड़ा विरोध करती है. हम भारतीय पक्ष से चीन की प्रमुख चिंताओं का ईमानदारी से सम्मान करने, सीमा मुद्दे को जटिल और विस्तारित करने वाली कोई भी कार्रवाई बंद करने और आपसी विश्वास और द्विपक्षीय संबंधों को कम करने से बचने का आग्रह करते हैं. इसके बजाय उसे चीन-भारत सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए वास्तविक ठोस कार्रवाई करनी चाहिए और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत और स्थिर विकास की पटरी पर लाने में मदद करनी चाहिए. चीन पूर्वी क्षेत्र अरुणाचल में 90,000 वर्ग किमी तक का दावा करता है, जबकि भारत चीन को पश्चिमी क्षेत्र अक्साई चिन में 38,000 वर्ग किमी पर अवैध रूप से कब्जा करने के रूप में देखता है. पिछले सप्ताह अरुणाचल में तवांग के पास दोनों देश आमने-सामने आ गए थे, जहां कुछ चीनी सैनिकों को भारतीय सैनिकों ने हिरासत में लिया गया था.

जैश-ए-मोहम्मद का टॉप कमांडर शाम सोफी ढेर

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में अवंतीपोरा के त्राल क्षेत्र स्थित तिलवानी मोहल्ला वाग्गड़ में आतंकियों और सुरक्षाबल के बीच मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। सुरक्षाबलों को इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया गया था। इसी दौरान आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया। आईजीपी कश्मीर ने बताया कि त्राल में जारी मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का टॉप कमांडर शाम सोफी मारा जा चुका है।

वहीं पुलिस की राजोरी-पुंछ रेंज के डीआईजी विवेक गुप्ता ने खुलासा किया है कि पुंछ और राजोरी जिले के बॉर्डर पर स्थित पंगेई के जंगलों में आतंकियों की मौजूदगी पिछले दो-तीन माह से है।

एनआईए ने किए चार आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एनआईए यानी राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कई जगहों पर छापेमारी की है और घाटी में आतंकी साजिश के मामले में चार लोग गिरफ्तार किए हैं।

निंदनीय है लखीमपुर हिंसा, पीएम नहीं करते किसी आरोपी की रक्षा

बॉस्टन, (एजेंसी)। केंद्रीय वि‌ा मंत्री निर्मला सीतारमण ने लखीमपुर खीरी हिंसा की निंदा की है। अमेरिका के आधिकारिक दौरे पर गईं सीतारमण ने मंगलवार को हार्वर्ड केनेडी स्कूल में लखीमपुर खीरी में चार किसानों की हत्या और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के बेटे आशीष मिश्रा की गिरतारी के बारे में छात्रों से बातचीत के दौरान एक सवाल का जवाब दे रही थीं। इस दौरान उनसे पूछा कि इस पर प्रधानमंत्री, वरिष्ठ मंत्रियों की ओर से बयान यों नहीं आया है। उन्होंने कहा कि नहीं, बिल्कुल नहीं... मुझे लगा कि आपने एक ऐसी घटना को उठाया जो बिल्कुल निंदनीय है। हम (भाजपा) में हर कोई ऐसा सोचता है। इसी तरह के मामले और भी राज्यों में हो रहे हैं। वहां के बारे में कोई बात नहीं करता है। यह चिंता की बात है। सीतारमण ने कहा कि भारत में इस तरह के मुद्दे देश के कई अलग-अलग हिस्सों में समान रूप से हो रहे हैं। मैं चाहती हूं कि जो भारत को जानते हैं, ऐसे मामलों को केवल उस समय नहीं उठाएं, जब यह भाजपा शासित राज्य में हो रहे हों। मेरी पार्टी या मेरे प्रधानमंत्री किसी भी आरोपी को लेकर रक्षात्मक नहीं हैं। हम भारत के बारे में रक्षात्मक हैं। मैं भारत के लिए बात करूंगी।

क्रूज ड्रग्स मामले में गिरफ्तार आर्यन खान की जमानत याचिका पर आज भी होगी सुनवाई

मुंबई ■ एजेंसी

क्रूज ड्रग्स मामले में अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की जमानत पर बुधवार फैसला नहीं हुआ। अब कोर्ट गुरुवार को सुनवाई करेगी। आर्यन की जमानत याचिका पर लंबी बहस हुई और कोर्ट ने कहा कि अब गुरुवार दोपहर 12 बजे इस पर फिर सुनवाई होगी।

एनसीबी ने गोवा जा रहे 'कॉर्डेलिया क्रूज' जहाज पर छापेमारी के बाद तीन अक्टूबर को आर्यन खान को गिरफ्तार किया था। वह अभी मुंबई में आर्थर रोड जेल में बंद हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह जमानत के लिए मजिस्ट्रेट अदालत का रुख किया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने कहा था कि जमानत आवेदन पर विचार करने का उसे अधिकार नहीं है, इसके बाद आर्यन ने स्पेशल कोर्ट का रुख किया था। बुधवार को जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान आर्यन खान के वकील अमित देसाई ने कहा कि क्रूज से जब्त ड्रग्स का आर्यन से कोई लेना-देना नहीं है। आर्यन ने कोई गुनाह नहीं किया है। एनसीबी अच्छा काम कर रही है लेकिन बेगुनाहों को न फंसाए।

15 संयंत्रों में एक दिन का रिजर्व कोयला नहीं बचा

रोजाना हो रही आपूर्ति से चला रहे काम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के कई विद्युत उत्पादन संयंत्रों के लिए आज वो कहावत शब्दशः सही साबित हो रही है - रोज कुआं खोदो और पानी पीओ। ऐसा इसलिए क्योंकि इन संयंत्रों के पास एक दिन का भी रिजर्व कोयला नहीं बचा है। इनका काम रोजाना आपूर्ति से चल रहा है।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के वेबसाइट पर दिए आंकड़ों से इन संयंत्रों में कोयले की कमी का अंदाजा लगाया जा सकता है। वेबसाइट पर उपलब्ध 11 अक्टूबर तक के आंकड़ों के मुताबिक, देश के 15 विद्युत उत्पादन संयंत्रों में एक दिन का भी रिजर्व कोयला नहीं बचा है। इनमें उत्तर प्रदेश और हरियाणा के 3-3 जबकि महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के 2-2 संयंत्र शामिल हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु और झारखंड के 1 - 1 संयंत्र भी कोयले की इस कमी से जूझ रहे हैं।

सावरकर के योगदान की उपेक्षा करना न्यायसंगत नहीं : रक्षामंत्री राजनाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उदय माहूरकर और चिरायु पंडित की पुस्तक ''वीर सावरकर हु कुड हैव प्रीवेंटेड पार्टिशन'' के विमोचन कार्यक्रम में कहा कि विचारधारा के चश्मे से देखकर वीडी सावरकर के योगदान की उपेक्षा करना और उन्हें अपमानित करना क्षमा योग्य और न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि सावरकर ने महात्मा गांधी के कहने पर अंग्रेजों को दया याचिका दी थी। वीर सावरकर महानायक थे, हैं और भविष्य में भी रहेंगे। देश को आजाद कराने की उनकी इच्छा शक्ति कितनी मजबूत थी, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अंग्रेजों ने उन्हें दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई, कुछ विशेष विचारधारा से प्रभावित लोग ऐसे राष्ट्रवादी पर सवालिया निशान लगाने का प्रयास करते हैं।

बीजेपी का समर्थन करने के आरोप को एचडी देवगौड़ा ने बताया बेबुनियाद, कांग्रेस को जमकर सुनाई खरीखोटी

नई दिल्ली,एजेंसी । पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा ने शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाया कि क्षेत्रीय संगठन ने भारतीय जनता पार्टी की मदद के लिए 30 अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव में मुस्लिम उम्मीदवार खड़े किए हैं.गौड़ा ने कहा कि कांग्रेस ऐसे काम करती है जैसे उसने राज्य में मुसलमानों और उनके कल्याण का कॉन्ट्रेक्ट लिया हो. एचडी देवेगौड़ा ने कहा, 'एक मुसलमान पहले भी वहां (सिंदगी) जीत चुका है.

वे (कांग्रेस) कहते हैं कि हम दलाल हैं जो बीजेपी को जीतने में मदद कर रहे हैं. हम सब वहां जाकर डेरा डालेंगे. हर घर में जाओ. उन्हें बताओ कि मैंने क्या किया है. उन्हें (मतदाताओं को) बताएं कि मैं अपने जीवन के अंतिम चरण में आपके दरवाजे पर आया हूं और उनसे अपने उम्मीदवार को जीतने में मदद करने के लिए कहता हूं.'बता दें उनका ये बयान तब सामने आया जब कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जद (एस) अल्पसंख्यक वोट को विभाजित करने के प्रयास में दोनों उपचुनाव क्षेत्रों में एक मुस्लिम उम्मीदवार को खड़ा करके बीजेपी की मदद कर रहा है.

'कांग्रेस को जिसने जन्म दिया उसी के खिलाफ बोलती है'- एचडी देवेगौड़ा ने कहा, जद (एस) के सिंदगी विधायक, एमसी मनागुली का इस जनवरी में निधन हो गया. इस जून में सीएम उदासी का निधन हो गया, जिससे हनागल में उपचुनाव की आवश्यकता पड़ी. हालांकि, मनागुली का बेटा तब से कांग्रेस में शामिल हो गया है और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अनुसार, 5 अक्टूबर को निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार की घोषणा की गई है. गौड़ा ने कहा कि कांग्रेस अपने उम्मीदवारों का शिकार करना जारी रखती है और फिर उस पार्टी के खिलाफ बोलती है जिसने उन सभी (सिद्धारमैया का जिक्र करते हुए) को राजनीतिक जन्म दिया.

उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कह रहा हूं कि आपको (जेडीएस) अल्पसंख्यक उम्मीदवार नहीं उतारना चाहिए. लेकिन वे ऐसा नहीं करते जहां उन्हें करना चाहिए, 'सिद्धारमैया ने कहा. उन्होंने कहा कि जद (एस) क्षेत्रीय संगठन के गढ़ मांड्या और हसन में एक मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारेगा, क्योंकि उनका मुख्य समर्थन आधार, वोक्कालिगा बड़ी संख्या में पाए जाते हैं. बीजेपी को दोनों सीटों पर जीत की उम्मीद है और कांग्रेस अपने 2023 के विधानसभा चुनाव अभियान को कुछ गति देने की कोशिश कर रही है। जद (एस) ने अपनी संख्या में गिरावट देखी है.

बिजली उत्पादन के लिए कोयले की आपूर्ति में कोई संकट की बात नहीं : कोयला मंत्री

बिलासपुर। कोयले की कमी से जूझ रहे देश के बिजली संयंत्रों के बीच केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को आश्वासन दिया कि बिजली उत्पादन के लिए कोयले की आपूर्ति में कोई संकट नहीं आएगा। जोशी ने बिलासपुर हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद पत्रकारों से बात की। उनका कार्यक्रम पड़ोसी कोरबा जिले जाना का है, जहां वे कोल इंडिया की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की गेवरा, दीपका और कुसमुंडा खदानों का जायजा लेने गए हैं और वे बाद में अधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे। यह पूछे जाने पर, कांग्रेस कोयले की कमी का दावा कर रही है, इसपर कोयला और खान मंत्री ने कहा, मैं इस पर राजनीति नहीं करना चाहता। हम पहले से ही कुल आवश्यकता को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आज बिजली उत्पादन के लिए 11 लाख टन कोयले की जरूरत है और हम पहले ही 20 लाख टन कोयले की आपूर्ति कर चुके हैं। इसकी वजह से स्टाक भी चढ़ रहा है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि देश में बिजली उत्पादन के लिए आपूर्ति को पूरा करने में कोई समस्या नहीं होगी। जोशी ने कहा कि वह एसईसीएल की खदानों का जायजा लेने और वहां उत्पादन में तेजी लाने के लिए चर्चा करने जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक आवश्यकता का सवाल है, बिजली मंत्रालय ने 19 लाख टन (बिजली उत्पादन इकाइयों के लिए) और 20 (अक्टूबर) के बाद 20 लाख टन की आपूर्ति की मांग रखी थी। आज ही हमने 20 लाख टन की आपूर्ति की है और बाकी चीजों पर मैं (खदानों की) समीक्षा के बाद चर्चा करूंगा। बता दें कि मंगलवार को, प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कोयला आपूर्ति और बिजली उत्पादन परिदृश्य की समीक्षा की। सरकार के समक्ष कई राज्यों द्वारा ऊर्जा संकट की परेशानी सामने रखी गई है, जिसपर केंद्र सरकार कई तरीकों पर विचार कर रही है।

चीन की चालाकी का जवाब देने के लिए एलएसी पर भारत की मजबूत तैयारी, डेमचोक में कम्युनिकेशन टावर लगाने का काम पूरा

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास चीन के साथ जारी विवाद के बीच डेमचोक में भारत ने 3-4 महीने में नए नेटवर्क टावर और कम्युनिटी सेंटर का निर्माण किया है. पूरे लद्दाख में 35 नए टावर लगाए जाने का काम जोरों पर है. पूर्वी लद्दाख इलाके में, खास तौर पर सीमावर्ती गावों में लंबे समय से कम्युनिकेशन टावर का नहीं होना सबसे बड़ी समस्या थी. लेकिन अब 2022 तक पूरे इलाके में ज्यादा से ज्यादा टावर लगाए जाएंगे.

हाल ही में लद्दाख में 35 नए कम्युनिकेशन टावर लगाने को मंजूरी दी गई थी, जिसमें सबसे ज्यादा 15 टावर पूर्वी लद्दाख मे लगाए जाएंगे. इसके अलावा करीब 20 टावर लेह, कारगिल, द्रास और दूसरे इलाको में लगाए जाएंगे. इसका सबसे ज्यादा फायदा सीमावर्ती इलाकों में रह रहे लोगों को होगा, जो अक्सर संचार की दिक्कतों का सामना करते थे. इन कम्युनिकेशन टावर को सेना की मदद से बनाया जा रहा है और इनकी सुरक्षा एवं देखभाल भी स्थानीय प्रशासन सेना के साथ मिल कर ही करेगी.

कुछ जगहों पर ये काम पूरा भी कर लिया गया है, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण है डेमचोक. यहां पर ना सिर्फ आम लोगों के लिए 3-4 महीने में नया नेटवर्क टॉवर लगाया गया, बल्कि यहां के नागरिकों के लिए नए कम्युनिटी सेंटर और किचन सेंटर भी तैयार किया गया. इस इलाके में नेटवर्क टावर आज तक नहीं थे, जिससे अक्सर चीन के नेटवर्क भारत की तरफ के लोगों के फोन में पकड़ लेते थे और लोगों को काफी दिक्कत होती थी.

इन टावर के निर्माण से यहां के लोगों को सर्दियों में पीछे के इलाकों में नहीं जाना पड़ेगा. इसके अलावा चूशुल से डेमचोक को सड़क से जोड़ने का काम भी जोरों पर है. जिससे डेमचोक के स्थानीय लोग चूशुल और लेह तक कम समय में पहुंच सकें. पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच 17 महीने से जारी गतिरोध के लंबित मुद्दों का समाधान अब तक नहीं निकल पाया है.

13वें दौर की सैन्य बातचीत रही विफल- दोनों सेनाओं के बीच कमांडर स्तर की 13वें दौर की बैठक के बाद भारतीय सेना ने सोमवार को कहा था कि उसके द्वारा दिए गए 'सकारात्मक सुझावों' पर चीनी सेना सहमत नहीं हुई और ना ही बीजिंग ने आगे बढ़ने की दिशा में कोई प्रस्ताव दिया. भारतीय सेना ने कहा कि वार्ता के दौरान भारतीय पक्ष ने इस बात का उल्लेख किया कि एलएसी पर जो हालात बने, वे यथास्थिति को बदलने के चीन के 'एकतरफा प्रयासों' के कारण पैदा हुए हैं और यह द्विपक्षीय समझौतों का उल्लंघन भी करते हैं.

इससे पहले, भारत और चीन के बीच 31 जुलाई को 12वें दौर की वार्ता हुई थी. कुछ दिन बाद, दोनों देशों की सेनाओं ने गोगरा से अपने सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी की थी और इसे क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता की बहाली की दिशा में एक बड़ा और उल्लेखनीय कदम माना गया था. फरवरी में दोनों पक्षों ने सहमति के अनुरूप पैंगोंग झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों से सैनिकों और हथियारों की वापसी की प्रक्रिया पूरी की थी. एलएसी पर संवेदनशील क्षेत्र में इस समय दोनों पक्ष के करीब 50,000 से 60,000 सैनिक तैनात हैं.

सुनवाई | लखीमपुर कांड के मुख्य आरोपी केंद्रीय मंत्री के पुत्र को झटका

आशीष की जमानत अर्जी कोर्ट ने की खारिज

लखीमपुर खीरी ■ एजेंसी

लखीमपुर कांड के मुख्य आरोपी और केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा की जमानत अर्जी सीजेएम कोर्ट से बुधवार को खारिज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक आशीष के वकील अब जिला जज की अदालत में जमानत अर्जी डालने की तैयारी कर रहे हैं।

गौरतलब है कि तीन अक्टूबर को लखीमपुर में हुई हिंसक झड़प में चार किसान, स्थानीय पत्रकार और एक भाजपा कार्यकर्ता सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। आशीष मिश्रा इस मामले में मुख्य आरोपी है। आरोप है कि जिस थार जीप से किसानों को कुचला गया था, वह आशीष मिश्रा ही चला रहे थे। मामले ने राजनीतिक रंग भी लिया। आशीष मिश्रा को पूछताछ के लिए समन भेजकर बुलाया गया और शनिवार की देर रात गिरफ्तार किया गया था। एसआईटी में शामिल डीआईजी उपेंद्र अग्रवाल ने पूछताछ के बाद बताया था कि वे (आशीष मिश्रा) सहयोग नहीं कर रहे हैं। अब एसआईटी आशीष को रिमांड पर लेकर पूछताछ करना चाहती है। एसआईटी ने आशीष मिश्रा का मोबाइल कब्जे में ले लिया है। इस मोबाइल की भी जांच कराई जा रही है।

अंकित दास और उसके करीबी वकील उर्फ काले गिरफ्तार

उधर, लखीमपुर खीरी में हिंसा मामले में आरोपी अंकित दास और उसके करीबी वकील उर्फ काले को बुधवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद अंकित दास और वकील उर्फ काले को पुलिस ने सीजेएम कोर्ट में पेश किया। यहां पुलिस ने कोर्ट से 14 दिनों की रिमांड मांगी, लेकिन कोर्ट ने 22 अक्टूबर तक अंकित दास को जेल भेज दिया। बता दें एसआईटी की तरफ से पूछताछ के लिए दोनों को नोटिस दिया गया था। बुधवार को सुबह से ही क्राइम ब्रांच के दफ्तर में दोनों से पूछताछ चल रही थी। पूछताछ के दौरान ही ये माना जा रहा था कि आज ही गिरफ्तारी हो जाएगी।

सार समाचार

रूस में बरपा कोरोना का जोरदार कहर! एक दिन में सर्वाधिक लोगों की मौत

मॉस्को। कोविड-19 के तेजी से बढ़ते मामलों एवं कम टीकाकरण दर से जूझ रहे रूस में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण मंगलवार को रिकॉर्ड दैनिक मृतक संख्या दर्ज की गई, लेकिन प्राधिकारी इस बात पर अड़े हुए हैं कि देश में फिर से लॉकडाउन लागू नहीं किया जाएगा। कोरोना वायरस संबंधी सरकार के कार्यबल के अनुसार रूस में इस संक्रमण से मंगलवार को 973 लोगों की मौत हुई। यह महामारी की शुरुआत से अब तक की सर्वाधिक दैनिक मृतक संख्या है। रूस में संक्रमण के कारण दैनिक मृतक संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही देश में मंगलवार को संक्रमण के 28,190 नए मामले सामने आए। मृतक संख्या बढ़ने के बावजूद क्रेमलिन ने देश में लॉकडाउन लागू किए जाने की संभावना से इनकार कर दिया है और कोरोना वायरस संक्रमण को काबू करने के लिए प्रतिबंध लगाने के संबंध में फैसला क्षेत्रीय प्राधिकारियों पर सौंप दिया है।

संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण रूस की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर दबाव बढ़ गया है। देश के स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराश्को ने मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में कहा कि रूस के अस्पतालों में भर्ती कोविड-19 के 2,35,000 मरीजों में से 11 प्रतिशत मरीजों की हालत गंभीर या नाजुक है। रूस में कोरोना वायरस कार्यबल ने देश में संक्रमण के 78 लाख मामलों की पुष्टि की है, जिनमें से 2,18,345 लोगों की मौत हो गई है। यह यूरोप में सर्वाधिक मृतक संख्या है। रूसी सरकार का कहना है कि देश में पिछले महीने से संक्रमण के मामलों में तेजी आने का कारण टीकाकरण दर कम होना है। सरकार ने शुक्रवार को बताया कि रूस की कुल 14 करोड़ 60 लाख की आबादी के करीब 33 प्रतिशत लोगों यानी मात्र चार करोड़ 78 लाख लोगों ने कम से कम एक टीका लगवाया है, जबकि करीब 29 प्रतिशत लोगों यानी चार करोड़ 24 लाख लोगों का पूर्ण टीकाकरण हुआ है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नव-निर्वाचित रूसी सांसदों के साथ मंगलवार को एक बैठक में व्यापक टीकाकरण के महत्व पर जोर दिया और सांसदों से लोगों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करने में मदद करने का आग्रह किया।

कतर के राजनयिक ने तालिबान के साथ वैश्विक समुदाय के सहयोग पर जोर दिया

दुबई। विभिन्न देशों से अफगानिस्तान की नयी सरकार के साथ सहयोग करने का आह्वान करते हुए इस विषय पर कतर के वार्ताकार ने मंगलवार को चेतावनी दी कि उसे अलग-थलग करने का दूरगामी सुरक्षा खतरा पैदा हो सकता है जैसा कि अलकायदा ने 9/11 के हमले की साजिश रचने के लिए इस देश को अड्डे के तौर पर इस्तेमाल किया। आतंकवाद निरोधक एवं संघर्ष समाधान पर मध्यस्थता पर कतर के विशेष दूत मुतलाक बिन माजिद अल-कहतानी ने कहा कि उन्होंने तालिबान के साथ समाज में महिलाओं की भूमिका, लड़कियों के लिए शिक्षा की सुलभता और समावेशी सरकार की अहमियत जैसे ज्वलंत मुद्दों पर तालिबान के साथ बातचीत की। अफगानिस्तान पर कतर की नीतियों एवं अंतर्दृष्टि पर दुनिया की पैनी नजर है क्योंकि गैस समृद्ध इस छोटे से देश ने अमेरिका की वापसी के बाद युद्ध प्रभावित अफगानिस्तान में अपनी हैसियत से भी बड़ी भूमिका निभायी है। अल-कहतानी ने द साऊफान सेंटर द्वारा दोहा में आयोजित वैश्विक सुरक्षा मंच में एक भाषण में कहा, '' हम तालिबान से क्या कह रहे हैं, जोकि एककार्यवाहक सरकार या वास्तव में काबुल में प्राधिकारी है, (वह यह है कि) भेदभाव एवं बहिष्कार ..... यह अच्छी नीति नहीं हैं।'' वर्तमान अफगान सरकार, जिसे तालिबान बस अंतरिम कहता है, में बस ऐसी तालिबान हस्तियां हैं जिनपर संयुक्त राष्ट्र ने पाबंदियां लगा रखी हैं। काबुल पर 15 अगस्त को तालिबान के काबिज हो जाने के बाद वहां से 100,000 से अधिक लोगों को अमेरिका द्वारा निकाले जाने में कतर की अहम भूमिका रही थी।

काबुल में सत्ता परिवर्तन न तो बातचीत से हुआ, न ही समावेशी है: भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा कि काबुल में सत्ता में बदलाव न तो बातचीत के जरिए हुआ और न ही समावेशी है। भारत ने यह भी रेखांकित किया कि उसने लगातार व्यापक आधार वाली, समावेशी प्रक्रिया का आह्वान किया है, जिसमें अफगानिस्तान के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो। भारत ने अफ्रीका में आतंकवाद के बढ़ते प्रसार पर भी गहन चिंता जाहिर की। अमेरिका द्वारा 11 सितंबर के हमलों के बाद सत्ता से बेदखल किए गए तालिबान ने अगस्त के मध्य में पूर्व में निर्वाचित पश्चिम के समर्थन वाली सरकार को हटाकर अफगानिस्तान पर फिर से नियंत्रण कर लिया था। तालिबान ने अफगानिस्तान के जटिल जातीय विन्यास का प्रतिनिधित्व करते हुए एक समावेशी सरकार का वादा किया था। हालांकि, पिछले महीने विद्रोही समूह द्वारा घोषित अंतरिम मंत्रिमंडल में स्थापित तालिबान नेताओं का वर्चस्व था, जिन्होंने 2001 से अमेरिकी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। अंतरिम मंत्रिमंडल में किसी महिला को नहीं लिया गया है। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा, 'काबुल में सत्ता में बदलाव, न तो बातचीत के जरिए हुआ और न ही समावेशी है। हमने लगातार व्यापक आधार वाली, समावेशी प्रक्रिया का आह्वान किया है, जिसमें अफगानों के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व शामिल हो।' अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी के अंतिम चरण के दौरान तालिबान ने 15 अगस्त को काबुल पर नियंत्रण कर लिया था।

कैलिफोर्निया विमान हादसे में भारतीय मूल के चिकित्सक समेत दो लोगों की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार भारतीय मूल के एक जानेमाने हृदरोग विशेषज्ञ समेत दो लोगों की मौत हो गयी और दुर्घटना के कारण पास के मकानों में आग लग गई जिससे काफी क्षति हुई। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई। खबरों के अनुसार अरिजोना के युमा रीजनल मेडिकल सेंटर (वाईआरएमसी) में इंटरवेंशनल कॉर्डियोलॉजिस्ट के रूप में कार्यरत डॉ सुगत दास के पास दो इंजन वाला सेसना सी340 विमान था।

भारतीय सेना प्रमुख जनरल नरवणे ने श्रीलंका के शीर्ष सैन्य नेतृत्व से की मुलाकात; रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा

कोलंबो। (एजेंसी)।

भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने बुधवार को यहां श्रीलंका के शीर्ष असैन्य और सैन्य नेतृत्व से मुलाकात की तथा दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। भारतीय सेना ने एक ट्वीट में कहा कि अपने श्रीलंकाई समकक्ष जनरल शावेंद्र सिल्वा के निमंत्रण पर मंगलवार को चार दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे जनरल नरवणे ने राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे से मुलाकात की जो श्रीलंकाई सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ भी हैं। जनरल नरवणे ने राष्ट्रपति के साथ परस्पर और रणनीतिक सहयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। भारतीय उच्चायोग ने यहां ट्वीट किया, '' भारतीय थल सेना के प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे से मुलाकात की ताकि द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए उनका मार्गदर्शन हासिल किया जा सके...।''

जनरल नरवणे ने सुबह प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से भी उनके आधिकारिक आवास 'टेंपल ट्रीज' पर मुलाकात की। श्रीलंका के न्यूज फर्स्ट चैनल के अनुसार जनरल नरवणे ने प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से कहा, दोनों सशस्त्र बलों के बीच उत्कृष्ट संबंध हैं।'' उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक बातचीत दोनों देशों के बीच सभी स्तरों पर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में मदद करेगी। चैनल ने कहा कि प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पूरे वर्ष श्रीलंका को दी गयी सहायता, खासकर प्रशिक्षण के क्षेत्र में, की सराहना की। जनरल नरवणे ने श्रीलंका के विदेश सचिव जयंत कोलंबगे से भी मुलाकात की। इससे पहले जनरल नरवणे ने रक्षा मंत्रालय के सचिव जनरल (सेवानिवृत्त) जीडीएच कमल गुनारत्ने से मुलाकात की तथा श्रीलंका व भारत के बीच प्रगाढ़ रक्षा सहयोग को और आगे बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने सेना मुख्यालय का भी दौरा किया जहां उन्होंने सम्मान गारद का निरीक्षण किया। भारतीय सेना की तरफ से जारी एक अन्य ट्वीट के मुताबिक, ÷सेना प्रमुख ने शानदार 'टर्नआउट व परेड' के लिए गारद की सराहना भी की।÷ भारतीय सेना ने कहा कि जनरल नरवणे ने जनरल शावेंद्र सिल्वा से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने यात्रा के दौरान श्रीलंकाई सेना के वरिष्ठ अधिकारियों से भी बातचीत की।

जनरल नरवणे ने यहां भारतीय शांति सेना (आईपीकेपी) युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया और भारतीय सेना के उन बहादुरों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने श्रीलंका में शांति अभियान के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने श्रीलंकाई सेना के पूर्व सैनिकों से भी बातचीत की। वह खुद भी 1987 से 1990 के बीच उत्तरी व पूर्वी श्रीलंका में भारतीय शांतिरक्षक बल में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी पत्नी वीना नरवणे ने श्रीलंकाई सशस्त्र बलों के युद्ध के दौरान दिव्यांग हुए सैनिकों के केंद्र मिहिन्दू सेठ मेदुरा का दौरा किया। उन्होंने वहां लोगों से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। बृहस्पतिवार को वह पूर्व में मदुरू ओया स्पेशल फोर्स ट्रेनिंग स्कूल में चल रहे द्विपक्षीय अभ्यास 'मित्र शक्ति' का अंतिम प्रदर्शन देखेंगे। भारत और श्रीलंका ने पिछले सप्ताह द्वीपीय राष्ट्र के पूर्वी जिले अम्पारा में युद्धक प्रशिक्षण स्कूल' में आतंकवाद विरोधी सहयोग बढ़ाने पर ध्यान देने के साथ 12 दिवसीय व्यापक सैन्य अभ्यास शुरू किया था। कर्नल प्रकाश कुमार की अध्यक्षता में भारतीय सेना के 120 जवानों की सशस्त्र टुकड़ी की भागीदारी के साथ चार से 15 अक्टूबर तक 'मित्र शक्ति' अभ्यास का आठवां संस्करण चल रहा है। जनरल नरवणे की यात्रा विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला के श्रीलंका दौरे और देश के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात के एक सप्ताह बाद हो रही है।

महिलाओं के अधिकार की बात पर तालिबान का जवाब, कहा- दुनिया हम पर दबाव न बनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अपगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हो गया है जिसके बाद से अब अफगानिस्तान में महिलाओं के अधिकारों की रक्षा एक चिंता का विषय बन गया है। इसी बीच अब महिलाओं के अधिकार के मामले में तालिबान ने एक बयान जारी कर कहा है कि, दुनिया को दबाव बनाकर मांग नहीं करनी चाहिए बल्कि सहयोग मांगना चाहिए।टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान द्वारा नियुक्त कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अफगानिस्तान के पूर्व अफगान सरकार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, दुनिया ने उस सरकार का पूरा समर्थन किया लेकिन अब वह अफगानिस्तान की इस नई सरकार का समर्थन करन से कतरा रही है और वह सरकार 20 सालों मे कोई सुधार नहीं ला पाई है।

तालिबान पर दबाव नहीं बनाना चाहिए!

विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने आगे कहा कि, दुनिया को हमपर दबाव बनाकर मांदग नहीं करना चाहिए बल्कि सहयोग के जरिए पूछना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि,अफगानिस्तान की पिछली सरकार के पास दुनिया का पूरा समर्थन था लेकिन इन 20 सालों में वह देश में कोई सुधार लाने में असमर्थ रही।मुत्ताकी ने कहा कि, अफगानिस्तान में नई सरकार को आए केवल 2 महीने ही हुए है और इन 2 महीनों में ही सभी सुधारों की मांग की जा रही है। अमेरिका पर निशआना साधते हुए मुत्ताकी ने आगे कहा कि, अमेरिका और अफगानिस्तान के बीच हुए दोहा समझौते से दोनों देशों के बीच किसी भी समस्या का समाधान हो सकता है। टोलो न्यूज ने मुत्ताकी के हवाले से बताया कि, कोरोना महामारी के कारण सभी प्रांत के स्कूलों को बंद कर दिया गया था लेकिन अब फिर से स्कूलों को खोला जाएगा। अफगानिस्तान की नई सरकार दुनियाभर का विश्वास जितने की पूरी कोशिश कर रहा है लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि, काबुल हवाई अड्डे में जो भी हुआ है वो भुलाया नहीं जा सकता है और वह एक सबूत है जो हिंसक मानसिकता को दर्शाता है।

स्पेन के ला पाल्मा ज्वालामुखी में जोरदार विस्फोट, 800 लोगों को छोड़ना पड़ा घर

एरीडेन (स्पेन)। (एजेंसी)।

स्पेन के केनेरी द्वीप पर ला पाल्मा ज्वालामुखी में हाल में विस्फोट होने के बाद लावे का प्रवाह नयी दिशा में होना शुरू हो गया है, जिससे अटलांटिक महासागर की ओर अन्य इलाकों को भी खतरा पैदा हो गया है। ज्वालामुखी से निकल रहे लावे के नयी दिशा में फैलने और उसके संभावित मार्ग में द्वीप के निवासियों के घर पड़ने की आशंका के मद्देनजर अधिकारियों ने तटीय शहर लोस लियानोस डे एरीडेन के एक हिस्से से करीब 800 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का मंगलवार को आदेश दिया था। ज्वालामुखी में 19 सितंबर को शुरूआती विस्फोट होने के बाद करीब 6,000 लोगों को कुछ ही घंटों के अंदर क्षेत्र से हटा दिया गया था।

मंगलवार को ज्वालामुखी वैज्ञानिकों ने अधिकारियों को सलाह दी कि लावे का एक नया प्रवाह पहले खाली कराये गये क्षेत्र के बाहरी इलाके के निर्जन इलाके की ओर बढ़ रहा है। एरीडेन की मेयर मारिया गार्सिया ने स्पेनिश सरकारी प्रसारक टीवीई को बताया कि पड़ोस का एक हिस्सा पहले ही खाली कराया जा चुका है, लेकिन नये सिरे से लावा निकलने के चलते इस क्षेत्र को भी खाली कराना आवश्यक था। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज बुधवार को द्वीप का दौरा करेंगे, जो ज्वालामुखी विस्फोट के बाद से उनकी चौथी यात्रा होगी। लावे से 1,400 से अधिक मकान नष्ट हो गये हैं। हालांकि, इससे किसी की जान नहीं गई है।

नहीं आ रहा चीन अपनी हरकतों से बाज, अब ताइवान के सैन्य अभ्यास पर दिया बड़ा बयान

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन के एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि ताइवान के नजदीक सैन्य अभ्यासों और जंगी विमान मिशन राष्ट्र की स्वायत्तता एवं क्षेत्र की रक्षा के लिए जरूरी थे। इससे क्षेत्र में चिंताएं बढ़ी हैं। चीन की सेना ने इस महीने की शुरूआत में एक दिन में 56 विमानों को ताइवान के दक्षिण पश्चिम अपतटीय क्षेत्र में भेजा था। ये सारे विमान अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में थे लेकिन इसने इन आशंकाओं को पैदा किया कि कोई भी गलत कदम क्षेत्र में तनाव भड़का सकता है। ताइवान का मानना है कि चीन के ये कदम द्वीप राष्ट्र को सैन्य ताकत के दम पर नियंत्रण करने के खतरे को दर्शाता है जिसपर चीन दावा करता है।

चीन और ताइवान 1949 में गृह युद्ध के दौरान अलग हो गए थे और उनका आपस में कोई संपर्क नहीं है। कैबिनेट के ताइवान मामलों के कार्यालय के प्रवक्ता मा शिओगुआंग ने बताया कि युद्धाभ्यासों का मकसद मूल रूप से चीनी राष्ट्र के हितों की रक्षा के साथ-साथ ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों ओर के लोगों के अहम हितों की हिफाज़त करना है। उन्होंने बीजिंग में दो हफ्ते में होने वाली प्रेस वार्ता में पत्रकारों से कहा, ÷ जनमुक्ति सेना के अभ्यास राष्ट्र की स्वायत्तता एवं क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए जरूरी कार्रवाई हैं।÷ शिओगुआंग ने तनाव बढ़ने के लिए ताइवान की स्वतंत्रता के प्रति झुकाव रखने वाली सरकार और बाहरी ताकतों से उसके संबंधों को जिम्मेदार ठहराया है। ताइवान अमेरिका का करीबी सहयोगी है। ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने बीजिंग के साथ हफ्ते भर के अप्रत्याशित तानव के बाद रविवार को द्वीप की चीन के बढ़ते दबाव से रक्षा करने का संकल्प लिया। पिछले शनिवार को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा था कि ताइवान के एकीकरण को साकार किया जाना चाहिए और उसके लिए सर्वश्रेष्ठ माध्यम शांतिपूर्ण तरीका है। इसके बाद वेन ने रविवार को उक्त बयान दिया था।

क्या हवा से भी फैल सकता है कोरोना वायरस? जानिए क्या है सच्चाई

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बंबई के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किये गये एक अध्ययन के अनुसार हल्की हवा में भी सार्स-सीओवी2 संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययनकर्ताओं ने घरों से बाहर विशेष रूप से हल्की हवा चलने पर मास्क पहनने की सिफारिश की है।

पत्रिका 'फिजिक्स ऑफ फ्लुइड्स' में बुधवार को प्रकाशित अनुसंधान में सामने आया कि जब कोई व्यक्ति खुले में खांसता है तो उस दिशा से हवा चलने से वायरस तेजी से लंबी दूरी तक पहुंच सकता है। आईआईटी, बंबई के सह-अध्ययनकर्ता अमित अग्रवाल ने कहा, ''यह अध्ययन हवा की दिशा में खांसने से संक्रमण का जोखिम अधिक होने की ओर इशारा करता है। इसके निष्कर्षों के अनुसार हम बाहर, खासतौर पर हल्की हवा चलने की स्थिति में मास्क पहनने की सिफारिश करते हैं।'' अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि खांसते समय कोहनी का इस्तेमाल करना या चेहरा दूसरी तरफ मोड़ने जैसे अन्य दिशानिर्देशों का पालन होना चाहिए ताकि बाहर लोगों से मिलने-जुलने में संक्रमण के प्रकोप को कम किया जा सके।

एलएसी पर बीमार पड़ रहे हैं चीनी सैनिक, दो टॉप कमांडर की हो चुकी है मौत, जानिए कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के खिलाफ चीन अपनी शैतानियों से बाज नहीं आ रहा है। हालांकि अब उसे यह भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। दरअसल, एलएसी यानी कि भारत-चीन की सीमा रेखा पर तैनात चीनी सैनिक विभिन्न प्रकार की बीमारियों से जूझ रहे हैं। पिछले 17 महीनों से चीन भारतीय सीमा पर 50,000 से ज्यादा सैनिकों को तैनात कर रखा है। दोनों देशों के बीच लगातार तनाव की स्थिति है। लेकिन सैनिकों की बीमार पड़ने की वजह से चीन की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। खबर यह भी है कि चीन के 2 टॉप कमांडरों की भी मौत हो चुकी है।

हो रही यह परेशानी

चीनी सैनिकों को लगातार विभिन्न गंभीर बीमारियों से जूझना पड़ रहा है। वह एलएसी पर तैनात होकर गंभीर बीमारियों का शिकार भी हो रहे हैं। भारतीय सीमा के सामने तिब्बत में तैनात चीनी कमांडर और सैनिक लगातार पेट, हृदय और फेफड़ों की गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि हजारों फीट ऊंची बुलंद चोटियों के बीच और बर्फीले रेगिस्तान पर चीनी सैनिकों का गुजारा नहीं हो पा रहा है।

यह है वजह

खबरों के मुताबिक हिमालय के खंड चीनी सैनिक नहीं झेल पाते हैं। चीनी सैनिकों को विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो रही है। लद्दाख के डंठ और सख्त मौसम की मार उन पर लगातार पड़ रही है। इसके साथ ही चीनी सैनिक सर्द मौसम में युद्ध लड़ने की क्षमता तक नहीं रख पाते। चीनी सैनिकों को इस वातावरण में रहने की आदत नहीं है। उन्हें लगातार ऑक्सीजन कम होने की वजह से सिर दर्द, मचली, नींद और भूख न लगना और कमजोरी जैसे लक्षण हो रहे हैं। इतना ही नहीं, मुश्किल जगहों पर तैनाती की वजह से उनके फेफड़ों में पानी भर रहा है। दिमाग में सूजन या फिर दिल दौरे जैसी जानलेवा बीमारियां हो रही है।

भारतीय सैनिकों में है दम

भारतीय सेना को इन इलाकों में रहने का अच्छा अनुभव है और वाह वातावरण के अनुरूप खुद को ढाल चुके हैं। भारतीय सेना

सिर्फ लद्दाख में ही नहीं बल्कि कारगिल और सियाचिन जैसी ऊंची और बर्फीले इलाकों में भी चट्टान पर खड़ी रहती है। भारतीय सेना की हौसला और काबिलियत इसीलिए दमदार है। तैनाती के लिए भारतीय सेना को विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। हालांकि तमाम प्रक्रियाओं को पास करने के बाद वहां सैनिकों की तैनाती होती है।

दिल्ली नगर निगम चुनाव 2022 में कन्हैया कुमार का सहारा ले सकती है कांग्रेस

नई दिल्ली । आगामी नगर निगम चुनावों में दिल्ली कांग्रेस युवा नेता कन्हैया कुमार का सहारा ले सकती है। कन्हैया कुमार दिल्ली नगर निगम चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी के स्टार प्रचारक भी हो सकते हैं। हालांकि पार्टी की ओर से अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन दिल्ली प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष अनिल चौधरी के साथ कन्हैया की मुलाकात ऐसे ही संकेत दे रही है। मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में दो बैठकें हुईं। पहली बैठक में हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए और जेएनयू छात्रसंघ से सुर्खियों में आए कन्हैया कुमार प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी से शिष्टाचार मुलाकात करने पहुंचे। इस दौरान दोनों के बीच दिल्ली की राजनीति पर भी खासी चर्चा हुई। इसके थोड़ी देर बाद ही प्रदेश कांग्रेस के नेताओं की निगम चुनावों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई।

इसमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा सहित प्रदेश उपाध्यक्ष, पूर्व विधायकों, जिलाध्यक्ष, फ्रंटल सेल, जिला पर्यवेक्षकों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ विचार विमर्श किया गया। इन बैठकों में सभी से राय-मशविरा किया गया। सभी नेताओं ने अपनी-अपनी राय अध्यक्ष के समक्ष रखी। अब इन विचारों को संकलित कर उन्हें रणनीति का रूप दिया जाएगा। हालांकि इस बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 20 अक्टूबर से दिल्ली कांग्रेस निगम चुनावों को लेकर मैदान में कूद पड़ेगी। हर विधानसभा क्षेत्र वार्ड वाइज में रैलियां निकाली जाएंगी। लोगों को जोड़ने के लिए बूथ लेबल पर बैठकें होंगी। रैलियों के माध्यम से लोगों को जोड़ा जाएगा। इससे पहले मेरा बूथ-सबसे मजबूत का अभियान पहले से ही चलाया जा रहा है।

निगम चुनावों के लिए आगे रणनीति में क्या-क्या बदलाव होंगे यह तो आने वाला समय ही बताएगा। फिलहाल तो राजनीतिक हलकों में कन्हैया कुमार का प्रदेश कार्यालय आना भी निगम चुनावों के प्रचार की रणनीति का ही हिस्सा माना जा रहा है। इन दोनों घटनाओं को एक साथ जोड़ा जा रहा है। कहा तो यही जा रहा है कि दिल्ली के निगम चुनावों में कन्हैया स्टार प्रचारक हो सकते हैं।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की दिल्लीवासियों से अपील

प्रदूषण करने वालों की ग्रीन दिल्ली ऐप पर करें शिकायत

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को आईपी स्टेट के महात्मा गांधी मार्ग स्थित डब्ल्यूएचओ बिल्डिंग के निर्माण स्थल का औचक निरीक्षण किया, जहां उन्होंने दिशा-निर्देशों का मामूली उल्लंघन पाया।

उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी को नोटिस जारी कर दो दिन के अंदर सभी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने पर जुर्माना लगाने की चेतावनी दी है। 'एंटी डस्ट' कैंपेन के तहत हमारी टीमें अब तक 522 निर्माण स्थलों का निरीक्षण चुकी हैं, जिसमें 165 निर्माण स्थालों पर दिशा-निर्देशों का उल्लंघन मिलने पर 53.5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील करते हुए कहा कि दिल्ली में कहीं पर भी प्रदूषण हो रहा हो, उसकी ग्रीन दिल्ली एप पर शिकायत करें, ताकि तत्काल कार्रवाई की जा सके। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि वाहन प्रदूषण को रोकने के लिए 18 अक्टूबर से 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' कैंपेन चलाया जाएगा। कैंपेन को सफल बनाने को लेकर कल पर्यावरण, राजस्व, दिल्ली पुलिस एवं सिविल डिफेंस के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एंटी डस्ट कैंपेन के तहत आज आईपी स्टेट, महात्मा गांधी मार्ग स्थित डब्ल्यूएचओ बिल्डिंग के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने सभी निर्माण एजेंसियों के लिए 14 सूत्रीय दिशा-निर्देश जारी की है, जिसका सभी निर्माण साइटों पर शत-प्रतिशत पालन करना अनिवार्य है। डब्ल्यूएचओ बिल्डिंग के निर्माण स्थल पर मानदंडों के अनुसार टीन शेड लगा पाया ग्रया है और एंटी स्मॉग गन भी लगा मिला है। लेकिन निर्माण स्थल पर कुछ रेत खुले में मिला है, जिस पर केवल पानी छिड़का गया है, जबकि इसे नेट ढंकना चाहिए। इसके अलावा, निर्माण स्थल पर काम कर रहे मजदूरों को मास्क नहीं दिया जा रहा है। इस तरह, निर्माण स्थल पर सरकार के दिशा-निर्देशों का आंशिक उल्लंघन होता पाया गया है। मैंने डीपीसीसी को निर्देश दिया है कि निर्माण एजेंसी को नोटिस जारी किया जाए। साथ ही, चेतावनी दी गई है कि अगर अगले दो दिनो में दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करते हैं, तो उन पर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि कल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की थी कि हमें इसमें दिल्ली के लोगों से सहयोग की जरूरत है। मेरी दिल्ली के सभी लोगों से अनुरोध है कि आप अपने मोबाइल में ग्रीन दिल्ली एप को डाउनलोड कर लीजिए। चाहे सड़क पर धूल प्रदूषण हो या निर्माण साइट पर प्रदूषण हो, चाहे गाड़ी का प्रदूषण हो या फिर चाहे कहीं आग लगी हो, आप अपनी मोबाइल से उसकी फोटो लीजिए और ग्रीन दिल्ली एप के माध्यम से हमें भेजिए, ताकि हम उस पर तत्काल कार्रवाई कर सकें।

एंटी डस्ट कैंपेन के तहत हमारी टीमें अब तक 522 निर्माण स्थलों का कर चुकीं हैं
निरीक्षण : गोपाल राय

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि वाहन प्रदूषण को रोकने के लिए 18 अक्टूबर से 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' कैंपेन की शुरूआत की जा रही है। कल मैंने पर्यावरण, राजस्व, दिल्ली पुलिस एवं सिविल डिफेंस के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे, जिसमें हम 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' कैंपने की पूरी रूपरेखा बनाएंगे और 18 अक्टूबर को हम इस कैंपेन को लांच कर देंगे।

निर्देशों का उल्लंघन पाए जाने पर 53.5 लाख का जुर्माना लगाया

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि कुछ जगहों पर दिशा-निर्देशों का आंशिक उल्लंघन होता पाया गया, लेकिन 165 निर्माण साइटें ऐसी भी पाई गई हैं, जहां पर मानदंडों का उल्लंघन होता पाया गया है। विभाग ने ऐसी निर्माण साइटों पर नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग की तरफ से अभी तक इन 165 साइट्स पर लगभग 53.5 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया गया है। दिल्ली के अंदर गत 7 अक्टूबर से एंटी डस्ट कैंपेन चलाया जा रहा है। कैंपेन का पहला चरण आगामी 29 अक्टूबर तक चलेगा। अभी तक हमारी टीमें दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर जाकर निरीक्षण कर रही हैं। हमारी टीमें अब तक 522 से अधिक साइट्स का निरीक्षण कर चुकी हैं। इसमें से 350 से अधिक निर्माण स्थलों पर मानदंडों का पालन होते पाया गया है। गोपाल राय ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अब सर्वे करने का नहीं, कार्रवाई का समय है। दिल्ली के सभी जिलों के अंदर हमारी टीमें जा रही हैं और 15 से 20 टीमें प्रतिदिन अलग-अलग साइटों का निरीक्षण कर रही हैं।

संक्षिप्त खबर

इंडियन बैंक द्वारा ग्राहक आउटरीच कार्यक्रम का उद्घाटन

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी एस.एल.जैन ने बैंक की कलसी नगर, शाखा लुधियाना में द्वीप प्रज्ज्वलित कर ग्राहक संपर्क कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह एक यादगार पल है जब बैंक के एमडी और सीईओ ने लुधियाना में नवरात्रि के अवसर पर ग्राहकों को समर्पित इस कार्यक्रम की शुरुआत की है। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने इस कार्यक्रम को आम आदमी को बैंकिंग सेवाएं एवं विभिन्न योजनाओं यथा एमएसएमई, खुदरा, कृषि, मुद्रा और पीएम स्वानिधि के तहत ऋण स्वीकृत किए जाने के लिए डिज़ाइन किया है। अशोक पटनायक, क्षेत्र महाप्रबंधक चंडीगढ़ ने ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग सुविधा देने का आश्वासन दिया और बैंक की टैग लाइन भी यही कहती है आपका अपना बैंक, हर कदम आपके साथ। जोगिंदर संधू, अंचल प्रबंधक लुधियाना ने इस शुभ दिन पर सभी ग्राहकों का स्वागत किया और प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी को आश्वासन दिया कि बैंक की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करते हुए क्षेत्र स्तर के सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से नए व्यवसाय को बढ़ाने के हर संभव कदम उठाए जाएंगे। दयाशंकर, सहायक महाप्रबंधक व कलसी नगर शाखा, लुधियाना के शाखा प्रबंधक ने इस अवसर पर उपस्थित सभी सम्मानित ग्राहकों को धन्यवाद दिया और लुधियाना में इस अखिल भारतीय अभियान को शुरू करने हेतु इस शाखा को चुने जाने के लिए प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी का आभार व्यक्त किया।

दिल्ली में खोला अपना पहला 'एक्सक्लूसिव ' शोरूम

नई दिल्ली। सिम्पोलो विट्रिफाइड ने नई दिल्ली के राजौरी गार्डन स्थित डी ब्लॉक मे अपना पहला एक्सक्लूसिव शोरूम खोला। इस अवसर पर सिम्पोलो ग्रुप के सी, एम ओ श्री भरत अघारा ने शोरूम का उद्घाटन किया तथा वहीं उन्होंने शोरूम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह शोरूम टाइल खरीदारों को डिजाइन और दृश्य अनुभव में समृद्धिता के एक अलग स्तर पर ले जाने का वादा करता है तथा वही सिमपोलो के जनरल मैनेजर संजीव सिंह का कहना है कि दिल्ली का राजौरी गार्डन बिशेष रूप से अपने विशिष्ट सवाद और सौंदर्य के लिए जाना जाता है।

छठ पूजा पर राजनीति कर रही भाजपा : गोपाल राय

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) पर छठ पूजा मनाने की अनुमति को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश में राष्ट्रीय आपदा अधिनियम लागू होने के कारण केंद्र सरकार के निर्देश पर ही राज्य सरकार सार्वजनिक छठ पूजा आयोजन में कोविड प्रोटोकॉल से छूट दे सकती है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पत्रकारों से कहा कि देश में राष्ट्रीय आपदा अधिनियम लागू होने के कारण केंद्र सरकार के निर्देश पर ही राज्य सरकार सार्वजनिक छठ पूजा आयोजन में कोविड प्रोटोकॉल से छूट दे सकती है। पिछले साल कोविड-19 महामारी के कारण केंद्र सरकार की गाइडलाइन आयी कि छठ पूजा नहीं करवाई जानी चाहिए। निगम से भी भाजपा अब जा रही है, छठ पूजा के बहाने दोबारा राजनीति को चमकाने की भाजपा कोशिश कर रही है।

दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे डेंगू के मरीज, निगम अस्पतालों में की गई खास तैयारी

नई दिल्ली । राजधानी में मच्छरजनित बीमारियों का प्रकोप बढ़ने पर तीनों नगर निगम (उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी) ने अस्पतालों में बिस्तर आरक्षित कर दिए है। तीनों नगर निगम ने 185 बिस्तर अपने बढ़े अस्पतालों में मच्छरजनित बीमारियों इलाज के लिए आरक्षित किया गया। अगर जरूरत पड़ती है तो निगम इन बिस्तरों की संख्या में इजाफा करेगा।

निगम ने कोरोना के समय भी उत्तरी निगम के हिंदूराव अस्पताल का उपयोग किया गया था, तो दक्षिणी निगम के तिलक नगर अस्पताल का वहीं पूर्वी दिल्ली के स्वामी दयानंद अस्पताल का उपयोग भी कोरोना मरीजों के इलाज के लिए किया गया था। उत्तरी निगम ने जहां बाड़ा हिंदूराव व कस्तूरबा अस्पताल में 145 बिस्तर आरक्षित मच्छरजनित बीमारियों के मरीजों के इलाज के लिए किए गए हैं तो वहीं पूर्वी निगम के स्वामी दयानंद अस्पताल में 40 बेड आरक्षित किए गए हैं।

उत्तरी दिल्ली नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मच्छरजनित बीमारियों को काबू करने के लिए वैसे तो निगम विभिन्न स्तर पर जागरूकता से लेकर जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। ऐसे में जो मच्छरजनित बीमारियों में डेंगू-मलेरिया और चिकनगुनिया के मरीज सामने आ रहे हैं उनके गंभीर मरीजों के इलाज के लिए हिंदूराव और कस्तूरबा अस्पताल में 145 बिस्तर आरक्षित किए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि अक्सर डेंगू-मलेरिया के मरीजों के साथ सबसे बड़ी समस्या तब होती है जब समय से इलाज नहीं मिल पाता है। दक्षिणी निगम के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी के अनुसार 18 टेस्टिंग सेंटर निगम के तिलकनगर, लाजपत नगर कालोनी अस्पताल और बिजवासन, जंगपुरा व तुगलकाबाद डिस्पेंसरी में शुरू किए गए हैं। इन अस्पतालों व डिस्पेंसरियों में जो भी मरीज मच्छरजनित बीमारियों के लक्षणों के आ रहे हैं उन्हें इलाज की सुविधा दी जा रही है। पूर्वी दिल्ली निगम के अनुसार स्वामी दयानंद अस्पताल में 40 बिस्तर आरक्षित किए गए हैं। इसमें 20 मरीजों का इलाज चल रहा है।

वहीं इसके इलाज के जरूरी सभी दवाओं का पर्याप्त स्टाक कर लिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, राजधानी में अब तक डेंगू के 480 तो मलेरिया के 127 और चिकनगुनिया के 62 मरीजों की पुष्टि हुई है। बीते सप्ताह इस वर्ष के सर्वाधिक डेंगू के मरीज सात दिनों में सामने आए हैं। सोमवार को जारी हुई रिपोर्ट में 139 नए मरीजों की पुष्टि हुई थी।

दिल्ली में रविवार से बदलेगा मौसम, तापमान में आएगी गिरावट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में हल्की बारिश के चलते रविवार से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इसके चलते तापमान में गिरावट आने की संभावना है। मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री ज्यादा दर्ज किया गया।

दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में सुबह से तेज चमकदार सूरज छाया रहा। दिन चढ़ने के साथ ही धूप भी तेज हो गई। सफदरजंग मौसम केंद्र में दिन का अधिकतम तापमान 36.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से चार डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 22.7 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। यहां आर्द्रता का स्तर 90 से 32 फीसदी तक रहा।

मौसम विभाग का अनुमान है कि बंगाल की खाड़ी में बने मौसम के एक सिस्टम के चलते दिल्ली में शनिवार से बदलाव देखने को मिलेगा। शनिवार को गरज-चमक हो सकती है, वहीं रविवार और सोमवार को हल्की बारिश होने की संभावना है। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

धूल उड़ाने वाली हवाओं के चलते राजधानी दिल्ली की वायु गुणवत्ता में गिरावट आई है। हालांकि, अब भी यह मध्यम श्रेणी में ही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक मंगलवार का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 179 अंक रहा, जिसे मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। सफर का अनुमान है कि अगले तीन दिन वायु गुणवत्ता सूचकांक इसी के आसपास रहेगा। हालांकि, राजस्थान की धूल के आने का क्रम भी बना रहेगा।

दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट को सौंपे जिला अदालतों की सुरक्षा के सुझाव, डिजिटल कार्ड से वकीलों को मिलेगी एंट्री

नई दिल्ली । जिला अदालतों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम को लेकर दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को अपने सुझाव उच्च न्यायालय को सौंप दिए। पुलिस आयुक्त द्वारा अदालतों की त्रिस्तरीय सुरक्षा का सुझाव दिया है। सुझावों में कहा गया है कि अत्याधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के साथ लोगों के प्रवेश को भी सीमित किया जाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि अदालतें आसान निशाने पर होती हैं, लिहाजा 24 घंटे निगरानी के साथ यहां नितांत आवश्यक होने पर ही लोगों को प्रवेश की अनुमति दी जाए। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ के समक्ष पुलिस आयुक्त की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने यह सुझाव दिया।

रोहिणी कोर्ट में 24 सितंबर को हुई गैंगवार की घटना के बाद उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेकर 30 सितंबर को दिल्ली पुलिस आयुक्त, दिल्ली विधिज्ञ परिषद, सभी बार एसोसिएशन और अन्य हितधारकों से सुझाव मांगे थे। पीठ ने कहा था कि सभी हितधारकों के सुझाव जरूरी है ताकि अदालतों की सुरक्षा पुख्ता करने के लिए जारी होने वाले दिशा-निर्देशों में किसी तरह की कोई खामी नहीं रहे।

पुलिस की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि भीड़ भाड़ से सुरक्षा समस्या और भी गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा कि अदालतें आसान निशाने पर हैं। मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली विधिज्ञ परिषद (बीसीडी) ने पीठ को बताया कि अदालतों में वकीलों को इलेक्ट्रॉनिक चिप वाले एक नए स्मार्ट कार्ड से प्रवेश देने का सुझाव दिया है। बीसीडी ने कहा है कि इस तरह के कार्ड बनाने वाले एजेंसियों से बात करने के बाद वकीलों को यह कार्ड जारी किया जाएगा। बीसीडी ने पीठ को बताया कि अदालतों में वकीलों को भी जांच के बाद प्रवेश देने का सुझाव दिया है। मामले की सुनवाई ने दौरान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मोहित माथुर ने पीठ को बताया कि उन्होंने भी अपना सुझाव पेश किया है।

पुलिस ने पकड़ा फर्जी काल सेंटर, विदेशी नागरिकों को बनाते थे निशाना

नई दिल्ली/गुरुग्राम । बादशाहपुर पुलिस के हाथ एक बड़ी कामयाबी लगी है। पुलिस ने सेक्टर-69 के स्पेस प्लाजो में एक फर्जी काल सेंटर पकड़ा है। फर्जी काल सेंटर चलाकर आरोपित विदेशी नागरिकों को अपना शिकार बनाते थे। इससे पहले भी शहर में दर्जनभर फर्जी काल सेंटर पकड़े गए हैं। बादशाहपुर में पकड़े गए फर्जी काल सेंटर की जांच साइबर थाना को सौंपी गई है। बादशाहपुर थाना प्रभारी निरीक्षक दिनकर को सूचना मिली कि सेक्टर-69 के स्पेज प्लाजो में 10वीं और 11वीं मंजिल पर फर्जी काल सेंटर चलाया जा रहा है। फर्जी काल सेंटर पर रेड करने से पहले एसीपी क्राइम-टू धर्मवीर सिंह को इसकी सूचना दी गई। एसीपी धर्मवीर सिंह भी सूचना मिलते ही पहुंच गए।

एसीपी धर्मवीर सिंह व निरीक्षक दिनकर ने काल सेंटर पर रेड करने के लिए पुलिस पार्टी तैयार की। इस पुलिस पार्टी में उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह, वीरेंद्र कुमार, सिपाही प्रदीप, साइबर थाना के सहायक उप निरीक्षक अमित कुमार, संजय कुमार, राजेश कुमार, मुख्य सिपाही नवीन, सिपाही कविंदर और सिपाही जितेंद्र को शामिल किया गया।

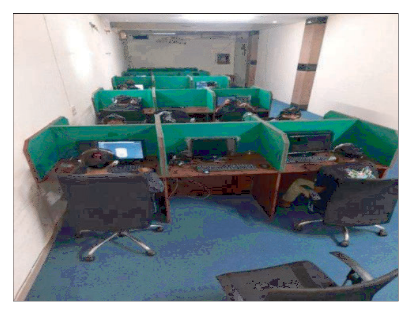

पुलिस पार्टी स्पेज प्लाजो के गेट पर पहुंची तो वहां सिक्योरिटी सुपरवाइजर नरेंद्र शर्मा और संजय मिले। उन दोनों को साथ लेकर पुलिस पार्टी ने छापेमारी की। 11वीं मंजिल पर ताला लगा मिला जबकि दसवीं मंजिल पर फर्जी काल सेंटर चलता पाया गया। पुलिस ने पूछताछ की तो यह फ्लोर हंसराज, मोनू और सचिन ने किराए पर ले रखा है।

200 कंप्यूटर और लैपटाप लगे थे फर्जी काल सेंटर में- पुलिस ने छापेमारी की तो इस फर्जी काल सेंटर में 200 कंप्यूटर लगे मिले। कंप्यूटर के साथ एक लैपटाप भी लगाया गया था। मौके पर छह कंप्यूटर व लैपटाप चालू थे। साइबर टीम ने कंप्यूटर को चालू किया तो उनके मानिटर की स्क्रीन पर स्क्रिप्ट में कनाडा और आस्ट्रेलिया के नागरिकों के एसएसएन नंबर और ड्रग पेडलर के नाम की स्क्रिप्ट मिली। इमारत किराए पर लेने वाले हंसराज को पुलिस ने फोन पर बुलाया। उसने 10 मिनट में आने के लिए कही। पर काफी देर इंतजार के बाद भी वह नहीं आया।

सोशल सिक्योरिटी नंबर ब्लाक होने की बात कहकर करते थे ठगी- फर्जी काल सेंटर में लगे कंप्यूटरों को चेक किया तो उसमें विदेशी नागरिकों को काल करने के लिए आइबीम, एक्स लाइट, डायलर साफ्टवेयर इंस्टाल किए पाए गए। इन साफ्टवेयर के माध्यम से वे कनाडा और आस्ट्रेलिया के नागरिकों को काल करते थे। उन लोगों को सोशल सिक्योरिटी नंबर ब्लाक होने और ड्रग पेडलर की बात कहकर पुलिस का डर दिखाते थे।

जब कोई विदेशी नागरिक उनके झांसे में आ जाता था तो उसके पास वाइस मैसेज भेज कर उन्हें गिफ्ट कार्ड खरीदने को कहते थे। उसके बाद उनके कार्ड नंबर पूछकर पैसे ठगने का काम करते थे। बादशाहपुर पुलिस ने तीनों आरोपितों के खिलाफ अपराधिक मामला दर्ज कर लिया है। इस पूरे मामले की जांच साइबर थाना को सौंप दी गई है।

संतान नहीं होने पर पति ने पत्नी को पीट-पीट कर मार डाला

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के द्वारका नॉर्थ में 2 अक्टूबर को हुई एक महिला की हत्या के एक मामले में पुलिस ने उसके पति जसबीर आर्य को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पति ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि उसकी पत्नी मां नहीं बन पा रही थी। जिसके चलते वह उससे गुस्सा था। इतना ही नहीं महिला का परिवार दोनों पति-पत्नी के बीच अक्सर दखल देता था। जिसके चलते दोनों के बीच झगड़ा रहता था, ऐसे 2 अक्टूबर को हुए झगड़े के बाद उसने पत्नी की पीट पीट कर हत्या कर दी। आरोपी के कबूलनामे के बाद पुलिस ने उसे हत्या के आरोप में जेल भेज दिया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो अक्टूबर की सुबह एक महिला की मौत की जानकारी पुलिस को मिली। पुलिस टीम छानबीन के लिए मौके पर पहुंची तो पाया कि महिला मेघा आर्य का शव बिस्तर पर पड़ा था। पुलिस को महिला के मायके पक्ष के लोगों ने दामाद ने उन्हें बताया कि उनकी बेटी बिस्तर से गिरी थी, लेकिन शव देखने पर कई जगह चोट के निशान नजर आए। उन्होंने पुलिस को कहा कि वे अपनी बेटी की मौत के कारण को जानना चाहते हैं। ऐसे में पुलिस टीम ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चला कि महिला की मौत गला दबने पर दम घुटने से हुई है। हत्या का केस दर्ज कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। जब पुलिस ने उससे पूछताछ की तो ज्ञात हुआ कि वह अपनी पत्नी से काफी परेशान था। उसे लगता था कि उसकी पत्नी उसकी गाढ़ी कमाई अपने मायके वालों को दे देती है। मायके वाले परिवार में दखल देते थे। उसे यह भी लगता था कि उसकी पत्नी को संतान नहीं हो रहा है। उसने यह भी बताया कि उसकी पत्नी को गंभीर बीमारी थी, जिससे वह परेशान था। घटना वाली रात को उसने अपनी पत्नी पर तब हमला किया जब वह सो रही थी।

दरवाजा तोड़ कर दिया था वारदात को अंजाम

जिस कमरे में पत्नी सो रही थी, उसका दरवाजा अंदर से बंद था। उसने दरवाजा तोड़ा और पत्नी पर हमला कर दिया। पहले पत्नी के सिर को दीवार पर मारा और फिर चादर से गला घोंट दिया। हत्या का खुदकुशी का रूप देने के लिए आरोपी ने शव को पंखे से चादर का फंदा बनाकर लटका दिया। इतना ही नहीं बड़ी चालाकी से उसने चादर के दो टुकड़े कर दिए ताकि पुलिस जब मौके पर पहुंचे तो उसे लगे कि आरोपी ने पत्नी की जान बचाने के इरादे से चादर को दो हिस्सों में काटकर उसे नीचे उतारा है। उसने सुसाइड नोट भी लिख दिया, लेकिन बाद में यह सोचकर कि लिखावट से पुलिस को यह पता चल जाएगा कि यह महिला की लिखावट नहीं है। वह पकड़ा जा सकता है, ऐसे में उसने वह सुसाइड नोट जला दिया।

पूर्वांचलियों और दलितों की आस्था के साथ खिलवाड़ न करें केजरीवाल : कांग्रेस

नई दिल्ली । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी ने केजरीवाल सरकार पर पूर्वांचलियों और दलितों की आस्था के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चाहते है कि पूर्वांचली राजधानी में छठ पर्व न मनाएं। इसी तरह महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव कमेटी के वाल्मीकि जयंती पर शोभायात्रा निकालने के 28 सितंबर के आवेदन को सरकार ने अभी तक मंजूरी नहीं दी है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल पूर्वांचलियों और दलितों की आस्था के साथ खिलवाड़ करना बंद करें।

मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में चौधरी ने उपराज्यपाल अनिल बैजल से मांग की कि दिल्ली सरकार के आदेश को तत्काल प्रभाव से निरस्त करें। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश उपाध्यक्ष जयकिशन व महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गा पंडित भी मौजूद थे।

चौधरी ने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि जब रामलीला, दशहरा और दुर्गा पूजा को मनाने पर दिल्ली सरकार ने कोई प्रतिबंध नही लगाया तो फिर छठ पर्व पर प्रतिबंध क्यों लगाया गया? उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने कोविड प्रोटोकाल की धज्जियां उड़ाकर यमुना घाट पर गणेश चतुर्थी पूजा आयोजित कर गोवा में उसका सीधा प्रसारण चुनावी फायदा उठाने के लिए किया, जबकि पिछले वर्ष अक्षरधाम मंदिर में सार्वजनिक दीपावली पूजन पर छह करोड़ रुपये खर्च किए, यह सब कोविड काल में ही किया गया।

छठ को लेकर उपराज्यपाल से लगी गुहार- उन्होंने मांग की कि छठ प्रतिबंध वाले आदेश को निरस्त कर अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपराज्यपाल छठ पूजा के आयोजन की इजाजत दें। उन्होंने कहा कि सरकार छठ घाटों पर पूजा करने की मंजूरी देने से पहले सुनिश्चित कर सकती है कि आरटी-पीसीआर निगेटिव रिपोर्ट श्रद्धालुओं के पास हो।

नासा की तस्वीरों में दिखने लगी पंजाब-हरियाणा के खेतों की आग, दिल्ली का फिर दम फूलना तय

नई दिल्ली. हर साल की तरह ही एक बार फिर दिल्ली-एनसीआर का गैस चैंबर में तब्दील होना तय है. पंजाब हरियाणा और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में पराली जलाने की तस्वीरें सामने आने लगी हैं. अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के VIIRS सैटेलाइट इमेजरी में दिखाई दे रहे लाल बिंदु इस ओर इशारा कर रहे हैं कि पिछले साल की तुलना में इस साल राजधानी की हालत और ज्यादा बिगड़ सकती है. वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों ने चेतावनी दी है कि इस साल उत्तर भारत के खेतों में लगी आग पिछले कई वर्षों की तुलना में अधिक तीव्र होने की संभावना है, क्योंकि इस क्षेत्र से मानसून की वापसी में देरी हुई है. उनका कहना है कि इससे राजधानी की हवा और भी ज्यादा प्रदूषित हो सकती है.

नासा के फायर मैप से पता चला है कि हरियाणा, पंजाब और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में अभी से ही पराली जलाई जाने लगी है. फायर मैप में इन इलाकों को रेड अलर्ट की तरह ही दिखाया है. हालांकि शाम होते-होते इसमें इसमें थोड़ी राहत मिलती दिखाई दी. वैज्ञानिकों का कहना है कि आसमान में बादल छाए रहने और बारिश के कारण इसमें थोड़ी राहत दिखाई दी है.

सोमवार को पंजाब और हरियाणा के जिन शहरों को लाल घेरे में दिखाया गया है उनमें अधिकांश आग अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, चंडीगढ़ और फरीदाबाद जैसे जिलों में केंद्रित थी. पाकिस्तान में ये आग ज्यादातर लाहौर, फैसलाबाद, गुजरांवाला और सरगोधा के आसपास देखी गई है. नासा के डाटा मैप पर नजर दौड़ाएं तो पता चलता है कि 1 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं.उदाहरण के लिए, पंजाब में, 19 और 21 सितंबर के बीच लगभग 40-50 फायर काउंट दिखाई दे रहे थे जो 26 सितंबर तक 155, 29 सितंबर को 220 के आसपास और अंत में 1 अक्टूबर को 255 तक पहुंच गया. पंजाब की तुलना में हरियाणा में पराली जलाने के मामले कम दिखाई दिए. 9 से 16 सितंबर के बीच हरियाणा में आठ से नौ आग देखी गई, जो 1 अक्टूबर को 35 हो गई.

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि मानसून की वापसी में देरी का असर सीधे तौर पर प्रदूषण पर पड़ सकता है. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 6 अक्टूबर से इस क्षेत्र में मानसून की वापसी शुरू हो जाएगी. ऐसे में किसानों को अगली बुवाई के लिए खेतों को काटने और साफ करने का समय अब काफी कम बचा है. यही कारण है कि किसानों ने अभी से पराली जलाना शुरू कर दिया है. आगे आने वाले कुछ ही दिनों में इसका असर दिल्ली-एनसीआर में देखने को मिल सकता है.

संपादकीय

फिर चेहरा बदल रहा आतंक

दिल्ली, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में दबिश डालते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने छह आतंकियों को धर दबोचा है। दावा है कि ये सभी त्योहारी मौसम में देश को अशांत करने की योजना बना रहे थे। इनकी गिरफ्तारी उन आशंकाओं को पुष्ट करती है, जो अफगानिस्तान में तालिबानी राज के शुरू होने के साथ जाहिर की गई थीं। काबुल में तख्तापलट के बाद यही कहा गया था कि इस पूरे खित्ते में अब आतंकवाद में बढ़ोतरी होगी और दहशतगर्दों को शह मिलेगी। कयास यह भी है कि चूंकि पाकिस्तान ने दो दशकीय जंग में दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका व उसके मित्र राष्ट्रों की फौज को शिकस्त दी है, और यह जीत भी ऐसी कि हार के बावजूद इस्लामाबाद के प्रति वाशिंगटन का रवैया नरम है, इसलिए विशेषकर भारत के खिलाफ पाकिस्तान पोषित आतंकी जमातों का इस्तेमाल कहीं अधिक होगा। इन गिरफ्तारियों के बाद ये आशंकाएं सच प्रतीत होने लगी हैं।

अच्छी बात यह है कि हमारी सुरक्षा एजेंसियां तत्पर हैं और देश विरोधी षड्यंत्रों को सफलतापूर्वक बेनकाब कर रही हैं। मगर मसला यह है कि अगर एक बार भी इन आतंकियों के नापाक मनसूबे कामयाब हो गए, तो हमारी सुरक्षा व्यवस्था कठघरे में आ जाएगी। पिछले कुछ दिनों से ऐसी कोशिशें हो भी रही हैं। मसलन, हाल के दिनों में कश्मीर में आतंकी वारदातों में एक तरह की बढ़त दिख रही है। खबर यह भी है कि उत्तरी कश्मीर में, जहां हालात काफी हद तक ठीक रहते हैं, दहशतगर्दों की सीमा पार से घुसपैठ हुई है। पिछले एक महीने से वहां एनकाउंटर में इजाफा हुआ है। सरहद पार के आतंकी शिविरों में भी हलचल तेज है। जाहिर है, पाकिस्तान के भीतर जश्न का माहौल है। 1992 में जब अफगानिस्तान में डॉक्टर नजीबुल्लाह की सरकार को मुजाहिदीन ने पलट दिया था, तब भी पाकिस्तान में इसी तरह की खुशियां मनाई जा रही थीं। उल्लेखनीय है कि उसी दौर में कश्मीर की सुकून भरी वादियों में सीमा पार से आतंकवाद की धुंध पसरनी शुरू हुई थी। आज फिर से हमारे लिए वही खतरा सिर उठा रहा है।

मंगलवार को पकड़े गए आतंकियों के बारे में कहा गया है कि दाऊद इब्राहिम के भाई के साथ उनके तार जुड़े हुए हैं और डी-कंपनी के नेटवर्क का इस्तेमाल हो रहा था। इसमें सीधे-सीधे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का नाम नहीं लिया गया। क्या ये आतंकी बिना आईएसआई की मदद से इतनी बड़ी हिमाकत कर सकते हैं? अफगानिस्तान में हुकूमत बदलने के बाद यह कहा भी गया था कि यह मुल्क अब दहशतगर्दी का अड्डा बनेगा। छोटे-बड़े तमाम दहशतगर्दों की अफगानिस्तान की ओर रवानगी इसकी तस्दीक भी कर रही थी। चूंकि इन आतंकियों को पाकिस्तान की शह हासिल है, इसलिए भारत में होने वाली ऐसी किसी घटना में हमें 'नॉन-स्टेट एक्टर्स' के शामिल होने जैसे दावों पर यकीन नहीं करना चाहिए, बल्कि सीधे-सीधे पाकिस्तानी हुकूमत और उसकी एजेंसियों को घेरना चाहिए।

हमें यह स्वीकार करना होगा, और संभवतः हमारी खुफिया एजेंसियां इसे मानने भी लगी हैं कि आतंकवाद का चरित्र अब बदल रहा है। तकनीक और तरीकों ने इसका रूप काफी हद तक खौफनाक बना दिया है। अब ड्रोन जैसी नई प्रौद्योगिकी की भी इसमें आमद हो गई है, और कई देशों में अत्याधुनिक तकनीक से आतंकी हमलों को अंजाम दिया गया है। भारत भी इन सबसे नहीं बच सकता। खतरा यह है कि तालिबान आत्मघाती दस्ता तैयार करने की बात खुलेआम स्वीकारता है। यानी, हमारे यहां देर-सवेर ऐसे हमले होंगे ही। नई प्रकार की आईईडी का इस्तेमाल भी होगा। लिहाजा, हमें पहले से अपनी तैयारी चाक-चौबंद करनी होगी।

एक अन्य पहलू यह भी है कि बम बनाने की तकनीक जिस तरह से उन्नत होती जा रही है, उसको रोकने के लिए हमें विशेष नजर रखनी होगी। हमें न सिर्फ इन सबको बेनकाब करना होगा, बल्कि इनकी तह तक भी पहुंचना होगा। घाटी में फिलहाल जैसी सुरक्षा व्यवस्था है, वह 1990 के दौर के हिसाब से काफी बेहतर है, लेकिन जब हम अपनी सुरक्षा व्यवस्था को उन्नत बनाने की बात करते हैं, तब हमारे लिए यह देखना जरूरी है कि सुरक्षा बलों के पास पारंपरिक हमलों के खिलाफ ही सुरक्षा कवच न हो, बल्कि नए तकनीकी हमलों के खिलाफ भी वे बखूबी मोर्चा ले सकें।

नए खतरों से बचने के लिए देश में नई तकनीक की आमद, नए तरह के प्रशिक्षण, नई प्रौद्योगिकी पर विश्वास और नए निवेश की दरकार है। इन सबकी पूर्ति जल्द से जल्द होनी चाहिए। खतरा पैदा होने के बाद उसका मुकाबला करने से बेहतर है कि खतरे को पैदा होने से रोक दिया जाए और वक्त से पहले उसे खत्म कर दिया जाए। यही रणनीति हमें अब अपनानी चाहिए।

एक बड़ा खतरा आतंकियों के स्लीपर सेल से भी है। इस तरह के मॉड्यूल में आतंकियों को तमाम तरह के प्रशिक्षण देकर आम लोगों के बीच भेज दिया जाता है, जहां वे कुछ वक्त तक बिल्कुल आम जनजीवन बिताते हैं। चूंकि दहशतगर्द समाज में घुल-मिल जाते हैं, इसलिए उन पर कोई शक नहीं करता और सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर भी वे नहीं आते। और, जब आतंकी संगठन को उनकी जरूरत होती है, तब वे तुरंत उपलब्ध हो जाते हैं। इसलिए इनसे पार पाने के लिए हमें अपनी आंख और कान खुले रखने होंगे। स्थानीय पुलिस और खुफिया एजेंसियों को इस तरह का प्रशिक्षण देना होगा कि कुछ भी असामान्य दिखने पर वे तुरंत सावधान हो जाएं। रेहड़ी-पटरी पर रहने वाले लोग भी इसमें खासा मददगार हो सकते हैं। उन्हें इस कार्य में ज्यादा से ज्यादा जोड़ना चाहिए। अब 26/11 या 9/11 जैसी वारदातें शायद ही होंगी। बिल्कुल नए तरह के आतंकी हमलों के हम गवाह बन सकते हैं। लिहाजा, हमें इतनी तैयारी रखनी ही होगी कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था में कतई सेंध न लगने पाए। हमारी सुरक्षा एजेंसियों को इसी दिशा में काम करना होगा।

प्रवीण कुमार सिंह

भाजपा अपनी राजनीति के सांस्कृतिक भूगोल का कर रही विस्तार

भारतीय समाज एवं जनतांत्रिक राजनीति में घट रही ये घटनाएं दो बातों की तरफ इशारा करती हैं। एक तो स्मृतियां जहां जोड़ती हैं, वहीं कई बार विवाद का सबब भी बन जाती हैं। अतः इनके साथ वृतांत्मक रिश्ते विकसित करने के दौरान सावधानी बरतने जरूरत होती है। यहां ऐसे वृतांत रचने की जरूरत होती है जिससे लघुअस्मिताएं अंततः एक वृहत्त समाहारी अस्मिता में बदल जाएं। दूसरे, जैसे जातीय जनगणना की मांग होती है, समाज के महानायकों एवं सांस्कृतिक नायकों की गणना वैसे नहीं की जानी चाहिए। उन्हें एक समय बाद हमें अपने जातीय ढांचे से मुक्त कर संपूर्ण समाज का हो जाने की छूट देनी चाहिए। इससे ही सांस्कृतिक राजनीति सशक्त होगी।

आगामी विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा अपनी राजनीति के सांस्कृतिक भूगोल का लगातार विस्तार करती जा रही है। इसमें नए प्रतीक और नए व्यक्तित्व जुड़ते जा रहे हैं। सांस्कृतिक राजनीति की रणनीति में इस बार एक नया मोड़ दिखाई दे रहा है। यह मोड़ है पौराणिक और पारंपरिक प्रतीकों के साथ मध्यकालीन हंहिंदू राजाओं एवं औपनिवेशिक दौर में आजादी की लड़ाई के प्रतीक नायकों को खोज कर उन्हें सम्मान देना। वस्तुतः नायकों की खोज, उन्हें सम्मान देने की प्रक्रिया में एक गर्व का भाव सृजित होता है, जो सामाजिक समूहों को जोड़ने एवं उनसे जुड़ने के लिए एक आधार तत्व का काम करता है। यह गर्व भाव राष्ट्रीय एवं जातीय स्वाभिमान, दोनों ही रूपों में सक्रिय रहते हुए एक तरफ सामाजिक समुदायों में सामाजिक आत्मविश्वास पैदा करता है, दूसरी तरफ जो राजनीतिक दल जिन सामाजिक समूहों के नायकों को सम्मान देता है, उनकी तरफ वे समूह राजनीतिक रूप से आकर्षित भी होते हैं। वास्तव में राजनीति स्मृतियों एवं सांस्कृतिक प्रतीकों को मात्र खोजती ही नहीं, अपितु उन्हें अपने ढंग से रचती-विरचती भी है। वह स्मृतियों के राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ निर्मित करती है। इधर कुछ सालों में भाजपा ने राजा सुहेलदेव, सम्राट मिहिर भोज एवं राजा महेंद्र प्रताप सिंह जैसे अनेक राजाओं के नायकत्व के स्मरण की योजना बनाई है।

सुहेलदेव बहराइच के राजा थे। उनका राज्य काफी विस्तारित था। उन्होंने सैयद सलार गाजी (जिन्हें गाजी मियां के नाम से भी जाना जाता है) को परास्त किया था। भाजपा ने सुहेलदेव के इर्दगिर्द कई काम किए हैं। अमित शाह ने सुहेलदेव एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर उसकी शुरुआत की थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहराइच में सुहेलदेव की भव्य प्रतिमा का बीते दिनों अनावरण किया। चितौरा नामक ग्राम में बने उनके मंदिर का पुनर्निर्माण कराकर वहां पार्क बनाया और पर्यटकों के लिए कई आकर्षक सुविधाएं विकसित की गईं।

कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजा महेंद्र प्रताप सिंह की स्मृति में अलीगढ़ में एक विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया। हाथरस के राजा महेंद्र प्रताप सिंह जाट राज-परिवार से जुड़े थे। आजादी की लड़ाई में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। हाल में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से सटे दादरी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्राट मिहिर भोज की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। सम्राट मिहिर भोज नौवीं शताब्दी के प्रख्यात राजा थे, जिन्होंने अपने साम्राज्य का विस्तार उज्जैन से लेकर कन्नौज तक किया था। वह भगवान विष्णु के अनन्य उपासक थे।

राजा सुहेलदेव को उत्तर प्रदेश में पासी एवं राजभर, दोनों अपना नायक मानते है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्रभावी जाति जाट राजा महेंद्र प्रताप सिंह को अपना नायक मानती है। सम्राट मिहिर भोज के नायकत्व पर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान तथा अन्य भागों के गुर्जर एवं राजपूत दोनों ही दावा करते हैं। इस प्रकार ऐसे नायकों की स्मृतियां भाजपा को इन सामाजिक समूहों में अपने आधार को मजबूत करने में मदद कर सकती हैं। भाजपा जाटों को, जिनका एक तबका कृषि कानून विरोधी मुहिम के प्रभाव में है, की अस्मिता को सम्मान देकर उनमें अपने आधार को दरकने से रोकने के लिए प्रयासरत है। ऐसे प्रयासों से पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान से लेकर हरियाणा में फैले जाटों की अस्मिता गौरवान्वित होती है। महान नायकों को सम्मान देने का यह अभियान कभी राष्ट्रीय स्वाभिमान तो कभी जातीय गरिमा से जुड़ जाता है। कभी-कभी यह प्रक्रिया दोनों ही अस्मिताओं को एक साथ संतुष्ट करती है।

स्मृतियां जनगोलबंदी का शक्तिशाली स्रोत हैं। स्मृतियों से अस्मिताएं रची जाती हैं। लोगों को जगाया जाता है। स्मृतियां प्रतीक एवं नायकों के माध्यम से समाज में प्रवाहित होती रहती हैं। जरूरत होती है उन्हें छानकर, एकत्रित कर एक प्रभावी वृतांत में बदलने की। मूर्मियां प्रतीकों का विजुअल रूप खड़ा करती हैं, जो स्मृतियों के वृतांतों को दीर्घकालीन जीवन देती हैं।

जनतंत्र के स्रोत मात्र भौतिक एवं विकास के अवसर के रूप में ही मौजूद नहीं होते। वे स्मृति एवं आइकान के तौर पर अपनी हिस्सेदारी की मांग के रूप में भी सामने आते हैं। चूंकि इतिहास एवं समाज निर्माण में अपनी विशिष्ट भूमिका की खोज कर अनेक सामाजिक समूह मौजूदा दौर में भी अपनी विशिष्टता को दर्ज कराते हैं, अतः जनतांत्रिक महत्व प्राप्त करने की लड़ाई में सामाजिक समूह विकास के अवसरों में अपनी हिस्सेदारी के साथ-साथ इतिहास में अपनी जगह के दावे भी प्रस्तुत करते हैं। चूंकि भारतीय समाज अनेक जातियों एवं उपजातियों का समूह है इसलिए अक्सर उनके बीच इन अवसरों की प्राप्ति के लिए प्रतिस्पर्धी भागीदारी भी होती दिखती है।

इस सिलसिले में प्रसिद्ध इतिहासकार एरिक हाब्सबाम ने ठीक ही कहा है कि स्मृतियों से कई बार विवाद एवं विभेद भी पैदा होता है। सुहेलदेव के संबंध में इंटरनेट मीडिया पर पासी एवं राजभर जाति में टकराव की आंच कई बार मुझ तक भी चली आती है, क्योंकि मैंने ऐसे व्यक्तित्वों पर शोध कार्य किया है। दादरी में सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा अनावरण को लेकर गुर्जर एवं राजपूत समुदाय में हुआ विवाद इसकी प्रत्यक्ष मिसाल है।

ग्वालियर में मिहिर भोज की मूर्मि का मसला उनकी जातीय पहचान को लेकर विवाद का रूप धारण कर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में पहुंच गया है। हाईकोर्ट ने समाधान के लिए विषय विशेषज्ञों, दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों एवं प्रशासन के प्रतिनिधियों की एक समिति भी बनाई है। भारतीय समाज एवं जनतांत्रिक राजनीति में घट रही ये घटनाएं दो बातों की तरफ इशारा करती हैं। एक तो स्मृतियां जहां जोड़ती हैं, वहीं कई बार विवाद का सबब भी बन जाती हैं। अतः इनके साथ वृतांत्मक रिश्ते विकसित करने के दौरान सावधानी बरतने जरूरत होती है। यहां ऐसे वृतांत रचने की जरूरत होती है जिससे लघुअस्मिताएं अंततः एक वृहत्त समाहारी अस्मिता में बदल जाएं। दूसरे, जैसे जातीय जनगणना की मांग होती है, समाज के महानायकों एवं सांस्कृतिक नायकों की गणना वैसे नहीं की जानी चाहिए। उन्हें एक समय बाद हमें अपने जातीय ढांचे से मुक्त कर संपूर्ण समाज का हो जाने की छूट देनी चाहिए। इससे ही सांस्कृतिक राजनीति सशक्त होगी।

चीन-ताइवान तनाव, अमेरिका को अपनी सुपर पावर छवि चमकाने की मौका दे रहा है

लगता है 'शीत युद्ध' दस्तक दे रहा है. क्या चीन-ताइवान तनाव अमेरिका और चीन के बीच 'शीत युद्ध' की शुरुआत है? क्या अमेरिका और चीन के बीच यह 'युद्ध' तनाव तक ही सीमित रहेगा या यह तनाव आधुनिक हथियारों का एक विनाशकारी युद्ध में तब्दील होगा? चीन के उकसावे से ताइवान में चिंता का माहौल बना हुआ है. उकसावे इतने तीव्र हैं कि ताइवान किसी भी वक्त धैर्य खो सकता है, और यही चीन चाहता है. कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, चीन अपनी अनियंत्रित होती गृह राजनीति, हथियारों के व्यापार और सेमीकंडक्टर उद्योग पर नियंत्रण करने की प्रयासों को लेकर ताइवान पर दबाव बढ़ा रहा है. ताइवान आकार में केरल राज्य से भी छोटा है. जनसंख्या हरियाणा राज्य से भी कम और चीन के दो प्रतिशत के बराबर भी नहीं. पिछले हफ्ते, चीन ने ताइवान को डराने के लिए चार दिनों में लगभग 150 युद्धक विमान ताइपे के नजदीक से उड़ाया. आश्चर्य की बात तो यह है कि इस बेड़े में परमाणु बम ले जाने वाला एच-6 विमान भी था. इस बेड़े में ऐसा विमान भी था जो ताइवान की वायु रक्षा प्रणाली के सिग्नल को जाम कर देने की क्षमता रखता था. चीन की इस दादागिरी से विश्व हैरान है. अतीत में, इस तरह के ऑपरेशन मुख्य रूप से खुफिया विमानों द्वारा किया जाता था, लेकिन आश्चर्य रूप से युद्ध आधुनिक उपकरणों से लैस अधिक से अधिक चीनी विमान अब इस अभ्यास में भाग ले रहे है, जो चिंताजनक है. ताइवान 72 साल से खुद को एक स्वतंत्र देश मानता रहा है. दोनों देशों के मूल भूखंड एक दूसरे से दूर और अलग हैं. बीजिंग के शासक ताइवान को अपने विद्रोह क्षेत्र के रूप में देखते हैं. हालांकि इतने साल गुजरने के बाद भी ताइवान ने आधिकारिक तौर पर अपने स्वतंत्रता की घोषणा नहीं की है. लेकिन ताइवान के पास अलग संविधान, एक लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकार है और अपना सशस्त्र बल है. चीनी वायुसेना के फाइटर जेट लगातार ताइवान के हवाई रक्षा क्षेत्र के पास से गुजर रहे हैं और धमकाने में लगे हुए है. इस क्षेत्र में चीन की शक्ति प्रदर्शन का उद्देश्य है ताइवान को 'स्वतंत्र' बनने से रोकना. इसके लिए बीजिंग अपने ही लोगों को परमाणु बम से डराने के लिए भी पीछे नहीं हटता. चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पिछले हफ्ते ज़ोर देते हुए कहा कि ताइवान को मुख्य भूमि में 'शामिल होना' चाहिए. अपने भाषण में उन्होंने यह भी कहा की 'चीन में अलगाववाद दमन की गौरवशाली परंपरा रही है.' शी जिनपिंग के शासनकाल के दौरान ताइवान ओर चीन में तनाव बड़ा है. घरेलू राजनीति के चलते, शी जिनपिंग अब ताइवान को मुद्दा बनाते हुए राष्ट्रवादी चीनियों में अपनी मजबूत छवि बनाने के लिए प्रयासरत है. ताइवान विरोधी आक्रमण इस समय चीनी शासकों के लिये एक महत्वपूर्ण राजनीतिक मजबूरी बन गई है.

कई टिप्पणीकारों के विचार में जिनपिंग लगातार ताइवान को धमकियों के माध्यम से चीन समर्थक कुओमिन्तांग (ग्वोमींतांग) पार्टी को वोट देने के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से दबाव पैदा कर रहे हैं. अगर कुओमितांग पार्टी चुनाव में अच्छा परिणाम करता है तो चीन को ताइवान के मुद्दे पर पैसा खर्चा करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी. लेकिन 110 साल पुरानी चीन समर्थक इस पार्टी को अब ताइवान के युवा पसंद नहीं करते है, इस लिये ताइवान में सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम नहीं है और यही कारण है जो शी जिनपिंग का सिरदर्द बन गया है. 1949 की चीन पर कम्युनिस्ट क्रांति के बाद से बीजिंग ताइवान के बीच राजनीतिक विरोध चल रहा है. अब कम्युनिस्ट राष्ट्र होते हुए भी चीन में सत्ता के साथ पूंजीवाद जोरदार कदमों में चल रहा है. लेकिन ताइवान अब मुख्य भूमि चीन में शामिल नहीं होना चाहता है. ताइवान की औद्योगिक प्रतिभा का विकास आज चीन के लिए एक आकर्षक और हिंसा का विषय बन गया है. सेमीकंडक्टर उद्योग में ताइवान विश्व के लिए एक आवश्यक शक्ति है. सिलिकॉन से एकीकृत सर्किट बनाने की उनके पास पूरी प्रौद्योगिकी श्रृंखला है, जो वैश्विक मानव संसाधनों के लिये एक बड़ा हिस्सा है.

पिछले कुछ वर्षों में वाशिंगटन और बीजिंग के बीच अधिकांश प्रौद्योगिकी युद्ध सेमीकंडक्टर को लेकर रहा है. चीन के लिए बड़ी चिंता का विषय है ये है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ दक्षिण कोरिया, जापान और विशेष रूप से ताइवान का शामिल होना. प्रौद्योगिकी की क्षेत्र में सेमीकंडक्टर अपरिहार्य है. सेमीकंडक्टर किसी हीरे जवाहरात से भी ज्यादा मूल्यवान है. ताइवान जैसे समृद्ध द्वीप साथ होने से वैश्विक 'चिप-युद्ध' में चीन का वर्चस्व बना रह सकता है. 'चिप-युद्ध' में चीन के विरूद्ध इस लड़ाई में संयुक्त राज्य अमेरिका के पक्ष में दक्षिण कोरिया, जापान और विशेष रूप से ताइवान शामिल है. चारों सेनाएं चीन की विरोधी हैं. ताइवान के एकीकरण के बारे में चीन की उत्तेजक बातों के पीछे सेमीकंडक्टर एक प्रमुख कारण हो सकता है. डरा धमकाकर ताइवान को अपने साथ करने में चीन अगर सक्षम होता है तो यह चीन के लिए एक बड़ी जीत होगी. अगर युद्ध छिड़ता है और चीन जीत जाता है तो चीन को ताइवान के सेमीकंडक्टर उद्योग से लाभ होगा, और अगर युद्ध के कारण सेमीकंडक्टर क्षेत्र को भी क्षति पहुंचता है तो भी प्रतिस्पर्धा की बाजार में चीन का ही लाभ रहेगा. ताइवान के नेताओं का कहना है कि चीन के साथ तनाव के चलते अगर आकस्मिक गोलाबारी शुरू हो जाए तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा. राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हमेशा आत्मरक्षा के अधिकार की बात की है.

सौ साल की मेहनत

बीमारियों के खिलाफ चलने वाले मनुष्यता के सतत संघर्ष में एक अहम पड़ाव बुधवार को तब आया, जब डब्ल्यूएचओ ने मलेरिया के टीके आरटीएसएस को अपनी मान्यता दे दी। वैसे तो भांति-भांति के विषाणुओं और जीवाणुओं पर काम करने वाले कई टीके पहले से मौजूद हैं, लेकिन यह पहला मौका है जब डब्ल्यूएचओ ने ह्यूमन पैरासाइट के खिलाफ किसी टीके के व्यापक उपयोग की सिफारिश की है। इसकी वैज्ञानिक अहमियत इस बात से समझी जा सकती है कि रिसर्चर्स पिछले सौ साल से इस बीमारी का प्रभावी टीका बनाने की कोशिश में लगे थे।

मलेरिया से हमारा वास्ता लंबे समय से पड़ता रहा है और तमाम उपायों की बदौलत आज भले यह अपने खौफनाक रूप में नजर न आता हो, लेकिन एक समय था, खासकर 50 का दशक जब भारत में भी सालाना मलेरिया के सात करोड़ से ज्यादा मामले सामने आते थे और आठ लाख तक मौतें दर्ज की जाती थीं। अब भारत में उतना बुरा हाल नहीं है लेकिन दुनिया भर में अब भी इससे हर साल करीब चार लाख मौतें होती हैं। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव अफ्रीकी देशों में है। वहां पांच साल से कम उम्र के बच्चे इसका सबसे ज्यादा शिकार बनते हैं।

हालांकि इससे बचाव के उपाय भी कम नहीं किए जाते। 2019 में ही मलेरिया नियंत्रण व उन्मूलन पर तीन अरब डॉलर खर्च किए गए। मगर इसके बावजूद इन देशों में मलेरिया का आतंक कायम है। निश्चित रूप से उन इलाकों के लोगों के लिए यह टीका वरदान बनकर आया है। फिर भी सारी उम्मीदें इसी पर टिका देना समझदारी नहीं होगी। वैसे पायलट प्रोग्राम के दौरान इसके नतीजे उत्साहवर्धक रहे हैं, लेकिन फिर भी इसकी अपनी सीमाएं हैं। पहली बात तो यह समझने की है कि मलेरिया पैरासाइट के सौ से अधिक प्रकार हैं। आरटीएसएस टीका इनमें से एक प्लाज्मोडियम फाल्सिपैरम पर ही कारगर है, हालांकि यही सबसे खतरनाक माना जाता है और अफ्रीकी देशों में सबसे ज्यादा प्रकोप भी इसी का होता है। दूसरी बात यह कि इस वैक्सीन के प्रभावी होने के लिए हर बच्चे को इसका चार डोज देना जरूरी होगा।

इनमें से पहले तीन डोज क्रमशः पांच, छह और सात महीने की उम्र में तो चौथा डोज 18वें महीने में देने की जरूरत होगी। दूरदराज के इलाकों में बच्चों को समय से चारों डोज लगाना व्यवहार में आसान नहीं होगा। वैसे, अच्छी योजना बनाकर इस मुश्किल का हल निकाला जा सकता है। मलेरिया की नई दवाओं को लेकर भी हाल कोई अच्छा नहीं रहा। इस तरह के आरोप लगे कि दवा कंपनियों को खासतौर पर गरीब मुल्कों की इस बीमारी में बड़ा मुनाफा नहीं दिखा, इसलिए उन्होंने मलेरिया की नई दवाएं नहीं बनाईं। जिस तरह से बच्चों की खातिर यह टीका आया है, कुछ वैसी ही पहल इस बीमारी की नई दवा बनाने को लेकर भी होना चाहिए।

चीन तीन गंभीर संकटों से एक साथ जूझ रहा, डूब सकती है अर्थव्यवस्था

बीआरआइ में यदि चीन ने अपनी परियोजनाओं का सही आर्थिक मूल्यांकन कराकर घटिया परियोजनाओं को निरस्त कर दिया और केवल सुदृढ़ परियोजनाओं को ही बढ़ाया तो बीआरआइ सफल हो जाएगी, अन्यथा डूबेगी। एवरग्रैंड जैसी कंपनियां यदि अपनी घटिया संपत्तियों को बेचकर सुदृढ़ हो गईं तो चीन वित्तीय संकट से बच जाएगा। इसके विपरीत यदि चीन ने बड़ी कंपनियों के वित्तीय दुराचार पर अंकुश नहीं लगाया तो उसकी अर्थव्यवस्था डूबेगी। यदि सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन बढ़ गया तो बिजली संकट से भी चीन बच जाएगा। इससे उसका पर्यावरण सुधर जाएगा, जिससे अर्थव्यवस्था को पुनः गति मिलेगी। देखना है कि चीन इन कदमों को उठाने में सफल होता है कि नहीं?

चीन वर्तमान में तीन गंभीर संकटों से एक साथ जूझ रहा है। पहला, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआइ) के अंतर्गत विश्व के तमाम देशों में ढांचागत परियोजनाएं निरस्त की जा रही हैं। दूसरा, रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड पर वित्तीय संकट आ गया है। तीसरा, बिजली के उत्पादन में कमी आ रही है। इससे शहरों में पावर कट किए जा रहे हैं। इन तीनों में बीआरआइ का संकट बड़ा है। बीआरआइ को चीन ने अपनी अतिरिक्त या सरप्लस पूंजी के निवेश के लिए बनाया था। पिछले 20 वर्षों में चीन के निर्यात ऊंचे रहे हैं और घरेलू बचत दर भी ऊंची रही है। इन मदों से अर्जित रकम को उसे कहीं न कहीं निवेश करना था। इसके लिए चीन ने बीआरआइ योजना को बनाया। इसके तहत उसने विश्व के तमाम देशों को विभिन्न बुनियादी संरचना खड़ा करने के कर्ज दिए। विश्व बैंक ने 2019 में बीआरआइ का अध्ययन किया। उसने पाया कि इसके तहत बनाई जा रहीं परियोजनाओं से स्थानीय देशों को लाभ हो सकते हैं। चीन से यूरोप के बीच बिछाई जा रही रेललाइन के कारण कजाखिस्तान और पोलैंड में विनिर्माण के बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं, लेकिन बीआरआइ में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है। अक्सर ज्यादा लाभ दिखाकर परियोजनाओं को स्वीकृत करा लिया जाता है। इसलिए तमाम देश इससे पीछा छुड़ाने लगे हैं। पहले मालदीव में चीन समर्थक प्रोग्रेसिव पार्टी द्वारा बीआरआइ का समर्थन किया जा रहा था, लेकिन पिछले दिनों वहां हुए चुनाव में प्रोग्रेसिव पार्टी हार गई और मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी जीती, जो कि बीआरआइ का विरोध करती है। मलेशिया के प्रधानमंत्री ने बीआरआइ को उपनिवेशवाद का नया रूप बताया है। म्यांमार ने क्यौकप्यू बंदरगाह परियोजना को निरस्त कर दिया है। श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और पाकिस्तान ने भी परियोजनाओं का रूप बदलने का आग्रह किया है।

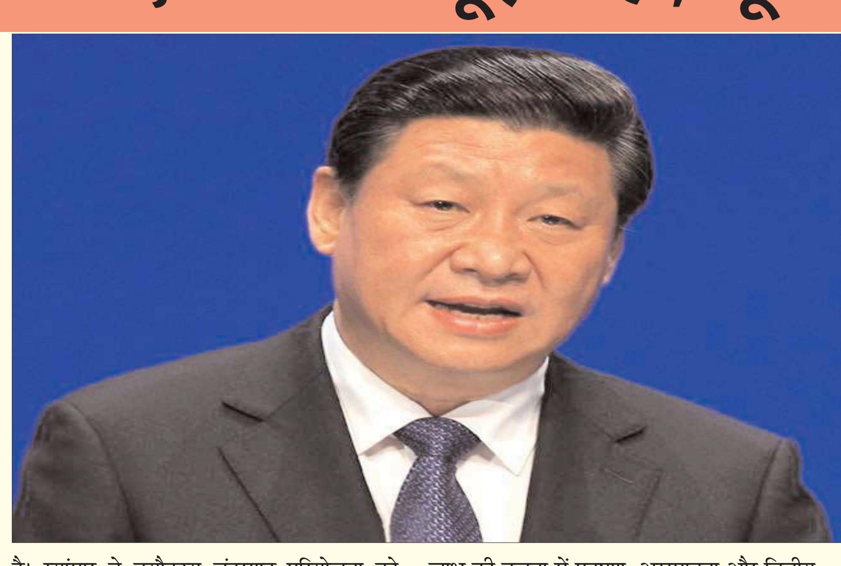

स्पष्ट है कि बीआरआइ के लाभ होने के बावजूद इसमें कई खामियां हैं। यदि चीन इनको दूर करने में सफल होता है तो बीआरआइ आगे बढ़ेगी, अन्यथा इसके डूबने की आशंका है। भारत को भी इस दिशा में कदम उठाने चाहिए, अन्यथा हमारा माल विश्व बजार में चीन की तुलना में महंगा पड़ने लगेगा।

चीन का दूसरा संकट एवरग्रैंड कंपनी का है। इसके पीछे चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग का मौलिक विचार है। उन्होंने कहा है कि कंपनियों के लाभ की तुलना में प्रदूषण, असमानता और वित्तीय अस्थिरता को दूर करना ज्यादा जरूरी है। इसी के चलते उन्होंने एवरग्रैंड कंपनी द्वारा अधिक ऋण लेने पर अंकुश लगाया है। उन्होंने नई वित्तीय नीति बनाई है, जिसके अंतर्गत किसी भी कंपनी को तीन मदों पर आंका जाता है। पहला यह कि लिए गए ऋण के सामने उसके पास संपत्ति कितनी है? दूसरा यह कि उसके पास अल्पकालीन कर्ज की तुलना में नगद कितनी है? तीसरा यह कि उसके द्वारा कुल लिए गए ऋण की तुलना में उसकी अपनी पूंजी कितनी है? यदि कोई कंपनी किसी एक बिंदु पर भी फेल हो जाती है, तो बैंकों द्वारा उसे ऋण नहीं दिया जा सकता। एवरग्रैंड ने तमाम परियोजनाओं को पूरा किया है, लेकिन कोविड संकट के कारण उसकी ओर से बनाए गए फ्लैटों की बिक्री कम हो गई। इसलिए भी एवरग्रैंड संकट में आ गया है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए चीन की सरकार ने सरकारी इकाइयों को आदेश दिया है कि वे एवरग्रैंड की परियोजनाओं को खरीद लें। जिस प्रकार अपने देश में संकटग्रस्त यस बैंक का अधिग्रहण सरकारी बैंक द्वारा किया गया, उसी प्रकार चीन की सरकारी कंपनियां एवरग्रैंड की संकटग्रस्त परियोजनाओं को खरीदकर उस कंपनी को डूबने से बचाने का प्रयास कर रही हैं।

देखा जाए तो चीन की सरकार ने एवरग्रैंड को सरकारी ऋण देकर बचाने का प्रयास नहीं किया है। दोनों विधाओं में मौलिक अंतर है। 2008 में अमेरिका में जब जनरल मोटर्स कंपनी संकट में आ गई थी, तो अमेरिकी सरकार ने जनरल मोटर्स को और ऋण देकर बचाया था। चीन की सरकार ने एवरग्रैंड को इस प्रकार का ऋण देकर बचाने से इन्कार कर दिया और उसे मजबूर किया कि वह अपनी कुछ संपत्तियों को बेचकर अपने ऋण को कम करे। ऐसा करने से एवरग्रैंड के बचे रहने की संभावना बढ़ जाएगी और चीन की सरकार के ऊपर अनावश्यक वित्तीय भार भी नहीं आएगा। इससे चीन की अर्थव्यवस्था भी बची रहेगी। यद्यपि वर्तमान में यह प्रक्रिया संकट के रूप में दिख रही है। जैसे समय पूर्व उपचार भी बीमारी जैसा ही लगता है। चीन का तीसरा संकट बिजली का है। चूंकि शी चिनफिंग ने प्रदूषण, असमानता और वित्तीय अस्थिरता को दूर करने का संकल्प लिया है। लिहाजा उन्होंने प्रदूषण से मुक्ति पाने के लिए थर्मल बिजली संयंत्रों को आदेश दिया कि वे अपने प्रदूषण स्तर को कम करें। इन नियमों का पालन न करने के कारण कई बिजली संयंत्रों को बंद कर दिया गया। फलस्वरूप बिजली का उत्पादन कम हो गया। कई बिजली कंपनियों ने बड़ी आद्योगिक इकाइयों को बिजली देनी बंद कर दीं। कहीं-कहीं शहरों में पावर कट भी लागू करने पड़े हैं। देखा जाए तो चीन यह संकट अपने ऊपर स्वयं लाया है, क्योंकि वह स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन की ओर बढ़ना चाहता है।

भारत की तुलना में चीन में सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन धीरे-धीरे बढ़ रहा है। इसलिए चीन ने यह सख्त कदम उठाया है। इसके फलस्वरूप चीन में भी सौर और पवन ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा मिलने की संभावना है। ऐसा होने पर चीन शीघ्र ही इस बिजली संकट से उबर जाएगा। चीन के इन तीनों संकट के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष हैं। बीआरआइ में यदि चीन ने अपनी परियोजनाओं का सही आर्थिक मूल्यांकन कराकर घटिया परियोजनाओं को निरस्त कर दिया और केवल सुदृढ़ परियोजनाओं को ही बढ़ाया तो बीआरआइ सफल हो जाएगी, अन्यथा डूबेगी। एवरग्रैंड जैसी कंपनियां यदि अपनी घटिया संपत्तियों को बेचकर सुदृढ़ हो गईं तो चीन वित्तीय संकट से बच जाएगा। इसके विपरीत यदि चीन ने बड़ी कंपनियों के वित्तीय दुराचार पर अंकुश नहीं लगाया तो उसकी अर्थव्यवस्था डूबेगी। यदि सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन बढ़ गया तो बिजली संकट से भी चीन बच जाएगा। इससे उसका पर्यावरण सुधर जाएगा, जिससे अर्थव्यवस्था को पुनः गति मिलेगी। देखना है कि चीन इन कदमों को उठाने में सफल होता है कि नहीं?

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की टीम में चिराग पासवान की एंट्री, बिहार में छिड़ी नई सियासी चर्चा

पटना । इस्पात मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का पुनर्गठन किया गया है। खास बात यह कि इस्पात मंत्री आरसीपी सिंह की अध्यक्षता वाली इस 15 सदस्यीय समिति में सांसद चिराग पासवान और जदयू सांसद दिनेशचंद्र यादव समेत बिहार के पांच लोग सदस्य बनाए गए हैं। इस्पात राज्यमंत्री समिति के उपाध्यक्ष हैं। इस्पात मंत्री आरसीपी सिंह की समिति में जमुई के सांसद चिराग समेत बिहार से चार सदस्य शामिल किए गए हैं। मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा लोकसभा से नामित सांसद संजय सेठ (झारखंड) एवं सुनील कुमार सोनी (छत्तीसगढ़), जबकि राज्यसभा से दिनेशचंद्र जेमलभाई अनावाडिया (गुजरात) और नरेश गुजराल (पंजाब) को समिति में सदस्य बनाया गया है। वहीं संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नामित सांसद चिराग पासवान और दिनेश चंद्र यादव सदस्य हैं। समिति में इस्पात मंत्रालय द्वारा विधान पार्षद डा. रामवचन राय (बिहार), पूर्व सांसद स्व. डा. रमेंद्र कुमार रवि के पुत्र एवं जदयू नेता डा. अमरदीप, डा. रिंकु कुमारी (नई दिल्ली) एवं सुधीर कुमार (मध्य प्रदेश) को सदस्य मनोनीत किया गया है। केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद के प्रतिनिधि के तौर पर गोपाल कृष्ण फरलिया (नई दिल्ली) और महेश बंशीधर अग्रवाल (महाराष्ट्र) समिति में सदस्य बनाए गए हैं। गौरतलब है कि पिछले साल संपन्न हुए बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान चिराग पासवान जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का विरोध कर रहे थे। अपनी हर रैली में चिराग जनता से नीतीश की पार्टी को वोट न देने के लिए कह रहे थे। चिराग अपनी पार्टी और परिवार में टूट का जिम्मेदार नीतीश को ही बता रहे हैं। वहीं हाल ही में केंद्रीय मंत्री बने आरसीपी सिंह जदयू से हैं। मंत्री बनने से पहले आरसीपी जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। उनके इस्पात मंत्रालय का जिम्मा संभालने पर जदयू की कमान ललन सिंह को सौंपी गई। अब सवाल यह है कि चिराग की आरसीपी की टीम में एंट्री का संकेत क्या है?

बिहार विधानसभा उपचुनाव में तेजस्वी के लिए बड़ी चुनौती बने कन्हैया, लालू नहीं चाहते आमना-सामना

पटना । बिहार विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची में कन्हैया कुमार को भी जगह दी है। उधर, तेजस्वी यादव राष्ट्रीय जनता दल के स्टार प्रचारकों में शामिल हैं। ऐसे में अब यह निश्चित है कि कन्हैया और तेजस्वी आमने-सामने आएंगे। यह बिहार के दोनों युवा नेताओं की अग्निपरीक्षा होगी। कन्हैया के चुनाव प्रचार से भारतीय जनता पार्टी व जनता दल यूनाइटेड के खिलाफ कांग्रेस की ताकत बढ़ेगी तो आरजेडी भी मुश्किल में पड़ेगा। इसका असर तेजस्वी पर भी पड़ेगा। इससे आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का परेशान होना तय है। कांग्रेस ने मंगलवार को बिहार विधानसभा उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की जो सूची जारी की है, उसमें कन्हैया कुमार शामिल हैं। इस सूची में लोकसभा की पूर्व स्पीकर मीरा कुमार व पूर्व सांसद व बालीवुड स्टार शत्रुघ्न सिन्हा भी शामिल हैं। सूची में तारिक अनवर, भक्त चरण दास, मदन मोहन झा, अजित शर्मा, निखिल कुमार, अखिलेश सिंह, डा.अनिल शर्मा आदि बड़े नाम भी हैं। हालांकि, सबसे अधिक चर्चा कन्हैया कुमार की है। बताया जाता है कि आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव किसी भी सूरत में कन्हैया व तेजस्वी का आमना-सामना नहीं चाहते। वे कन्हैया को तेजस्वी के लिए बड़ी चुनौती मानते हैं। वे बिहार में ऐसे किसी दूसरे युवा नेता को उभरते देखना नहीं चाहते, जो तेजस्वी के लिए चुनौती बन सकता है। इसी कारण बीते लोकसभा चुनाव में महागठबंधन में सहयोगी दल रहने के बावजूद तब बेगूसराय में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रत्याशी कन्हैया कुमार के खिलाफ आरजेडी ने तनवीर हसन को खड़ा कर दिया था। आरजेडी व सीपीआइ की इस लड़ाई का लाभ बीजेपी के प्रत्याशी गिरिराज सिंह को मिला। आगे आरजेडी के दबाव में हीं 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में भी कन्हैया को महागठबंधन के लिए चुनाव प्रचार करने बिहार आने से रोका गया।

करवट लेती सियासत में बन गए कांग्रेस की उम्मीद- लेकिन अब सियासत करवट लेती नजर आ रही है। कन्हैया कुमार अब कांग्रेस में हैं और बिहार विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस व आरजेडी में ठन गई है। उपचुनाव में जब आरजेडी ने कुशेश्वरस्थान व तारापुर की दोनों सीटों पर अपने प्रत्याशी क्रमशः गणेश भारती व अरुण कुमार साह को उतारा तो कांग्रेस भड़क गई। कांग्रेस ने भी तारापुर से राजेश कुमार मिश्रा तो कुशेश्वरस्थान से अतिरेक कुमार को मैदान में उतार दिया है। कांग्रेस के बिहार प्रभारी भक्त चरण दास स्पष्ट कह रहे हैं कि उनकी पार्टी झुकने के लिए तैयार नहीं है। अगर आरजेडी कुशेश्वरस्थान से अपना प्रत्याशी वापस नहीं लेता है तो कांग्रेस कोई बड़ा फैसला ले सकती है। माना जा रहा है कि भक्त चरण दास का ऐसा बयान कांग्रेस आलाकमान की सहमति के बगैर संभव नहीं है।

तेजस्वी से सुलह को अभी भी तैयार नहीं तेज प्रताप; राबड़ी की कोशिश फेल, अब लालू का इंतजार

पटना । लालू परिवार में दो भाइयों के बीच सियासी विरासत का घमासान लगातार गहराता जा रहा है। सुलझाने के सारे प्रयास अभी तक निरर्थक साबित हुए हैं। राबड़ी देवी का प्रयास भी कामयाब नहीं हो पाया है। राष्ट्रीय जनता दल के अंकुश और परिवार के बंधन को तेज प्रताप यादव मानने के लिए तैयार नहीं दिख रहे। अब लालू प्रसाद यादव का इंतजार है। वे 20 अक्टूबर को आने वाले हैं। उम्मीद है कि उनके पटना आने के बाद ही विवाद को थामने का कोई फार्मूला निकल सकता है। दिल्ली में मीसा भारती के सरकारी आवास पर रहकर 16 तरह की बीमारियों से लड़ रहे लालू के सामने पार्टी और परिवार की हिफाजत की बड़ी चुनौती है। जनता दल से अलग होकर करीब 24 वर्ष पहले 1997 में बनाई गई पार्टी (आरजेडी) को बचाने के लिए योग्य उत्तराधिकारी की तलाश में उन्होंने 2015 के विधानसभा चुनाव के पहले छोटे पुत्र तेजस्वी यादव को आगे किया। लालू का यह फैसला उनके बड़े पुत्र तेज प्रताप को रास नहीं आ रहा है। प्रारंभ के चार-पांच वर्ष तो वह चुप रहे, लेकिन अब स्वयं को दूसरा लालू बताकर विरासत पर कब्जे की कोशिश में हैं।

परिवार की एकजुटता के लिए तेज प्रताप को पटरी पर लाना लालू की दूसरी प्राथमिकता है। लालू को अहसास था कि 11 अक्टूबर को जेपी जयंती के मौके पर जनशक्ति मार्च के दौरान तेज प्रताप पार्टी और परिवार के खिलाफ उल-जलूल बोल सकते हैं। इसी आशंका को भांपकर उन्होंने आनन-फानन में जनशक्ति मार्च से महज कुछ घंटे पहले राबड़ी देवी को पटना भेजा, ताकि वे समझा-बुझाकर बेटे को रास्ते पर ला सकें। राबड़ी पटना हवाई अड्डे से सीधे तेज प्रताप के सरकारी आवास पर पहुंचीं, लेकिन उनके आने की भनक तेज प्रताप को पहले ही लग गई थी। लिहाजा उन्होंने पहले ही घर छोड़ दिया था। ऐसे में मां-बेटे की मुलाकात नहीं हो सकी और लालू यह प्लान फेल कर गया।

बीजेपी ने कांग्रेस के आंदोलन को बताया नौटंकी, राजेश ठाकुर बोले- हिल गई है भाजपा

रांची । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने उत्तरप्रदेश के मुद्दे पर कांग्रेस द्वारा किए जा रहे धरना-प्रदर्शन को नौटंकी बताया है। मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश और राज्य में अराजकता फैलाना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी नेता राजस्थान जाकर भी देखें। वहां कांग्रेस सरकार में किसानों के ऊपर डंडे बरसाए जा रहे हैं। हनुमानगढ़ में दलित युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। प्रियंका, राहुल इस पर चुप्पी क्यों साधे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड के मंत्री उत्तरप्रदेश के नाम पर ड्रामेबाजी करने के बजाए विभाग का काम निपटाकर जनता को राहत दें। दीपक प्रकाश ने झारखंड की विधि व्यवस्था का मामला भी उठाया। कहा, प्रदेश की खराब विधि-व्यवस्था पर कांग्रेस मौन बैठी हुई है। स्थिति बद से बदतर है, बावजूद इसके कांग्रेस उत्तरप्रदेश के मुद्दे पर विधवा विलाप कर रही है। प्रदेश में विकास कार्य ठप पड़ा हुआ है। इस पाप के भागीदार कांग्रेस व झामुमो दोनों हैं। आज प्रदेश में जमीन लूटी जा रही है। पैसे का प्रलोभन देकर योजनाबद्ध तरीके से धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। मोरहाबादी में आदिवासी मूलवासी सहायक पुलिसकर्मियों की सुनने वाला कोई नहीं है। रोजगार, विस्थापन, भ्रष्टाचार, ट्रांसफर पोस्टिंग, मानव तस्करी पर कांग्रेस चुप बैठी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने पार्टी के आंदोलन को भाजपा द्वारा नौटंकी करार दिए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के आंदोलन के कारण भाजपा भीतर तक हिल गई है। दरअसल भाजपा की मंशा तानाशाही तरीके से देश की सत्ता को संचालित करने की है। यूपी की घटना ने इसे प्रमाणित कर दिया है। पूरा तंत्र स्वाभाविक तरीके से विरोध करने में लोगों पर अत्याचार करने में जुटा रहा। हत्या के दोषियों को भाजपा की सरकार संरक्षण दे रही है।

कुशीनगर में पीएम नरेन्द्र मोदी के दौरे से पहले अव्यवस्था देख नाराज हुए सीएम योगी आदित्यनाथ

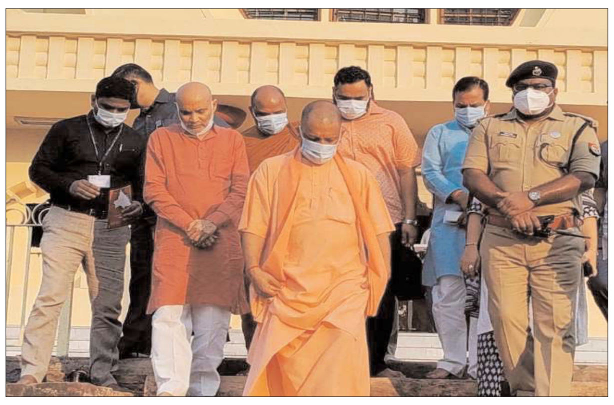

गोरखपुर । कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का 20 अक्टूबर को उद्घाटन करने आ रहे पीएम नरेंद्र मोदी श्रीलंका के 125 भिक्षुओं व डेलीगेट्स के साथ महापरिनिर्वाण बुद्ध मंदिर का दर्शन व पूजन वंदन भी करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एयरपोर्ट से सड़क मार्ग होकर बुद्ध मंदिर पहुंचे। उन्होंने तथागत की लेटी प्रतिमा पर चीवर चढ़ा कर पूजन वंदन किया। सीएम ने स्तूप की परिक्रमा करते हुए खंडहरों में जल भराव देखा और इस संबंध में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारी संरक्षण सहायक शादाब खान से जानकारी ली। इस दौरान स्तूप के पास खंडहरों में जलभराव पर सीएम ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने जलभराव खत्म कराने का अधिकारियों को निर्देश दिया।

सीएम ने पीएम के पांडाल, मंच, डी की भी जानकारी ली

खान ने बताया कि पानी निकालने का कार्य चल रहा है और पीएम के कार्यक्रम के पूर्व जल निकासी का कार्य पूर्ण हो जाएगा। बुद्ध मंदिर से निकलने के बाद इंटरप्रिटेशन सेंटर परिसर के रास्ते पर लगने वाले पांडाल, मंच, डी आदि की जानकारी ली। इंटरप्रिटेशन सेंटर से होकर ही पीएम मोदी बुद्ध मंदिर जाएंगे व लौटेंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुझाव दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला निमार्णाधीन सभा स्थल बरवा फार्म के लिए रवाना हो गया। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय डा. धर्मेंद्र सिंह, सांसद विजय कुमार दूबे, विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, मंडलायुक्त रवि कुमार एनजी, डीएम एस राजलिंगम, एसपी सचिंद्र पटेल, सीडीओ अनुज मलिक, एडीएम विंध्यवासिनी राय, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट पूर्ण बोरा, क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी रविंद्र कुमार, भंते डा. नंदरतन, भंते अशोक आदि उपस्थित रहे।

पीएम के सभास्थल का किया निरीक्षण- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री के जनसभा स्थल बरवा फार्म का निरीक्षण किया। बनाए जा रहे जर्मन हैंगर, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था आदि की जानकारी ली। अब तक तैयारी पर संतोष जताते हुए व्यवस्था को व्यापक स्वरूप देने का निर्देश दिए।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कुशीनगर के जिलाध्यक्ष प्रेमचंद मिश्र को कड़ी फटकार लगाई। एयरपोर्ट पर हेलीकाप्टर से उतरने के बाद मुख्यमंत्री प्रशासनिक अधिकारी व एयरपोर्ट अथारिटी के अधिकारियों के साथ बैठक के लिए वीआइपी गेस्ट रूम में गए। कम कुर्सी होने के कारण कई अन्य विशिष्ट लोगों को सुरक्षा दस्ता ने बाहर ही रोक दिया। उनमें से कुछ को अंदर लाने के लिए जिलाध्यक्ष ने कहा तो मुख्यमंत्री बोले कि यहां बरात निकली है क्या। सीएम का तेवर देखकर जिलाध्यक्ष सहम गए।

कानून मंत्री ब्रजेश पाठक पहुंचे लखीमपुर, हिंसा में मारे गए ड्राइवर हरिओम मिश्रा की मां को बंधाया ढांढस

लखीमपुर । किसान बिल के विरोध में हुए संघर्ष में मारे गए चालक हरिओम मिश्रा के परिजनों को ढांढस बंधाने के लिए कानून मंत्री बृजेश पाठक उसके घर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। बुधवार की सुबह लगभग लगभग सवा 10 बजे कानून मंत्री बृजेश पाठक थाना फरधान क्षेत्र के गांव परसेहरा बुजुर्ग निवासी मृतक हरिओम मिश्रा के घर पहुंचे। उसके बीमार माता-पिता को हर संभव मदद का आश्वासन देकर ढांढस बंधाया।

उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाना उनका मुख्य है। कानून मंत्री के साथ पुलिस अधीक्षक विजय ढुल, उप जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा के अलावा काफी संख्या में अधिकारी एवं पदाधिकारी गण मौजूद रहे। हरिओम मिश्रा की पारिवारिक स्थिति को देख कर मंत्री जी काफी व्यथित दिखे। कानून मंत्री श्री पाठक ने कहां कि इंसान ही इंसान के दुखों में काम आता है इसलिए पार्टी के सभी लोगों की जिम्मेदारी बनती है कि वह एक दूसरे के सुख दुख में भागीदार बने। हरिओम मिश्रा के परिवार को ढाढस बधाने के बाद प्रदेश सरकार के कानून मंत्री ने भाजपा कार्यकर्ता शुभम मिश्रा के घरवालों से भी मुलाकात की । लखीमपुर के शीतला देवी मंदिर के नजदीक बने कर्मकांड स्थल पर आज उसका दसवां संस्कार चल रहा है। जहां कर्मकांड स्थल पर जाकर कानून मंत्री ने घटना वाले दिन की पूरी जानकारी ली और पीड़ित परिवार को हर संभव मदद किए जाने का आश्वासन दिया।

हरिओम के पिता की याद्दाश्त कमजोर और मां को नहीं आती नींद- गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी के ड्राइवर हरिओम मिश्रा के माता-पिता भी अत्यंत कमजोर हो चुके हैं। बेटे की मौत ने उन्हें जैसे तोड़ कर रख दिया है। दोनों के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर स्वास्थ्य विभाग ने फरधान के गांव शंकरपुर परसेहरा में स्वास्थ विभाग की टीम भेजी जो उनके माता-पिता का स्वास्थ्य परीक्षण कर सके इस टीम में जिला अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन डाक्टर राजकुमार के साथ मानसिक रोग विशेषज्ञ डाक्टर अखिलेश शुक्ला और उनके सहायक भी शामिल थे।

हमीपुर में अखिलेश बोले- महंगाई में बुझ गई भाजपा के उज्जवला चूल्हे की आग

कानपुर । सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए भाजपा ने महंगाई बढ़ाई है। महिलाओं के सम्मान और नौजवानों को रोजगार दिलाने के लिए सपा विजय यात्रा निकली रही है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड ने भाजपा को भारी जीत दिलाई थी लेकिन जनता को धोखा मिला है। किसान अभी मात्र एक फसल ही ले रहा है और अबतक उनकी आय दोगुनी नहीं हुई है। पेट्रोल के दाम 102 रुपये प्रति लीटर पहुंच गए हैं, वहीं उज्जवला के नाम पर दी गई गैस महंगाई के चलते बुझ गई है। कहा, भविष्य में सपा गरीबों को 300 यूनिट बिजली फ्री देगी और किसानों को मुफ्त सिंचाई का इंतजाम करेगी।

कानपुर से समाजवादी विजय रथ लेकर निकले सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बुधवार को हमीरपुर से जालौन और कानपुर देहात की यात्रा के लिए निकल चुके हैं। डाग बंगले से निकलने के बाद अमन शहीद चौराहे के पास रथ के ऊपर खड़े अखिलेश यादव ने हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन किया और कार्यकर्ताओं ने फूल माला से स्वागत किया। कार्यकर्ताओं की भीड़ नारे लगाते हुए रथ के साथ बढ़ रही है। दोपहर को जालौन जिले की सीमा पहुंचे। यहां पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने अखिलेश का जोरदार स्वागत किया। कार्यकताओं और आम लोगों की भीड़ देख गदगद हुए अखिलेश ने कहा यह ऐतिहासिक भीड़ बता रही है कि आने वाला समय सपा का है। यहां से कालपी के लिए रवाना हुए हैं, ठक्कर बापा इंटर कालेज में वह जनसभा को संबोधित करेंगे।

उद्योग नगरी कानपुर के जाजमऊ पुल से उन्होंने मंगलवार को विजय रथ यात्रा की शुरुआत की थी, जिसे नोटबंदी के समय कानपुर देहात के झींझक में जन्मे खंजाची नाथ ने पार्टी का झंडा दिखाकर रवाना किया था। इस यात्रा के जरिये विधानसभा चुनाव 2022 के लिए चुनावी बिगूल फूंकने वाले सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा था प्रदेश में जब-जब समाजवादी पार्टी ने विजय यात्रा निकाली है, तब-तब प्रदेश में परिवर्तन आया है। रथयात्रा के माध्यम से किसानों, बुजुर्गों का आशीर्वाद ले रहे हैं।

आज यहां रहेगी विजय रथ यात्रा

बुधवार की सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव विजय रथ लेकर हमीरपुर से निकल पड़े हैं। अब रथ यात्रा जालौन होते हुए कानपुर देहात पहुंचेगी। हमीरपुर के कुरारा में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जनसभा को संबोधित करेंगे, इसके बाद जालौन के कालपी स्थित ठक्कर बापा इंटर कालेज में दोपहर दो बजे जनसभा करेंगे।

इसके पूर्व वह कदौरा में भी रथ के साथ रुकेंगे। यहां से कानपुर देहात के भोगनीपुर की सीमा में प्रवेश करेंगे। यहां माती में अमूल डेयरी प्लांट के सामने मैदान में मध्याह्न तीन बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद सर्किट हाउस में वह रात्रि विश्राम करेंगे और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे।

वीडियो कालिंग से किया सपा कार्यालय का उद्घाटन- कानपुर के घाटमपुर सीमा से हमीरपुर में मंगलवार शाम अखिलेश की विजय रथ यात्रा ने प्रवेश किया था, वह इस समय डाक बंगले में ठहरे हुए हैं। रात में उनकी एक झलक पाने के लिए सैकड़ों कार्यकर्ता डाक बंगले पहुंचे और देर रात तक डटे रहे। पहले कार्यर्ताओं को उम्मीद थी कि वह पार्टी कार्यालय का शुभारंभ करने आ सकते हैं लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी।

हालांकि अखिलेश ने कार्यकर्ताओं की निराशा दूर करते हुए वीडियो कालिंग से बात की और वर्चुअली पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया। जिलाध्यक्ष राजबहादुर पाल ने बताया कि सपा कार्यालय का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री ने वीडियो कालिंग के माध्यम कर दिया।

मतांतरित ग्रामीण के शव दफन से उठने लगे विरोध के स्वर

कोंडागांव। जिला अंतर्गत ग्राम जैतपुरी निवासी मतांतरिक परिवार को पिता की मौत के पश्चात शव दफन करने के बाद ग्रामीणों की विरोध का सामना करना पड़ रहा, जैतपुरी निवासी मंगलदास 65 की सोमवार को निधन हुई। मौत के पश्चात परिजनों ने विरोध के भय से मृतक के शव को अपने खेत में दफना दिया। शव दफन करने के बाद दूसरे दिन गांव में विरोध के स्वर उठने लगे। मंगलवार को मृतक के घर में गांव के सभी ग्रामीण एकत्रित हुए और दफनाए हुए शव को अन्य जगह ले जाकर दफनाने की बात कहने लगे, शव दफनाने को लेकर उत्पन्न विवाद के मद्देनजर पुलिस व राजस्व अमला गांव में पहुंच परिजनों व ग्रामीणों को समझाइश देते स्थिति को नियंत्रित करने में जुटा है। पुत्री शांति कुलदीप के मुताबिक मेरे पिताजी की सोमवार 3-30 बजे मौत हुई। गांव वाले पहले कुछ नहीं बोले। शव को हमारे खेत में दफनाने के बाद अभी शव को निकालने के लिए कह रहे हैं। हम नहीं निकालना चाहते। पुत्र अजय कुलदीप के मुताबिक पिताजी की सोमवार को मौत के बाद मंगलवार सुबह 11 बजे हमारे जमीन में शव को दफनाया था। हमने गांव वालों को बताया पिताजी चर्च नहीं जा रहे हैं हम लोग जा रहे हैं। मगर, आज सब लोग शव को निकालने के लिए कह रहे हैं। पिताजी के दफनाए शव को अभी मैं नहीं निकाल पाऊंगा, यदि निकालना चाहते हैं तो निकाल कर स्थाई जगह पर रखें। मैं नहीं निकाल सकता। ग्राम पटेल सत्तू राम के मुताबिक परिवार ने ग्रामीणों को बिना पूछे अपने ही खेत में मृतक के शव को दफनाया है।

अंकित दास गिरफ्तार, घर पर नोटिस चस्पा होने के बाद एसआइटी के सामने किया सेरेंडर

लखनऊ । लखीमपुर खीरा कांड में आरोपित पूर्व केंद्रीय मंत्री अखिलेश दास के भतीजे अंकित दास के लखनऊ के सदर पुराना किला स्थित आवास पर एसआइटी ने सफीना नोटिस चस्पा किया था। एसआइटी ने अंकित दास को बुधवार को लखीमपुर स्थित क्राइम ब्रांच के दफ्तर में बयान दर्ज कराने का आदेश दिया है। इस बीच अंकित दास लखीमपुर खीरी पहुंचें। उन्होंने एसआइटी के सामने सेरेंडर किया। जिसके बाद उन्हें और उनके ड्राइवर लतीफ को गिरफ्तार कर लिया गया। उनसे पुलिस लाइन स्थित क्राइम ब्रांच के दफ्तर में पूछताछ की जा रही है। एसआइटी उनके ड्राइवर लतीफ से भी पूछताछ कर रही है। लखीमपुर हिंसा में अब तक मंत्री पुत्र आशीष मिश्रा मोनू के बाद उसके मित्र अंकित दास के ड्राइवर शेखर भारती को एसआइटी ने मंगलवार को गिरफ्तार किया था। इसके अलावा केस में किसानों ने आशीष मिश्रा मोनू के साथ अज्ञात 15 लोगों को नामजद किया है। सुबह करीब 10:15 बजे लखनऊ के कांटेक्टर अंकित दास कई वकीलों के साथ लखीमपुर पहुंचे और पुलिस लाइन में एसआईटी के सामने पेश हुए। कुछ देर के बाद उन्हें खीरी कांड में आरोपी मानते हुए एसआईटी ने गिरफ्तार कर लिया। एसआईटी करीब 4 घंटे से अंकित दास से पूछताछ कर रही है माना जा रहा है कि लंच के बाद अंकित दास को सीजेएम की अदालत में पेश किया जाएगा। लखीमपुर खीरी कांड में वायरल हुए कई वीडियो में अंदेशा जताया जा रहा था कि उस काफिले में अंकित दास भी मौजूद थे जिसने इस घटना में किसानों को रौंदा जिसके बाद उनकी तलाश एसआईटी सरगर्मी से कर रही थी। शुरुआती पूछताछ में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा का सहयोगी इनको बताया जा रहा है।

उधर एक दिन पहले अदालत में पेश किए गए अंकित दास के ड्राइवर शेखर भारती को अभियोजन पक्ष ने पुलिस रिमांड पर लेने की अर्जी सीजेएम की अदालत में दाखिल की है जिस पर दोनों पक्षों की ओर से बहस की जा चुकी है सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद सीजेएम ने फैसला सुरक्षित कर लिया है कुछ देर बाद यह फैसला सुनाया जाएगा कि अंकित दास के ड्राइवर से पूछताछ के लिए अदालत ने कितने दिनों की रिमांड मंजूर की है कुल मिलाकर लखीमपुर खीरी कांड में अब तक केंद्रीय मंत्री के बेटे आशीष मिश्र मोनू समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और इस मामले में करीब आधा दर्जन और लोगों की गिरफ्तारी होना बाकी है।

लखीमपुर कांड में मारे गए चार किसानों के मामले में अंकित के खिलाफ साजिश, हत्या, गैर इरादतन हत्या, बलवा समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है। मामले में अंकित के कार चालक शेखर को एसआइटी ने पलिया बस स्टैंड से मंगलवार को गिरफ्तार किया था। बताया जा रहा है कि वह नेपाल भागने की फिराक में था। एसआइटी ने शेखर को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। वहीं, मामले में अंकित दास फरार चल रहे हैं।

खीरी कांड में आरोपित अंकित दास और लतीफ ने न्यायालय में आत्मसमपर्ण की अर्जी डाली थी। कोर्ट ने इस मामले में थाना तिकुनिया से रिपोर्ट भी तलब की है और वहीं अर्जी पर सुनवाई की तारीख 14 अक्टूबर तय की है।

अंकित दास के घर पर मिले सिर्फ सुरक्षा कर्मी- अंकित दास के घर पर सफीना नोटिस चस्पा होने के बाद बुधवार को उनके घर पर सन्नाटा छाया रहा। वहां सिर्फ सुरक्षा कर्मी और चालक के अलावा कोई नहीं था। इसके उनके सुरक्षा कर्मियों ने बताया कि घर पर कोई नहीं है। ताला लगा है। घर के लोग कहां हैं इस बारे में भी उन्होंने कुछ जानकारी नहीं दी। वहीं, पूरे मोहल्ले में सन्नाटा पसरा रहा। आस पड़ोस के लोग छतों से नगर रखे थें।

नीति आयोग की देश के अति पिछड़े जिलों की डेल्टा रैंकिंग में यूपी के सात जिलों को मिली टाप 10 में जगह

लखनऊ। नीति आयोग ने जुलाई और अगस्त 2021 के सर्वे के आधार पर देश के अति पिछड़े 112 जिलों की डेल्टा रैंकिंग जारी कर दी है। नीति आयोग की तरफ से जारी जुलाई और अगस्त 2021 डेल्टा रिपोर्ट में देश के आकांक्षात्मक जिलों की सूची में उत्तर प्रदेश के आठ जिलों में से सात जिलों ने टाप 10 में स्थान बनाया है। ये जिले सिद्धार्थनगर, बहराइच, सोनभद्र, श्रावस्ती, फतेहपुर, चित्रकूट, चंदौली हैं।

फतेहपुर ने नीति आयोग के निर्धारित मानकों पर कार्य करते हुए पूरे देश में विकास के क्षेत्र में दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं तीसरे स्थान पर सिद्धार्थनगर, चौथे पर सोनभद्र, पांचवें पर चित्रकूट, सातवें पर बहराइच, आठवें पर श्रावस्ती और नौवें पर चंदौली ने स्थान बनाया है।

विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त बजट - उत्तर प्रदेश के आठ आकांक्षात्मक जिलों में चित्रकूट और चित्रकूट ने नीति आयोग के मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। नीति आयोग ने इन जिलों को विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त बजट आवंटित किया है। नीति आयोग की ओवरआल डेल्टा रैंकिंग में चित्रकूट ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण सहित अनेक मानकों पर देश में पांचवा स्थान हासिल किया है। डेल्टा रैंकिंग द्वारा छह विकासात्मक क्षेत्र स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेश, कौशल विकास और बुनियादी ढांचा विकास हैं, जिन्हें रैंकिंग के लिए ध्यान में रखा गया। आकांक्षी जिलों की रैंकिंग हर महीने जारी की जाती है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम जनवरी 2018 में शुरू किया गया। इसका उद्देश्य उन जिलों को आगे बढ़ाना है जिनमें महत्वपूर्ण सामाजिक क्षेत्रों में कम प्रगति देखी गई है और कम विकसित इलाके के तौर पर सामने आए हैं।

प्रेमिका को पटना के युवक ने कुछ ऐसे कर दिया मजबूर, जांच के बाद पुलिस अधिकारी भी हुए हैरान

दिघवारा (सारण)। दिघवारा थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव में गत दिनों एक विवाहिता के पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में मृतका के पिता ने ससुरालवालों पर दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। लेकिन अनुसंधान के क्रम में मामला प्रेम संबंध से जुड़ा निकला। प्रेमी ने ही उसे आत्महत्या के लिए उकसाया था। इसका पुख्ता सबूत मिलने के बाद पुलिस ने मृतका के प्रेमी पटना जिले के प्रवीण उर्फ पवन को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने महिला को आत्महत्या के लिए उकसाया था। गिरफ्तार युवक रिश्ते में मृतका के बहनोई का ममेरा भाई है। बता दें कि 19 अगस्त को ने आत्महत्या कर ली थी। फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी थी। इस मामले में मृतका के पिता पटना जिला के शाहपुर निवासी ने पुत्री की दहेज के लिए हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि दहेज में और पैसे मांगने का दबाव ससुरालवाले दे रहे थे। नहीं देने पर उसकी हत्या कर दी गई। इस मामले में अपने दामाद ब्रजेश साह, सास धर्मशीला देवी, ससुर गोपाल साह, ननद गुड़यि देवी आदि को आरोपित किया था। इस मामले में अलग-अलग धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

थानाध्यक्ष शोएब आलम ने बताया कि उस मामले में अनुसंधान के क्रम में कुछ और ही कहानी सामने आई। मृतका का प्रेम संबंध पटना जिले के आलमगंज थाने के माखनपुर ईदगाह रोड निवासी कैलाश प्रसाद के पुत्र प्रवीण कुमार उर्फ पवन कुमार के साथ था। शादी से पहले दोनों एक बार फरार भी हो गए थे। वह प्रेमिका का दूर का रिश्तेदार भी था।

ललितपुर में शर्मनाक वारदात, छह वर्षों तक किशोरी से होता रहा दुष्कर्म; सपा व बसपा जिलाध्यक्ष समेत 28 के खिलाफ एफआइआर

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में बहुत ही शर्मनाक वारदात हुई है। एक किशोरी से छह वर्षों तक दुष्कर्म किया जाता रहा। पिता-पुत्री के रिश्ते को कलंकित करने वाला शर्मनाक मामला सामने आया है। छठी कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग लड़की को उसके पिता ने ही अपनी हवस का शिकार बना डाला और फिर उसे सफेदपोश लोगों को परोस दिया। घटना सामने आने के बाद पीड़िता ने जो आपबीती सुनाई वह झकझोरने वाली है। सफेदपोश लोगों में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी नेताओं के नाम उजागर होने से जिले की राजनीति में भी खलबली मच गई है।

पीड़ित किशोरी ने अपने पिता, चाचा, ताऊ और सपा व बसपा के जिलाध्यक्ष के अलावा शहर के संभ्रांत लोगों पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस मामले में पिता, चाचा, ताऊ के अलावा जिले के सपा व बसपा के नेताओं पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कुल 28 लोगों पर मुकदमा लिखा गया है, जिनमें 25 नामजद हैं। इनमें नौ परिवार के लोग हैं। 17 वर्षीय किशोरी ने पुलिस से शिकायत की है कि उसके साथ सबसे पहले दुष्कर्म तब हुआ जब वह कक्षा छह में पढ़ती थी। इसके बाद यह सिलसिला शुरू हो गया।

ऐसे उजागर हुआ मामला - पीड़िता के मुताबिक पहले उसने इस मामले को महिला थाने में रखा था, जहां सुनवाई न होने उसने चाइल्ड केयर में लिखित शिकायत भेजी। इसके बाद पुलिस हरकत में आई, लेकिन मामला हाई प्रोफाइल लोगों से जुड़े होने के कारण वह खुद को असुरक्षित महसूस कर रही थी। जब पुलिस अधीक्षक ने पीड़िता से मिलकर सुरक्षा का भरोसा दिलाया, फिर पीड़िता ने पुलिस को तहरीर सौंपी। उसकी आपबीती सुनकर सभी हक्के-बक्के रह गए।

पिता ने ही किया बुरा काम - पीड़िता का कहना है कि उसकी उम्र 17 वर्ष है। उसने बताया कि जब वह कक्षा छह में पढ़ती थी तह उसके पिता ने गंदा काम किया। पिता ने उसे अपना मोबाइल फोन दिया, जिस पर गंदी वीडियो थी, तो उसने फोन वापस कर दिया। अगले दिन रात पिता ने नए कपड़े लाए और मोटरसाइकिल सिखाने के बहाने उसे खेतों में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस बारे में मां को कुछ बताने पर जान से मारने की धमकी दी गई, जिससे वह डर गई।

फिर रोज शुरू हो गया घिनौना काम - पीड़िता के अनुसार पिता उसे लेने अचानक एक दिन स्कूल आ गए और कहा कि जहां बोलूंगा, वहां जाना। उसे स्टेशन के पास एक होटल में ले गए। वहां एक औरत बाहर खड़ी मिली, जो उसे अंदर ले गई। वहां एक अनजान आदमी आया और वह बेहोश हो गई। होश में आई तो उसके कपड़े, जूते बिखरे पड़े थे, उसे पेट में बहुत दर्द हो रहा था। इसके बाद यह रोज होने लगा। उसे पिता स्कूल से ले जाते, उसे जाना पड़ता। उसके साथ अमानवीय तरीके से दुष्कर्म होने लगा। यह सब बहुत दिनों तक चला।

सपा जिलाध्यक्ष पर लगाया आरोप - पीड़िका के अनुसार एक दिन तिलक यादव आया, जिसने उसके साथ बेरहमी से दुष्कर्म किया। इसी तरह राजेन्द्र अग्रवाल, तिलक यादव के अलावा राज यादव. महेन्द्र यादव. अरविन्द यादव, प्रबोध तिवारी, सोनू समैया, राजेश जैन झोझिया, महेंन्द्र दुबे, नीरज तिवारी, महेन्द्र सिंघई, दीपक अहिरवार और कोमलकान्त सिंघई आदि उसकी अस्मत से खेलते रहे। पीड़िता के अनुसार पप्पू अग्रवाल, मुन्ना अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, महक अग्रवाल, श्यामा अग्रवाल, बंटी अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, शरद अग्रवाल ये सब इसमें मिले हुए हैं। इन सबकी मेन दलाल श्यामा अग्रवाल बड़ी ताई हैं। पीड़िता ने अपनी तहरीर में लिखा है कि यदि उसकी सुनवाई नहीं हुई तो वह आत्महत्या कर लेगी और इसके जिम्मेदार थाना निरीक्षक होंगे।

उप चुनाव में इस दफा भाजपा लहरा सकती है परचम

भोपाल (एजेंसी)।

प्रदेश में आगामी 30 अक्टूबर को होने वाले एक लोकसभा सीट और तीन विधानसभा सीटों पर भाजपा जीत का परचम लहरा सकती है। बताया जा रहा है कि इसके पीछे जो वजह सामने आ रही हैं उनमें दमोह विधानसभा चुनाव में मिली हार से सबक लेकर अपनाई जा रही प्रचार की रणनीति, कांग्रेस की अंतर्कलह और आक्रामकता में कमी और प्रदेश सरकार द्वारा जनता के हित में लिये जा रहे ताबड़तोड़ फैसलों से बना जनमानस प्रमुख है।

बात करें खंडवा लोकसभा सीट की तो यहां पार्टी ने नए चेहरे को मैदान में उतारकर उन बातों पर विराम लगा दिया है जिसमें कहा जा रहा था कि वंशवाद के चलते पूर्व सांसद नंदू भैया (पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नंदकुमार सिंह चौहान) के पुत्र हर्षवर्धन को टिकट दिया जाएगा और वह मुख्यमंत्री की पहली पंसद भी हैं। भाजपा ने लोकसभा के लिए ज्ञानेश्वर पाटिल को मैदान में उतारकर विरोधियों को करारा जवाब दिया है। इसके अलावा क्षेत्र में भाजपा के प्रति जनता का रूझान और पिछली दो बार से भाजपा प्रत्याशी की जीत इस बात को इंगित करती है कि एक बार फिर खंडवा में भाजपा को सफलता मिल सकती है। क्षेत्र में चर्चा है कि यहां से कांग्रेस के कद्दावर नेता अरुण यादव का चुनाव नहीं लड़ना भाजपा की जीत में सहायक होगा।

तीनों विधानसभा सीटों में सबसे पहले अलीराजपर की आदिवासी बहुल जोबट विधानसभा उपचुनाव से शुरू करें तो यहां भाजपा ने कांग्रेस से पार्टी में आई सुलोचना रावत को टिकट दिया है। बताया जा रहा है कि इस कदम से कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगी है। साथ ही पिछले दिनों आदिवासी वर्ग के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह द्वारा की गई घोषणा से भी यह वर्ग प्रभावित लगता है। इसके पूर्व 17 सितंबर को शंकर शाह और रघुनाथ शाह का जबलपुर में कार्यक्रम कर भी इस वर्ग को साधने का प्रयास किया गया है। रैगांव सीट पर भाजपा ने अपने दिवंगत नेता स्वर्गीय जुगल किशोर बागरी के घर से बाहर जाकर प्रतिमा बागरी को प्रत्याशी बनाया है। यहां भी भाजपा ने वंशवाद को दरकिनार किया है। क्षेत्र में बागरी समुदाय का अच्छा वर्चस्व है। बुधवार को नाम वापसी के अंतिम दिन जुगल किशोर बागरी के नाराज बेटे पुष्पराज और बहू वंदना बागरी को मनाने में भाजपा सफल रही है। दोनों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। पृथ्वीपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस ने पूर्व विधायक स्व. बृजेंद सिंह राठौर के पुत्र नितेंद्र सिंह को मैदान में उतारा है। कांग्रेस को उम्मीद है कि उसे सहानुभूति लहर का फायदा मिलेगा। भाजपा ने यहां सपा से पिछली बार चुनाव लड़े शिशु पाल सिंह यादव को टिकट दिया है। पिछले चुनाव में शिशु पाल सिंह यहां दूसरे नंबर पर रहे थे। चर्चा है कि यह वोट अब भाजपा को ट्रांसफर हो सकते हैं। बृजेंद सिंह राठौर यहां से पांच बार विधायक रहे हैं। कहा जा रहा है कि क्षेत्र की जनता भी इस बार बदलाव के मूड में है । संभावना है कि भाजपा को इसका भी फायदा मिलेगा । इन उपचुनावों में दमोह से सबक लेकर भाजपा विजयश्री पाने के लिए पूरा जोर लगा रही है। भाजपा की झोली में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की साफ, कर्मठ छवि का ट्रंप कार्ड भी है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की मैदान से गैरहाजिरी भी मुकाबले को एकतरफा बना रही है।

ज्ञानेश्वर पाटिल

सुलोचना रावत

प्रतिमा बागरी

शिशुपाल सिंह यादव

राजनारायण सिंह पुरनी

महेश पटेल

कल्पना वर्मा

नीतेंद्र सिंह राठौर

इनके बीच होगा मुख्य मुकाबला

चुनावी क्षेत्र	भाजपा प्रत्याशी	कांग्रेस प्रत्याशी
खंडवा लोकसभा	ज्ञानेश्वर पाटिल	राजनारायण सिंह
जोबट विधानसभा	श्रीमती सुलोचना रावत	महेश पटेल
पृथ्वीपुर विधानसभा	डॉ. शिशुपाल सिंह यादव	नितेंद्र सिंह राठौर
रैगांव विधानसभा	श्रीमती प्रतिमा बागरी	श्रीमती कल्पना वर्मा

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल पटेल से मिले मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल । राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को राजभवन में सौजन्य भेंट की। उन्होंने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण समारोह के संबंध में राज्यपाल के साथ चर्चा की। वहीं शपथ ग्रहण के पश्चात सीएम हाउस में आयोजित दोपहर भोज का आमंत्रण दिया।

लाड़लियों को आज संबोधित करेंगे शिवराज सिंह

भोपाल । प्रदेश में 14 अक्टूबर को राज्य स्तरीय लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल के मिंटो हॉल में दोपहर 3:00 बजे प्रदेश की लाड़ली लक्ष्मियों को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में लगभग 40 लाख लाड़ली लक्ष्मी और बेटियों को वर्चुअली जोड़ा जाएगा। प्रदेश की प्रत्येक आंगनबाड़ी एवं पंचायत भवनों में वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित होगा और बालिकाएं जुड़ेंगी। कार्यक्रम को वेबकास्ट लिंक दूरदर्शन, आकाशवाणी, जनसंपर्क के ट्विटर, फेसबुक पर लाइव तथा महिला बाल विकास विभाग के सभी सोशल मीडिया और यूट्यूब पर प्रसारित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रदेश की 21,550 लाड़लियों को 05 करोड़ 99 लाख की छात्रवृत्ति का ऑनलाइन अंतरण करेंगे।

शिवराज सिंह और कमलनाथ ने की डॉ. मनमोहन सिंह के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्वीट के माध्यम से कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह जी के अस्वस्थ होने का समाचार प्राप्त हुआ। मैं ईश्वर से शीघ्र उनके पूर्णत: स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। वहीं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने डॉ.मनमोहन सिंह के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। श्री कमलनाथ ने ट्वीट के माध्यम से कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के अस्वस्थ होने की जानकारी मिली है। मैं ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

पीएम गति शक्ति योजना से विकास को लगेंगे पंख

भोपाल । प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना देश के प्रति पीएम मोदी की सोच की झलक दिखाती है, इसके पूरा होने पर यह देश के विकास को पंख लगा देगी साथ ही विश्व में एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में भारत को स्थापित करेगी। केंद्र सरकार के 16 विभागों के संयोजन से तैयार की गई यह परियोजना देशवासियों के जीवन को आसान और देश को व्यापार का स्वर्ग बनाएगी। यह बात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने प्रधानमंत्री गति.शक्ति परियोजना के शुभारंभ पर प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार जताते हुए कही। 107 लाख करोड़ की लागत वाली प्रधानमंत्री गति.शक्ति परियोजना को देश का कायाकल्प करने वाली बताते हुए विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि यह परियोजना देश को आत्मनिर्भरता और विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ाएगी, साथ ही देश में तेज विकास के लिए जरूरी अधोसंरचना और लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराएगी। श्री शर्मा ने कहा कि गति.शक्ति परियोजना यह बताती है कि देश के कायाकल्प की सोच रखने वाली किसी सरकार का देश का विकास के प्रति नजरिया कैसा होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आजादी के बाद के 70 सालों में किसी नेता या सरकार में यह दृष्टि दिखाई नहीं दी। श्री शर्मा ने आशा जताई कि यह परियोजना देशवासियों के जीवन को आसान और देश को व्यापार का स्वर्ग बनाएगी।

केके मिश्रा खंडवा में सभालेंगे मीडिया की कमान

भोपाल । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री व मीडिया प्रभारी केके मिश्रा को खंडवा लोकसभा संसदीय उपचुनाव में मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा है। प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री प्रशासन प्रभारी राजीव सिंह ने जानकारी दी है कि श्री मिश्रा शीघ्र ही खंडवा संसदीय क्षेत्र पहुंचकर निर्वाचन अवधि तक वहां रहकर भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ और कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी राजनारायण सिंह पुर्णी को विजयीश्री दिलाने मतदाताओं और मीडिया के समक्ष अपनी बात रखकर कांग्रेस पार्टी का पक्ष मजबूत करेंगे।

भाजयुमो ने किया प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन

भोपाल । पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के ऊपर की गई अभद्र टिप्पणी और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा ने प्रदेश के 57 संगठनात्मक जिलों में विरोध प्रदर्शन किया एवं युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार के आह्वान पर मोर्चा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह कमलनाथ के पुतले फूंके और नारेबाजी की। वैभव पवार ने कमलनाथ के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि कमलनाथ अपने पद की गरिमा और मर्यादा भूलकर संस्कार विहीन हो गए हैं। उम्र के साथ इनकी यादाश्त भी कम हो गई है, क्योंकि ये मंच पर नेताओं के नाम भी भूल जाते हैं।श्री पवार ने कहा कि अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी करने की आदत कांग्रेस और उनके नेताओं की बन गई है। इनका पतन होना निश्चित है। भोपाल में एमपी नगर स्थित बोर्ड ऑफिस चौराहा पर भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और कमलनाथ का पुतला फूंका। विरोध प्रदर्शन में युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजीत चौहान, मीडिया प्रभारी अंकित गर्ग, अभिनव पांडे, जिला अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, जिला महामंत्री सुनील पांडे सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने सफलता के मंत्र कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा

सिविल सेवाएं राष्ट्र निर्माण का माध्यम

मध्यप्रदेश सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हरसंभव सुविधाएं उपलब्ध करवाएगी

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विद्यार्थी कठोर परिश्रम, आत्म-विश्वास, एकाग्रता, मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयासों से बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। मप्र के विद्यार्थियों ने इस वर्ष लगभग दोगुनी संख्या में यूपीएससी की मुख्य परीक्षा में चयनित होकर यह सिद्ध कर दिया है। मप्र सरकार विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हरसंभव सुविधाएं उपलब्ध करवाएगी।

मुख्यमंत्री चौहान बुधवार को मिंटो हॉल में सफलता के मंत्र कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत कन्या-पूजन से हुई। कार्यक्रम की विशेषता यह थी कि मंच पर सभी चयनित सफल विद्यार्थी आसीन थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे लंबी उड़ान भरें। उड़ने के लिए अनंत आसमान है। यूपीएससी जैसी परीक्षा में चयनित होना गर्व की बात है, लेकिन चयनित विद्यार्थियों को सेवा में आने के बाद ऐसे कार्य करने हैं कि वे सदैव याद रखे जाएं। आम जन के प्रति स्नेह हो और देश और प्रदेश के निर्माण में भरपूर योगदान भी दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिविल सर्विसेस धन कमाने का माध्यम नहीं बल्कि देश बनाने का तरीका सीखने और राष्ट्रसेवा का माध्यम है। आज भी बहुत से प्रशासक अपने कार्यों के लिए याद किए जाते हैं। सिविल सेवाएं इतिहास रचने का भी माध्यम बनती हैं।

बुधवार को भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सफलता के मंत्र कार्यक्रम में यूपीएससी में मध्यप्रदेश से चयनित युवाओं का शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद थे।

तीन किस्म के होते हैं अधिकारी

सीएम ने कहा कि सिविल सेवा और अन्य सेवाओं में तीन तरह के अधिकारी होते हैं। प्रथम जो रूटीन किस्म का कार्य करते हैं, दूसरे जो कार्य को अटकाने में विश्वास रखते हैं और तीसरे जो नियमों की परिधि में निर्णय भी लेते हैं और वांछित लक्ष्य की पूर्ति करते हुए कार्यों से हमेशा याद रखे जाते हैं। सीएम ने आईएएस स्व. एमएन बुच का स्मरण करते हुए उन्हें इस श्रेणी का अफसर बताया जिन्हें जनता हमेशा याद रखती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरतमंद को सुख दे सकें, सदैव ऐसे प्रयास किए जाएं। चौहान ने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को जरूरी बताया। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि यदि सड़क खोदी जाती है तो केबिल बिछाने वाला विभाग अलग होता है, पाइप लाइन सुधारने वाला विभाग अलग और वापस सड़क की मरम्मत करने वाला विभाग अलग। यदि इनमें तालमेल नहीं है तो जनता को कष्ट होता है। इसलिए सिविल सर्विसेस में सकारात्मक एप्रोच की आवश्यकता होती है।

मप्र सरकार ने बनाई विद्यार्थी कल्याण की योजनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र सरकार ने विद्यार्थियों के कैरियर निर्माण के लिए अनेक योजनाएं बनाई हैं। मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना के माध्यम से मेडिकल और इंजीनियरिंग की शिक्षा के साथ ही आईआईटी और आईआईएम के लिए चुने गए विद्यार्थियों की फ ीस भरने का कार्य किया है। इसके अलावा छात्रावास उपलब्ध न होने पर विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री छात्र गृह योजना में कमरे के किराये की राशि का भुगतान करवाया गया। सीएम ने कहा कि उन्हें संघ लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा में इस वर्ष प्रदेश के 39 विद्यार्थियों के चयन की जानकारी जब प्राप्त हुई तो इन विद्यार्थियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे सभी विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी।

मामा का अर्थ समझाया बच्चों को

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को अपने प्रचलित संबोधन मामा के नए अर्थ से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे जब कहीं भी भ्रमण पर जाते हैं तो बच्चे उन्हें मामा कहते हैं और उस समय उन्हें यह अनुभूति होती है कि वे बच्चों को दो मां के बराबर स्नेह देते हुए मा-मा का दायित्व निभा रहे हैं। इसके अलावा मामा का अर्थ है एम से मैंटर अर्थात दिशा दिखाने वाला, ए से एवेलेबिल अर्थात आपके लिए सदैव उपलब्ध, एम से मोबिलाइजर अर्थात सभी सुविधाएं दिलवाने वाला और ए से एफिनिटी अर्थात स्नेह करने वाला। मुख्यमंत्री से ये शब्द सुनकर विद्यार्थी बहुत रोमांचित और उत्साहित हो गए।

शाल-श्रीफल से किया सम्मानित

मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से संघ लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को शाल-श्रीफल से सम्मानित किया। मिंटो हाल सभा-कक्ष में महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के साथ ही विद्यालयों के कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थी भी उपस्थित थे, जिन्हें आने वाले वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होना है। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों की सफलता पर केंद्रित लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। चौहान ने जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तिका मप्र की प्रतिभाओं का परचम का विमोचन किया। पुस्तिका के डिजिटल संस्करण का भी विमोचन किया गया।

चयनित युवाओं ने बताए सफलता के राज

कार्यक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में चयनित युवाओं ने अध्ययन के लिए किए गए परिश्रम और सामने आई दिक्कतों के अनुभव भी सुनाए। भोपाल की सुश्री जागृति अवस्थी ने कहा कि उन्होंने सिलेबस को केंद्र में रखा, रिवीजन पर पूरा ध्यान दिया। स्वामी विवेकानंद के कथन से प्रेरणा प्राप्त की। आलीराजपुर की सुश्री राधिका गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र सेवा के भाव से वे परीक्षा में शामिल हुईं। आम जनता की सेवा के लिए अलग-अलग मार्ग हो सकते हैं लेकिन लक्ष्य एक ही है जन-सेवा। महिदपुर के ऋषभ रूनवाल ने कहा कि हमें समाधान का पार्ट बनना है। इसके लिए इस सेवा का चयन किया। खरगोन की सुश्री निमिषी त्रिपाठी ने कहा कि कर्म से दूर नहीं रहना है। जीवन में सफलता के लिए प्रेरणा बहुत मददगार होती है।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पायलट प्रोजेक्ट समय सीमा में पूरे करें

राज्य सड़क सुरक्षा क्रियान्वयन समिति की बैठक में एसीएस राजौरा ने दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। अपर मुख्य सचिव गृह डॉ.राजेश राजौरा ने राज्य सड़क सुरक्षा क्रियान्वयन समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पायलेट प्रोजेक्ट की समस्त कार्यवाही को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में सामुदायिक भागीदारी सड़क सुरक्षा परियोजना सीपीआरएसपी के इंदौर,धार और दतिया में पायलेट प्रोजेक्ट के समयावधि में क्रियान्वयन और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये निर्देश दिए गए।

एसीएस डॉ. राजौरा ने कम्युनिटी पार्टीसिपेटरी रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट को इंदौर, धार और दतिया में बेहतर ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं की रोकथाम से मृत्यु दर में कमी लाने के लिए इंदौर, धार और दतिया में चलाये जाने वाले एक वर्ष के पायलेट प्रोजेक्ट को बेहतर तरीके से संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जिलों को मॉडल डिस्ट्रिक्ट बनाएं। डॉ.राजौरा ने एडीजी पीटीआरआई जी.जनार्दन को इन जिलों को अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में एसीएस परिवहन मिश्रा ने चिन्हांकित समस्त ब्लैक स्पॉट्स वाले क्षेत्रों में सड़कों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने की आवश्यकता जताई। बैठक में प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन संबंधी जानकारी मप्र सड़क विकास प्राधिकरण की सीईओ सुश्री तन्वी सुंदरियाल ने पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन से दी। उन्होंने बताया कि पायलेट प्रोजेक्ट को 10 माह की समयावधि में पूर्ण करना है। पायलेट प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग, एन्फ ोर्समेंट, हेल्थ और अवेयरनेस पर केंद्रित है। इनका सही प्रकार से क्रियान्वयन होने पर दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकेगी।

सड़कों के संधारण और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर रखें कड़ी नजर

लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने वरिष्ठ अफसरों को दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने सड़कों के संधारण सहित अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर कड़ी नजर रखने के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा है कि वर्षाकाल के बाद निर्माण गतिविधियों में तेजी लाने की आवश्यकता है। वरिष्ठ अधिकारी निर्धारित रोस्टर के अनुसार स्थल निरीक्षण करें और निरीक्षण प्रतिवेदन विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करें।

मंत्री श्री भार्गव ने कहा कि वर्षाकाल में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के संधारण कार्य पर विभाग द्वारा विशेष जोर दिया जाए। इसके तहत ऐसी सड़कें जो परफार्मेंस गारंटी में नहीं हैं, उनकी मरम्मत का कार्य तत्काल प्रभाव से प्रारंभ किया जाए तथा प्रतिदिन किए गए, पेच रिपेयरिंग वर्क की जानकारी पेच रिपेयर माड्यूल में आवश्यक रूप से दर्ज कराएं। परफार्मेंस गारंटी के अंतर्गत आने वाले मार्गों का निरीक्षण अधीक्षण यंत्री स्तर के अधिकारी करेंगे। संबंधित एजेंसी से सड़कों में हुई क्षति का संधारण कार्य एक माह के अंदर अनिवार्य रूप से कराना होगा।

प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग नीरज मण्डलोई ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तथा समय-सीमा में कार्य पूर्णता के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण आवश्यक है। इस संबंध में प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग द्वारा मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्रियों को निर्माण कार्यों पर नजर रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों में यह स्पष्ट किया गया है कि एक करोड़ से पांच करोड़ तक के कार्यों की समीक्षा अधीक्षण यंत्री तथा पांच करोड़ से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा प्रतिमाह मुख्य अभियंता द्वारा अनिवार्य रूप से की जाएगी तथा कार्य प्रगति से प्रमुख अभियंता को अवगत कराएंगे।

मैं 'नेकर' के संस्कार में ही पला बढ़ा हूं : वीडी शर्मा

भोपाल, (एजेंसी)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि उन्हें इस बात की प्रसन्नता है कि वे 'नेकर' के संस्कार में ही पले बढ़े हैं और उसे पहनकर ही बढ़े हुए हैं। श्री शर्मा ने बुधवार को यहां मीडिया से चर्चा के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ के 'नेकर' को लेकर दिए गए बयान के एक दिन अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि वे आज जहां हैं और भाजपा के संगठन ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है, वे उसी के अनुरूप कार्य कर रहे हैं। वे नेकर के ही संस्कारों में पले बढ़े हैं। उन्हें इस बात के लिए श्री कमलनाथ के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं हैं।

श्री शर्मा ने कहा कि न ही वे इस बात की परवाह करते हैं कि श्री कमलनाथ उन्हें पहचानें या नहीं पहचानें। उनका लक्ष्य भाजपा के विचारों के अनुरूप कार्य करना है और वे अपना कार्य कर रहे हैं। इसलिए भाजपा के कार्यकर्ता और राज्य की जनता उन्हें जानती है और यही उनके लिए संतोष की बात है। श्री शर्मा ने कहा कि श्री कमलनाथ 60 वर्ष से अधिक के हो गए हैं और शायद उम्र का असर है, इसलिए वे इस तरह की बात करते हैं।

अब 48 प्रत्याशी मैदान में

सीट	प्रत्याशी
खंडवा	16
रैगांव	16
जोबट	06
पृथ्वीपुर	10

भोपाल, (एजेंसी)। मप्र के खंडवा संसदीय और रैगांव, जोबट तथा पृथ्वीपुर विधानसभा उपचुनावों में बुधवार को नाम वापसी के अंतिम दिन कुल सात प्रत्याशियों ने नाम वापस लिए और अब 48 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार खंडवा में नामांकन-पत्रों की छानबीन के बाद 16 प्रत्याशी शेष थे और बुधवार को एक भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया। इस तरह वहां कुल 16 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

रैगांव में 19 उम्मीदवार थे और इनमें से तीन ने नाम वापस ले लिया। इनमें से दो भाजपा कार्यकर्ता पुष्पराज बागरी तथा श्रीमती वंदना बागरी भी शामिल हैं। इन दोनों ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना परचा दाखिल किया था। रैगांव में अब 16 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। जोबट सीट के लिए कुल 09 प्रत्याशी छानबीन के बाद शेष थे और तीन के नाम वापस लेने से अब 06 उम्मीदवार मैदान में हैं। पृथ्वीपुर सीट पर एक प्रत्याशी ने नाम वापस लिया है और अब वहां पर 10 प्रत्याशी शेष हैं। चारों सीटों पर कुल 61 प्रत्याशियों की ओर से नामांकनपत्र पेश किए गए थे, जिनमें से छानबीन के दौरान सोमवार को 06 के परचे खारिज किए गए और तब 55 प्रत्याशी शेष थे। नामवापसी के बाद अब 48 उम्मीदवार रह गए हैं।

प्रदेश में बिजली संकट नहीं आने देंगे : डॉ. मिश्रा

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में खाद का कोई संकट नहीं हैं, एक से दो दिनों में सभी जिलों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध हो जाएगी। इसको लेकर किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है।

श्री मिश्रा ने बुधवार को यहां मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रदेश में खाद का कोई संकट नहीं है। मंगलवार को खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खाद की उपलब्धता को लेकर समीक्षा बैठक की है। उनकी किसानों से अपील है कि खाद को लेकर घबराएं नहीं। कोयले की कमी से संभावित बिजली संकट को लेकर गृह मंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली संकट नहीं आने दिया जाएगा। प्रदेश में थर्मल पॉवर स्टेशनों में कोयले की कमी को लेकर सरकार अलर्ट है और कोयले की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की जांच के दायरे में आने वाले राष्ट्रविरोधी और संगठित प्रकरणों की सुनवाई अब भोपाल के साथ-साथ पांच अन्य जिलों में भी होगी। श्री मिश्रा ने कहा कि भोपाल के साथ जबलपुर, ग्वालियर, इंदौर और उज्जैन में आतंकी गतिविधियों और एसटीएफ से संबंधित अन्य प्रकरणों की सुनवाई हो सकेगी।

टॉपलेस होकर बालकनी में खड़ी हो गई ईशा गुप्ता

फिर दिए खूब ग्लैमरस पोज

घायल करती रहती हैं. उनकी एक हसीन झलक पाने के लिए लोग घायल रहते हैं. एक हसीना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की हैं, जो टॉपलेस होकर कमरे की बालकनी में जाकर खड़ी हो गईं और अपनी तस्वीरें खिंचवाई. यह फोटोज देख उनके फैंस मदहोश हो रहे हैं.

बोल्ड फोटोशूट

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता (Esha Gupta) ने हाल ही में बेहद हॉट फोटो शेयर की हैं. इन फोटोज में उनका ग्लैमरस अंदाज देख हर कोई हैरान है. उन्होंने बालकनी में खड़े होकर टॉपलेस फोटोशूट करवाया है और कहा है आज को प्यार करो और कल को प्यार करो. साल 2007 में मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतने वाली एक्ट्रेस ईशा गुप्ता (Esha Gupta) किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं.

एंजेलीना जोली पुकारते हैं लोग

ईशा (Esha Gupta) अक्सर अपनी बोल्ड तस्वीरों की वजह से सुर्खियों में छाई रहती हैं. सोशल मीडिया पर ईशा (Esha Gupta Photos) की तस्वीरें खूब सनसनी मचाती हैं. ईशा ने 'जन्नत 2' फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था. उसके बाद वह फिल्म राज 3 में नजर आई. ईशा के बोल्ड अवतार को देख महेश भट्ट ने तो उन्हें हिन्दुस्तान की एंजेलीना जोली (Angelina Jolie) की भी उपाधि दे दी थी.

हो चुकी हैं ट्रोल

आज ईशा (Esha Gupta) की खूबसूरती के चर्चे हर तरफ होते हैं लेकिन एक वक्त ऐसा भी था जब उनके सांवले रंग की वजह से उन्हें खूब सुनाया भी जाता था. एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब मैं बॉलीवुड में आई थी उस वक्त बॉलीवुड के कुछ स्टार्स जिनके साथ मैंने आज तक काम भी नहीं किया है उन्होंने कहा कि तू ना तेरा मेकअप थोड़ा काला किया है, थोड़ा गोरा किया कर.

ईशा गुप्ता की वेब सीरीज

वर्क फ्रंट की बात करें तो ईशा गुप्ता (Esha Gupta) टीवी सीरीज नकाब का हिस्सा बनी हैं. इसमें मल्लिका शेरावत भी उनके साथ नजर आई थीं. ईशा इस सीरीज में पुलिसकर्मी का रोल निभा रही थीं.

पाकिस्तान में क्यों ट्रेंड कर रही कंगना रनौत की फिल्म? क्वीन ने दिया मजेदार जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत (Kangana Ranaut) की फिल्म थलाइवी (Thalaivi) न सिर्फ भारत में बल्कि अन्य देशों में भी तहलका मचा रही है. जे. जयललिता (J.Jayalalithaa) की जिंदगी पर आधारित ये फिल्म माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर ट्रेंड कर रही है. दिलचस्प बात ये है कि फिल्म भारत के साथ-साथ पाकिस्तान में भी ट्विटर पर ट्रेंड कर रही है. हालांकि पाकिस्तान में फिल्म के ट्रेंड करने की वजह अलग है.

क्यों ट्रेंड कर रही हैं थलाइवी ?

पाकिस्तान में फिल्म की बुराई और निंदा करते हुए लोग ट्वीट कर रहे हैं जिसके चलते रविवार को ये फिल्म पाकिस्तान में भी ट्विटर पर ट्रेंड करने लगी. मालूम हो कि फिल्म को कुछ दिन तक थिएटर्स में चलाने के बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज कर दिया गया है. कंगना रनौत (Kangana Ranaut) ने इंस्टा स्टोरी पर पाकिस्तान में नेटफ्लिक्स की टॉप 10 फिल्मों की लिस्ट शेयर की जिसमें थलाइवी (Thalaivi) टॉप पर थी.

देशद्रोही सिर्फ भारत में नहीं

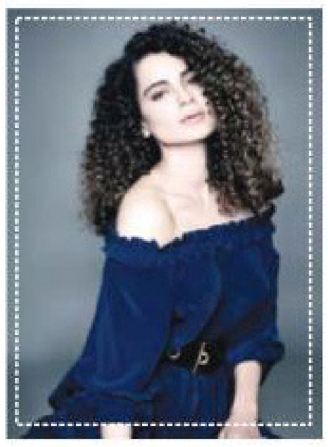

यही वजह थी कि ये फिल्म पाकिस्तान में भी ट्विटर पर ट्रेंड करने लग गई. कंगना रनौत (Kangana Ranaut) ने कुछ स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा, हंसी मजाक में कहें तो जानकर तसल्ली हुई कि देशद्रोही सिर्फ इसी देश में नहीं हैं. कंगना रनौत (Kangana Ranaut) ने फिल्म में तमिलनाडु की दिवंगत दिग्गज राजनेता जे.जयललिता (J.Jayalalithaa) का किरदार निभाया है.

जल्द इन फिल्मों में दिखेंगी कंगना

फिल्म में अरविंद स्वामी और नसार ने भी अहम किरदार निभाए हैं. ये एक मल्टीनेशनल बायोग्राफिकल फिल्म है जिसमें जयललिता (J.Jayalalithaa) की जिंदगी को बहुत खूबसूरती के साथ दिखाया गया है. वर्क फ्रंट की बात करें तो कंगना रनौत (Kangana Ranaut) की कुछ नई फिल्में जल्द ही रिलीज होने जा रही हैं. इनमें एक्ट्रेस की फिल्म तेजस (Tejas) और धाकड़ (Dhaakad) शामिल हैं.

शहजादी के अवतार में रैंप पर उतरीं मलाइका अरोड़ा, लहंगा-चोली पहनकर किया कैट वॉक

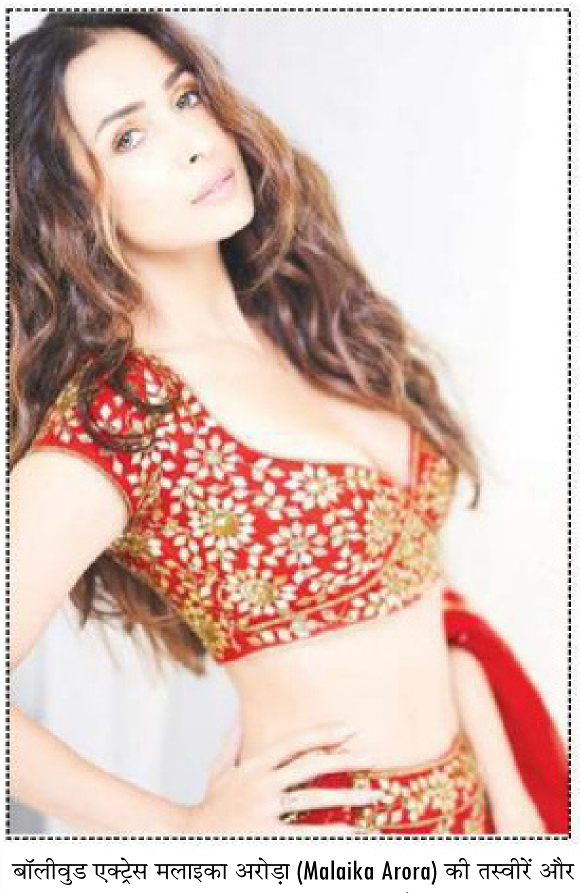

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा (Malaika Arora) की तस्वीरें और वीडियो आए दिन इंटरनेट पर वायरल हो जाते हैं. इसी क्रम में उनका एक ताजा वीडियो इंस्टाग्राम पर जमकर शेयर किया जा रहा है. वीडियो में मलाइका अरोड़ा (Malaika Arora) लहंगा-चोली पहनकर रैम्प वॉक करती दिखाई पड़ रही हैं. मलाइका अरोड़ा (Malaika Arora) किसी शहजादी की तरह नजर आ रही हैं और फैंस उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं.

लहंगा चोली में मलाइका का अंदाज

मलाइका अरोड़ा (Malaika Arora) डीप नेक चोली में काफी बोल्ड लग रही हैं और उनका इंटेन्स लुक फैंस के दिलों को घायल रह रहा है. पापाराजी विरल भयानी ने मलाइका अरोड़ा (Malaika Arora) का ये वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है और वह ब्राइडल अंदाज में हुस्न का तड़का लगाती दिख रही हैं.

शो स्टॉपर बनी थीं मलाइका अरोड़ा

मालूम हो कि मुंबई में लक्मे फैशन वीक 2021 का आयोजन किया गया था और 5 दिन तक चले इस इवेंट में टॉप मॉडल्स के अलावा बॉलीवुड सितारे भी नजर आए. बात करें बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत (Malaika Arora) की तो रविवार को मलाइका अरोड़ा (Malaika Arora) फैशन डिजाइनर अन्नू के लिए शो स्टॉपर बनीं.

ये भी आईं थीं लैक्मे फैशन वीक में नजर

लक्मे फैशन वीक के आखिरी दिन बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर (Kareena Kapoor Khan), सोहा अली खान (Soha Ali Khan), दिव्या खोसला कुमार (Divya Khosla Kumar) और चित्रांगदा सिंह (Chitrangda Singh) ने रैंप वॉक किया. बता दें कि मलाइका अरोड़ा (Malaika Arora) सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनके नाम से ढेरों फैन पेज हैं जिन पर फैंस उनकी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं.

ट्रांसपैरेंट सलवार पहनना पड़ा था आलिया भट्ट पर भारी, वरुण धवन की वजह से हुईं उप्स मोमेंट की शिकार

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्टाइलिश बनने के चक्कर में कभी-कभार ऐसे आउटफिट पहन लेती हैं कि उन्हें वार्डरोब मालफंक्शन यानी उप्स मोमेंट का शिकार होना पड़ता है. ऐसी ही स्थिति का एक बार शिकार हो चुकी हैं आलिया भट्ट (Alia Bhatt) और उप्स मोमेंट की शिकार वो अपने को-एक्टर वरुण धवन (Varun Dhawan) की वजह से हुई थीं.

आलिया की ट्रांसपैरेंट सलवार

वरुण धवन और आलिया भट्ट (Alia Bhatt) कई फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं. दोनों ने अपने करियर की शुरुआत ही एक-साथ की थी. साल 2014 में फिल्म आई थी हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया. इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान वरुण धवन ने एक्ट्रेस के साथ कुछ ऐसा कर दिया कि उन्हें शर्मिंदगी उठानी पड़ी. दरअसल, उन्होंने अचानक आलिया भट्ट को अपनी गोद में उठा लिया और एक्ट्रेस ने ट्रांसपैरेंट सलवार पहन रखी थी.

आलिया का उप्स मोमेंट

आलिया भट्ट (Alia Bhatt) की ये फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी. इस तस्वीर के लिए आलिया को खूब ट्रोल भी किया गया था. इसी तरह आलिया (Alia Bhatt Oops Moment) कई बार वार्डरोब मालफंक्शन की शिकार हो चुकी हैं.

आलिया की फिल्में

आलिया (Alia Bhatt Movies) के वर्कफ्रंट की बात करें तो गंगूबाई काठियावाड़ी के अलावा वो फिल्म 'आरआरआर' में नजर आने वाली हैं. इसके अलावा वो रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में नजर आने वाली हैं. कैटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा के साथ वो फिल्म जी ले जरा में दिखेंगी. इसके अलावा वो अपने प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म डार्लिंग्स में भी एक्टिंग करती नजर आएंगी. यही नहीं वो रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर सिंह के साथ फिर रोमांस करेंगी.

टी-20 विश्व कप में नई जर्सी के साथ उतरेगी टीम इंडिया, ऐसे दिखेंगे भारत के धुरंधर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल के खत्म होने के साथ ही टी-20 विश्व कप का आगाज हो जाएगा। आईसीसी के सबसे छोटे प्रारूप के वर्ल्ड कप की शुरुआत 17 अक्टूबर से हो रही है। भारतीय टीम का अभियान 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ शुरू होगा। इसके लिए भारतीय टीम का नया जर्सी भी सामने आ गया है। नई जर्सी का रंग नीला है। हालांकि इसकी डिजाइन में थोड़े बहुत बदलाव जरूर नजर आ रहे हैं।

बीसीसीआई ने ट्वीट कर नई जर्सी का खुलासा किया है। अपने ट्वीट में बीसीसीआई ने टीम इंडिया के धुरंधरों की तस्वीर भी शेयर की है जो नई जर्सी को पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली, उप कप्तान रोहित शर्मा के अलावा रविंद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह और केएल राहुल शामिल हैम। बीसीसीआई ने अपने ट्वीट के साथ लिखा- पेश है Billion Cheers Jersey ! जर्सी का पैटर्न प्रशंसकों के अरबों चीयर्स से प्रेरित है।

आपको बता दें कि जब टी-20 विश्व कप की शुरुआत हुई थी तो 2007 में पहली बार भारत इसका चैंपियन बना था। हालांकि उसके बाद से भारत टी-20 विश्व कप का चैंपियन नहीं बन सका है। ऐसे में कप्तान कोहली एक बार फिर से भारतीय टीम को ट्रॉफी दिलाने की कोशिश करेंगे। इस विश्व कप में टी-20 में कप्तान के तौर पर कोहली आखरी बार उतरेंगे। भारतीय समय अनुसार भारत के मुकाबले शाम 7:30 बजे शुरू होंगी। भारत का पहला मुकाबला 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ है। दूसरा मुकाबला 31 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ है। तीसरा मुकाबला 3 नवंबर को अफगनिस्तान के खिलाफ, 5 नवंबर को बी1 और 8 नवंबर को ए2 के साथ होगा।

कश्मीर का राग अलापने वाले इमरान ने अब बीसीसीआई पर साधा निशाना, कहा- विश्व क्रिकेट पर भारत का दबदबा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान का इस समय क्रिकेट काफी रोचक विषय बना हुआ है। हमेशा कश्मीर का राग अलापने वाले इमरान खान ने अब क्रिकेट को लेकर बड़ा बयान दिया है। आपको यह तो पता ही होगा कि न्यूजीलैंड और इंग्लैंड क्रिकेट टीमों ने अपना पाकिस्तान दौरा रद्द कर दिया था जिसको लेकर पाक पीएम इमरान खान काफी निराश हुए लेकिन उन्होंने एक बड़ा बयान जारी कर कहा कि, पैसा इस समय सबसे बड़ा खिलाड़ी है। इमरान के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई दुनिया का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड है और वे क्रिकेट की दुनिया को नियंत्रित करते हैं। पाकिस्तानी मीडिया को संबोधित करते हुए इमरान ने आगे कहा कि, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड भारत के साथ ऐसा करने की हिम्मत कभी नहीं करता। उन्होंने कहा , इंग्लैंड जानता है कि बीसीसीआई आर्थिक रूप से मजबूत है और पैसा अब सबसे बड़ा खिलाड़ी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड सबसे अमीर है। वे अब क्रिकेट की दुनिया को नियंत्रित कर रहे हैं।

आपको बता दें कि, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान से पहले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा ने भी यह मुद्दा उठाया था। इमरान ने अपनी नाराजगी जताते हुए आगे कहा कि, इंग्लैंड दौरा बिल्कुल भी रद्द नहीं किया। उन्होंने कहा कि, उन्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि पाकिस्तान ने 2019 में कोविड सुपीरियर के दौरान इंग्लैंड का दौरा भी किया था। अगर आज उनके साथ ऐसा कुछ हो जाए तो कैसा लगेगा? क्या यह बेहतर होता? 1992 विश्व कप जीतने वाले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान न्यूजीलैंड का दौरा रद्द होने से भी नाराज हैं। उन्होंने कहा कि, पाकिस्तान में मेहमान टीम की सुरक्षा को लेकर हमें काफी चिंता करने की जरूरत है। अगर कुछ होता है, तो हम दोषी होंगे।

टी20 विश्व कप में बड़ा बदलाव, अक्षर पटेल की जगह इस खिलाड़ी की हुई टीम में एंट्री

नयी दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में 17 अक्टूबर से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम में बुधवार को अक्षर पटेल की जगह तेज गेंदबाज आल राउंडर शारदुल ठाकुर को शामिल किया गया। ठाकुर (29 वर्ष) ने यूएई में खेली जा रही इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के लिये 18 विकेट चटकाकर प्रभावित किया है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के सचिव जय शाह ने एक बयान में कहा, ''अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने टीम प्रबंधन के साथ चर्चा के बाद शारदुल ठाकुर को मुख्य टीम में शामिल किया है। हरफनमौला अक्षर पटेल 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा थे लेकिन अब वह 'स्टैंड-बाय' खिलाड़ियों की सूची में जुड़ जायेंगे। '' मुंबई इंडियंस के लिये खेलने वाले तेज गेंदबाज आल राउंडर हार्दिक पंड्या फिटनेस मुद्दों के कारण आइपीएल के दौरान गेंदबाजी नहीं कर रहे थे तो चयनकर्ता उनके लिये एक कवर चाहते थे। चयन समिति के करीबी एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''चयनकर्ताओं को महसूस हुआ कि उनके पास एक तेज गेंदबाज की कमी थी और फिर हार्दिक पंड्या भी गेंदबाजी नहीं कर रहे थे तो उन्हें मुख्य टीम में एक आल राउंडर की जरूरत थी। '' सूत्र ने कहा, ''अक्षर 'स्टैंड-बाय' के तौर पर बने रहेंगे और अगर रविंद्र जडेजा चोटिल हो जाते हैं तो वह फिर से मुख्य टीम में शामिल हो जायेंगे। जब तक जड्डू खेलते हैं तो अक्षर की जरूरत नहीं होगी। '' चयनकर्ताओं ने हर्षल पटेल को भी भारतीय टीम के नेट गेंदबाजों में शामिल किया है। बयान के अनुसार, ''ये क्रिकेटर दुबई में टीम के 'बायो-बबल' से जुड़ेंगे और तैयारियों में 'टीम इंडिया' की मदद करेंगे : आवेश खान, उमरान मलिक, हर्षल पटेल, लुकमान मेरीवाला, वेंकटेश अय्यर, कर्ण शर्मा, शाहबाज अहमद और के गौतम। '' भारतीय टीम 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी।

आईसीसी टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम इस प्रकार है : विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा (उप कप्तान), केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, राहुल चाहर, रविचंद्रन अश्विन, शारदुल ठाकुर, वरूण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी। स्टैंड-बाय खिलाड़ी : श्रेयस अय्यर, दीपक चाहर और अक्षर पटेल।

आईपीएल 2022: अगले आईपीएल में 2 नहीं, चाहिए 5 नए कप्तान, जानिए क्या होंगे बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल 2021 का सीजन अब खत्म होने को है. आईपीएल 2021 का सीजन भी अपने समय यानी अप्रैल और मई में चल रहा था. लेकिन उस वक्त भारत में कोरोना वायरस काफी तेजी से चल रहा था, इसलिए कोरोना वायरस टीम इंडिया में भी घुस गया और कुछ खिलाड़ियों के साथ ही स्टॉफ मैंबर में भी इससे संक्रमित हो गए थे. इसके बाद से टाल दिया गया था. कुछ ही दिन बाद बीसीसीआई ने तय किया कि अब भारत में आईपीएल का ये सीजन नहीं होगा और इसे यूएई के लिए ट्रांसफर कर दिया गया. आईपीएल 2020 का सीजन भी यूएई में ही खेला गया था.

कोरोना वायरस के बीच भी यूएई में दोनों सीजन सफलतापूर्वक हुए और कोई दिक्कत नहीं हुई. अब जिस तरह से भारत में कोरोना के केस कुछ कम हुए हैं, उसके बाद माना जा रहा है कि आईपीएल 2022 भारत में ही अपने समय पर होगा, जिसमें अब मात्र छह महीने का ही वक्त रह गया है. आईपीएल 2022 में दो नई टीमें भी होंगी. लेकिन अगले आईपीएल में लगभग सभी टीमें बदली हुई नजर आएंगी और हां, अगर आप सोचते हैं कि आईपीएल 2022 में दो नई टीमों के लिए नए कप्तान नजर आने वाले हैं तो ऐसा नहीं है. आईपीएल 2022 में कम से कम पांच नए कप्तान नजर आने वाले हैं.

आईपीएल 2022 में दो नई टीमें होंगी, उनको तो पूरी टीम ही बनानी है और उन्हें इसके लिए कप्?तान भी खोजना है. इनके अलावा भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि वे आईपीएल 2021 के बाद आरसीबी कप्तानी नहीं करेंगे. एक बार फिर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की टीम का इस साल का भी सफर खत्म हो गया है. माना जा रहा है कि विराट कोहली जब तक भी आईपीएल खेलेंगे वे आरसीबी के लिए ही खेलेंगे. इस बीच टीम का नया कप्तान कौन होगा ये भी बड़ा सवाल है. विराट कोहली की जगह लेने के लिए हो सकता है कि केएल राहुल तैयार हों. क्योंकि केएल राहुल दो साल से पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं. खुद केएल राहुल को अच्छा खेल रहे हैं और रन भी बना रहे हैं, लेकिन टीम उस तरह का प्रदर्शन नहीं कर पा रही है, जिसकी उम्मीद उनसे की जा रही है. आईपीएल 2020 और आईपीएल 2021 में पंजाब किंग्स की टीम प?लेऑफ्स के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर पाई और नीचे की चार टीमों में शामिल रही. क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो हो सकता है कि केएल राहुल आईपीएल 2022 में टीम के कप?तान न रहें और उन्हें टीम रिलीज भी कर सकती है. अगर ऐसा हुआ तो केएल राहुल आरसीबी की ओर वापसी कर सकते हैं. राहुल को एक अच्छी टीम की जरूरत होगी, वहीं आरसीबी को एक अच्छे कप्तान की. खास बात ये भी है कि केएल राहुल पहले भी आरसीबी के लिए लंबे अर्से से खेलते रहे हैं, वहीं लोकेश राहुल रहने वाले भी कर्नाटक के ही हैं, जहां की ये टीम है. अगर ऐसा होता है तो कोई ताज्जुब की बात नहीं होनी चाहिए.

अगर पंजाब किंग्स की टीम राहुल को टीम से रिलीज कर देगी तो उन्हें भी एक नए कप्तान की जरूरत होगी. पंजाब किंग्स में जो अभी खिलाड़ी खेल रहे हैं, उनमें से कोई भी खिलाड़ी कप्तान बनने लायक तो नजर नहीं आता. आईपीएल 2021 के पहले फेज में जब केएल राहुल ने कुछ मैच मिस किए थे, तब मयंक अग्रवाल कप्तान बने थे, लेकिन वे कामचलाऊ कप्तान थे. लेकिन अगर उन्हें पूरी तरह से पूरे सीजन के लिए कप्तान बनाया जाता है तो वे चल भी सकते हैं और नहीं भी, यानी यह एक रिस्क होगा. जो भी लेकिन उन्हें कप्तान को नया चुनना ही पड़ेगा. यानी दो नई टीमों के कप्तान और दो पुरानी टीमों के कप्तान बदलते हुए नजर आ सकते हैं.

मुझे लगता है कि हम आईपीएल जीत सकते हैं : पोंटिंग

दुबई (एजेंसी)।

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का मानना है कि उनकी टीम आईपीएल 2021 की ट्रॉफी जीत सकती है। उन्होंने साथ ही कहा कि ट्रॉफी जीतना ही कारण है जिसके लिए वह और उनके खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। दिल्ली की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर थी और उसे आज फाइनल में पहुंचने के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबला खेलना है। पोंटिंग ने फ्रेंचाइजी के जरिए ट्वीट किए गए वीडियो में कहा, मैं दिल्ली के साथ तीन साल से हूं। पहले साल जब मैं यहां आया तो हम आखिरी स्थान पर रहे। दो साल पहले तीसरे स्थान पर रहे और पिछली बार हम उपविजेता बने। मुझे लगता है कि हम आईपीएल जीत सकते हैं और इसके लिए मैं और खिलाड़ी यहां आए हैं। उन्होंने कहा, कई साल पहले जो दिल्ली थी उससे अलग आज की टीम है। इसका कारण फ्रेंचाइजी ने जो खिलाड़ी लिए हैं वो है। हम उन चार शब्दों का पालन करते हैं जो मैंने कहा, रवैया, प्रयास, प्रतिबद्धता और देखभाल। हम बेहतर करेंगे। पोंटिंग ने कहा, मैं यहां खिताब जीतने के लिए हूं। हम काफी करीब हैं, यह अच्छा सीजन रहा है। बेहतर सीजन नहीं रहे हैं क्योंकि हमने खिताब नहीं जीता है। मुझे कुछ प्रयास और रवैया दिखाएं और प्रतिबद्धता दर्शाएं।

टेनिस : सितसिपास ने इंडियंस वेल्स में फोगिनी को हराया

इंडियन वेल्स। ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास ने इटली के फैबियो फोगनिनी को यहां चल रहे बीएनपी परिबास ओपन के तीसरे राउंड में हराया।विश्व के नंबर-3 सितसिपास ने फोगनिनी को दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में 2-6, 6-3, 6-4 से हराया। सितसिपास ने इसके साथ ही इटली के इस खिलाड़ी के खिलाफ एटीपी हेड टू हेड रिकॉर्ड को 3-0 किया। उन्होंने फोगनिनी के खिलाफ मुकाबले में 21 विनर्स लगाए और 28 बेजां भूलें की जबकि फोगनिनी ने 32 विनर्स लगाए लेकिन 32 बेजां भूलें की। सितसिपास ने कहा, अच्छी वापसी की। ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता क्या हुआ। मैं बस मैच में वापसी करना चाहता था और यह किसी तरह हुआ। उन्होंने कहा, सेट में पिछड़ने के बाद मैं बस अंक लेना चाहता था और इसने अच्छे से काम किया। अच्छी मानसिकता और संयम ने मदद की। मैं ऐसे पलों में समाधान खोजता हूं। सितसिपास का राउंड-16 में मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनोर से मुकाबला होगा।

फुटबॉल : जापान ने विश्व कप क्वालीफायर में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया

टोक्यो। जापान ने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराकर एशियन विश्व कप क्वालीफाईंग के फाइनल राउंड में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही जापान के ग्रुप बी में दो जीत और दो हार के साथ छह अंक हो गए हैं। इससे पहले, जापान की ओर से आओ तनाका ने आठवें मिनट में गोल कर टीम को शुरूआती बढ़त दिलाई। जापान ने फिर इस बढ़त को पहले हॉफ तक बरकरार रखा और ऑस्ट्रेलिया को गोल करने से रोके रखा।

हालांकि, ऑस्ट्रेलिया की ओर से एजडिन ह्रुस्टिक ने 70वें मिनट में गोल कर बराबरी हासिल की। लेकिन जापान की तरफ से 86वें मिनट में एजीज बेहइच ने गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। निर्धारित समय तक अन्य कोई गोल नहीं होने के कारण ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त झेलनी पड़ी। हर ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें अगले साल कतर में होने वाले फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो का जोरदार हैट्रिक, डेनमार्क ने विश्व कप में बनाई जगह

पेरिस। (एजेंसी)।

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक और हैट्रिक जमाकर अपनी टीम को विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर्स में आसान जीत दिलायी जबकि डेनमार्क ने एक और जीत से कतर में अगले साल होने वाले टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की। यूरोपीय क्वालीफायर्स के मैचों में इंग्लैंड और हंगरी के बीच खेले गये मैच में दर्शकों ने व्यवधान डाला, लेकिन फैरो में खेले गये मैच में रोनाल्डो की चली जिन्होंने क्लब और अपने देश की तरफ से करियर की कुल 58वीं हैट्रिक जमायी। इससे रोनाल्डो के अंतरराष्ट्रीय गोल की संख्या का रिकार्ड 115 पर पहुंच गया है।

पुर्तगाल ने उनके करिश्माई प्रदर्शन से इस मैच में लक्समबर्ग को 5-0 से करारी शिकस्त दी। अपना 182वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे रोनाल्डो की यह पुर्तगाल की तरफ से 10वीं हैट्रिक है। रोनाल्डो ने आठवें और 13वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किये और 87वें मिनट में हैट्रिक पूरी की। पुर्तगाल की तरफ से अन्य दो गोल ब्रूनो फर्नांडिस और जोओ पालिन्हा ने किये। इस जीत के बावजूद पुर्तगाल ग्रुप ए में सर्बिया से अंक पीछे है लेकिन उसने एक मैच कम खेला है। सर्बिया ने एक अन्य मैच में अजरबेजान को 3-1 से हराया। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम विश्व कप के लिये सीधे क्वालीफाई करेगी जबकि दूसरे स्थान की टीम प्लेऑफ में खेलेगी। इस बीच डेनमार्क यूरोपीय देशों में विश्व कप के लिये क्वालीफाई करने वाला दूसरा देश बन गया है। उसने कोपेनहेगेन में खेले गये मैच में जोकिम मेहले के दूसरे हाफ में किये गये गोल की मदद से आस्ट्रिया को 1-0 से हराया। डेनमार्क की यह लगातार आठवीं जीत है जिससे उसने ग्रुप एफ में अपना शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया। जर्मनी यूरोप से क्वालीफाई करने वाला पहला देश था।

डेनमार्क ने दूसरे नंबर की टीम स्कॉटलैंड पर सात अंक की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। स्कॉटलैंड ने फैरो आइलैंड पर 1-0 से जीत दर्ज की और दूसरे स्थान पर रहने का अपना दावा मजबूत किया। वह तीसरे स्थान की टीम इजराइल से चार अंक आगे है जिसने मोलदोवा को 2-1 से हराया। इंग्लैंड के पास भी क्वालीफाई करने का मौका था लेकिन वेम्ब्ले स्टेडियम में खेले गये मैच में हंगरी ने उसे 1-1 से ड्रा पर रोक दिया। इस मैच के शुरू में पुलिसकर्मियों और हंगरी के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी थी। हंगरी के प्रशंसक नस्लीय टिप्पणियां कर रहे थे। इंग्लैंड ग्रुप आई में शीर्ष पर है। वह दूसरे स्थान की टीम पोलैंड से तीन अंक आगे है। पोलैंड ने एक अन्य मैच में अल्बानिया को 1-0 से पराजित किया। स्वीडन ग्रुप बी में यूनान पर 2-0 की जीत से स्पेन से आगे शीर्ष पर पहुंच गया है जबकि ग्रुप सी में स्विट्जरलैंड ने लिथुवानिया पर 4-0 की जीत से अपने अंकों की संख्या इटली के बराबर पहुंचा दी है। इटली गोल अंतर में हालांकि आगे है।

विलियम्सन की चोट पर बोले कोच, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले फिट होंगे

दुबई। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कप्तान केन विलियम्सन की फिटनेस को लेकर कहा कि वह आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर-12 में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच से पहले फिट हो जाएंगे। विलियम्सन आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के अंतिम मुकाबले से बाहर रहे थे और स्टीड ने खुलासा करते हुए कि विलियम्सन को हैम्सट्रिंग चोट आई है। स्टीड ने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, विलियम्सन ठीक हैं। उन्हें हल्की सी हैम्सट्रिंग चोट लगी है लेकिन वह इससे उबर रहे हैं। हैदराबाद की टीम भी आईपीएल से बाहर हो गई है। विलियम्सन आईपीएल के बाद छह दिनों तक होटल में क्वारंटीन रहने के बाद दुबई में न्यूजीलैंड कैंप पहुंचे। उनके अलावा जेम्स नीशम, एडम मिलने और शेन बॉन्ड भी टीम से जुड़े हैं। पूर्व तेज गेंदबाज बॉन्ड टीम के साथ चौथे कोच के रूप में जुड़े हैं। स्टीड ने कहा, हमने आज गर्म दिन में ट्रेनिंग की है। हमने दो बजे शुरू किया और उस वक्त तापमान 35 और 38 डिग्री था। आपको ऐसा महसूस होगा जैसे आप जल रहे हो।